04 - भारत के विकास की असीम संभावनाओं की दस्तक

05 - ऑनलाइन ठगी से बचाएगी मोबाइल से थोड़ी दूरी

A Daily News Magazine
इंदौर
मंगलवार, 31 दिसंबर, 2024

06 - कृषि विभाग का दावा: किसानों को कम नहीं पड़ने देंगे यूरिया, पर्याप्त...

07 - एम्स भोपाल ने जटिल हृदय रोग से पीड़ित...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 10 अंक 92, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2
(डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

प्रसंगवश

क्या नए साल में बिहार को मिलेगा नया 'सांताक्लॉज'?

शैलेश

नया साल बिहार में विधान सभा के चुनाव का साल होगा। वैसे तो तय समय के अनुसार चुनाव अक्टूबर-नवंबर में होंगे, लेकिन लगभग सभी पार्टियां अभी से मतदाताओं को रिझाने में लग गयी हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन दिनों 'प्रगति यात्रा' पर निकले हैं। वो हर जिले में जाकर सैकड़ों करोड़ की नयी योजनाओं की घोषणा कर रहे हैं। 20 साल तक मुख्य मंत्री रहने के बाद भी वो जो नहीं कर पाए वो करने की उम्मीद जगा रहे हैं। माना जा रहा है कि वो बीजेपी के मुकाबले अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश भी कर रहे हैं, ताकि विधानसभा के लिए टिकटों के बंटवारे में उनकी पार्टी को बीजेपी की शर्तों के के आगे झुकना नहीं पड़े।

विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव 'कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद' यात्रा पर हैं। बिहार की राजनीति में नए नए उतरे प्रशांत किशोर 'जन सुराज यात्रा' पूरी करके नयी पार्टी बनाने के बाद फिर नयी यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। बिहार विधानसभा में इस समय सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी सदस्यता अभियान के ज़रिए मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश कर रही है । इन सारे अभियानों का मूल मकसद एक ही नजर आता है, मतदाताओं के मूड को समझना और उन्हें अपने पाले में लाने के लिए सटीक रणनीति तैयार करना। एक मकसद जीतने वाले उम्मीदवार की तलाश करना भी है। सभी पार्टियां ये समझ चुकी हैं कि बिहार के मतदाता भीतर ही भीतर सुलग रहे हैं, इसलिए अगले विधान सभा चुनाव में राजनीति करवट बदल सकती हैं।

पिछले बीस सालों से बिहार की राजनीति में एक ही सांताक्लॉज हैं, नीतीश कुमार। वो जिस गठबंधन के साथ जाते हैं उसे विधान सभा में जीत का उपहार मिलता है, उसकी सरकार बनती है। नीतीश की पार्टी विधान सभा में भले ही सबसे बड़ी पार्टी नहीं हो, मुख्यमंत्री वो ही बनते हैं। ये सिलसिला 2005 के विधान सभा चुनावों से ही चल रहा है। 2005 और 2010 के चुनावों में वो एनडीए यानि बीजेपी गठबंधन के साथ थे तो एनडीए की सरकार बनी। मोदी युग में 2015 और 2020 के चुनावों में नीतीश एनडीए का साथ छोड़ कर आरजेडी गठबंधन के साथ चले गए तो एनडीए सत्ता से बाहर हो गयी।

क्या नीतीश राजनीतिक रूप से अब भी उतने ही शक्तिशाली हैं? इस बात को सिर्फ़ एक उदाहरण से समझा जा सकता है । हाल में आरजेडी के नेताओं ने नीतीश को अपने गठबंधन में शामिल होने का न्योता दिया तो बीजेपी के नेताओं ने आरजेडी पर राजनीतिक हमला बोल दिया। एक समय पर बीजेपी में नीतीश कुमार के सबसे बड़े विरोधी माने जाने वाले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नीतीश को भारत रत्न देने की मांग कर दी। कहा जा सकता है कि बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार का जलवा बरकरार है। इसका पहला बड़ा कारण तो ये है कि नीतीश ने अति पिछड़ों और अति दलितों का जो सामाजिक समीकरण सन् 2000 के आसपास बनाया वो अब तक बरकरार है।

नीतीश खुद कोइरी जाति से हैं जो अति पिछड़ों में सबसे ज़्यादा ताकतवर हैं और जमीन पर सबसे ज़्यादा शक्तिशाली पिछड़ी जाति यादव का मुक़ाबला करते हैं। आगे चल कर राज्य में शराब बंदी के ज़रिए नीतीश ने महिलाओं को एक राजनीतिक शक्ति के रूप में अपने साथ जोड़ा। बीजेपी सिर्फ़ सवर्णों के समर्थन से सत्ता में नहीं आ सकती, इसलिए उसे नीतीश की ज़रूरत है। आरजेडी गठबंधन सिर्फ़ माय फैक्टर अर्थात् मुस्लिम -यादव की ताक़त से सत्ता में आने की उम्मीद नहीं करता इसलिए उसके दरवाज़े हर समय नीतीश के लिए खुले रहते हैं।

तीसरा दरवाजाः चुनाव रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर के राजनीति में आने से गर्जना तर्जना तो खूब हुई लेकिन कुछ समय पहले हुए विधान सभा के उप चुनावों में उनकी पार्टी कोई बड़ा कमाल नहीं कर पायी। इतना जरूर हुआ कि उनकी पार्टी के उम्मीदवारों की मौजूदगी से आरजेडी गठबंधन दो सीटें हार गया और उसका फायदा बीजेपी को मिला। 2025 के चुनावों में प्रशांत की जन सुराज पार्टी कोई बड़ा कमाल कर पाएगी इसका कोई संकेत अभी नहीं मिल रहा है।

प्रशांत शिक्षा और रोजगार को बड़ा मुद्दा बनाना चाहते हैं, उनके समर्थक इसका असर युवा पीढ़ी पर होने की उम्मीद लगा कर बैठे हैं। शराब बंदी खत्म करने की उनकी घोषणा को भी एक वर्ग का समर्थन मिल रहा है। इसका कारण राज्य में अवैध शराब का धंधा और इस नाम पर पुलिस का आतंक और अत्याचार है। प्रशांत कोशिश कर रहे हैं कि राज्य जाति केंद्रित राजनीति से बाहर निकले और विकास के मुद्दों पर बात हो। धुर जातिवाद में फंसे राज्य को इससे बाहर निकलना आसान नहीं है।

2025 के चुनावों के बाद बिहार में महाराष्ट्र को दुहराया नहीं जा सकता इसकी कोई गारंटी नहीं है। बिहार विधान सभा में अभी बीजेपी के 84 और जेडीयू के 48 सदस्य हैं फिर भी बी जेपी ने नीतीश को मुख्य मंत्री की कुर्सी दे रखी है, वैसे ही जैसे महाराष्ट्र में शिंदे को दी थी। 2024 के महाराष्ट्र विधान सभा चुनावों में बीजेपी को बड़ी जीत मिल गयी तो शिंदे को उप मुख्य मंत्री पद मजबूरन स्वीकार करना पड़ा।

2025 में बीजेपी बिहार में बड़ी ताकत बन कर उभरती है और महाराष्ट्र में अजीत पवार की तरह बिहार में प्रशांत किशोर कोई कमाल कर पाते हैं तो स्थिति बदल सकती है। बिहार में नीतीश के वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए बीजेपी ने उपेंद्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी जैसे नेताओं को खड़ा करने की कोशिश की जो पूरी तरह असफल रही। मुकेश सहनी जैसे मल्लाह नेता तो अपना वजूद बचाने के लिए जूझ रहे हैं। नीतीश को बदलती परिस्थितियों का आभास तो है लेकिन उन्हें मालूम है कि आरजेडी जैसे तारणहारों की मौजूदगी में बीजेपी कोई दांव नहीं खेल सकती है।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

किसानों ने 9 घंटे पंजाब बंद रखा

लुधियाना में किसान-दुकानदारों में बहस

पंधेर बोले- किसी की जबरदस्ती दुकानें बंद नहीं कराई

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा-पंजाब के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर चल रहे आंदोलन के समर्थन में सोमवार को किसानों ने पंजाब बंद रखा। सुबह 7 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक किसान 140 जगहों पर हाईवे और रेलवे ट्रैक पर बैठे। इस दौरान अमृतसर-जालंधर-पानीपत-दिल्ली और अमृतसर-जम्मू पर ट्रैफिक पूरी तरह से बंद रहा। पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ समेत सभी यूनिवर्सिटी ने आज होने वाले एग्जाम स्थगित कर दिए थे।

किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा, हमें किसी की जबरदस्ती दुकानें नहीं बंद करवानी पड़ी। व्यापार मंडल, आढ़ती एसोसिएशन, जत्थेबंदियों और यूनियनों का समर्थन मिला। करीब 270 जगह प्रदर्शन हुए। किसानों के बंद की वजह से रेलवे ने वंदे भारत समेत 163 ट्रेनों को रद्द कर दिया। पुणे से जम्मू तवी जा रही झेलम एक्सप्रेस को जालंधर कैंट स्टेशन पर रोका गया।

बंद के दौरान पुलिस, किसानों और दुकानदारों में बहस

जालंधर में पैदल यात्रियों को रोकने पर किसानों और पुलिस में नोकझोंक हुई। वहीं लुधियाना में बस्ती जोधेवाल चौक और खन्ना में जाम लगाने को लेकर किसानों और लोगों के बीच बहस हुई। लुधियाना में लाडोवाल टोल प्लाजा पर एक व्यक्ति ने जाम लगा रहे किसान पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की। जिसके बाद उसे पकड़ लिया गया। उसने कहा कि गलती से ऐसा हुआ। जालंधर में बारात किसानों के जाम में फंस गई। इनमें दूल्हे की कार भी थी। हालांकि दूल्हे ने बाहर निकालकर किसान यूनियन का झंडा पकड़ा और किसानों की जिंदाबाद के नारे लगाए। फिर वह बारात लेकर आगे चला गया। जालंधर के धन्नोवाली फाटक पर किसानों का धरना लगा है। यहां सुबह दूल्हे की गाड़ी पहुंची। दूल्हे ने गाड़ी से बाहर निकलकर किसानों का झंडा थामा और नारे लगाए।

आज पंजाबियत जीती है

270 जगह आवाजाही बंद हुई– पंजाब बंद खत्म होने के बाद किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि आज पंजाबियत जीती है। हमें जबरदस्ती कोई दुकान बंद नहीं करवानी पड़ी। हम साढ़े 6 बजे अमृतसर के गोल्डन गेट पहुंचे तो 90 फीसदी ट्रैफिक रोड पर नहीं था। जैसे–जैसे समय बढ़ा, यह कम होता गया। उन्हें पंजाब बंद के लिए व्यापार मंडल, दुकानदारों, आढ़ती एसोसिएशन, पूर्व फौजियों, सभी मुलाजिम और यूनियनों का समर्थन मिला। इस दौरान सब्जी मंडियां व दाना मंडियां बंद रहीं। पेट्रोल पंप बंद रहे, थ्री व्हीलर नहीं चले। उन्होंने हमारे बराबर पंजाब बंद किया। करीब 270 जगह रेल व सड़क आवाजाही बंद हुई।

जो भी बाराती आए, उनमें चाहे दूल्हा था या दुल्हन, हमारे किसान नेताओं ने उन्हें शगुन तक दिया। उनकी गाड़ियों को भी आगे निकाला। एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों को भी हमने नहीं रोका। पंजाब के कुछ भाजपा नेता व एजेंसियों के लोग भाषा बोल रहे थे कि पंजाब का माहौल खराब हो जाएगा, बहुत बड़ा नुकसान होगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। वर्ष 1947 के बाद जितने भी पंजाब बंद हुए हैं, उनमें से यह बंद सबसे कामयाब और शांतिपूर्ण रहा।

सीएम मोहन यादव ने की चार संभागों की समीक्षा बैठक

विकास कार्यों की प्रोग्रेस पर रहेगी नजर, 2025 का बनेगा रोडमैप

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव 30 दिसंबर को चार संभागों की समीक्षा बैठक की। वे रीवा, शहडोल, ग्वालियर और चंबल संभाग की विकास कार्यों और पिछले टारगेट को लेकर समीक्षा की। समीक्षा बैठक में नए साल 2025 की रणनीति भी बनाई जाएगी।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव नए साल से पहले काम में जुट गए हैं। सोमवार, 30 दिसंबर को वे चार संभागों रीवा, शहडोल, ग्वालियर और चंबल की समीक्षा बैठक की। ये बैठकें विकास कार्यों और 2025 की रणनीति पर केंद्रित थी। पहली बैठक रीवा और शहडोल संभाग के लिए हुई, इसके बाद ग्वालियर और चंबल संभाग की बैठक हुई। सीएम यादव लगातार अधिकारियों के साथ बैठकें कर रहे हैं।

विकास कार्यों की प्रोग्रेस पर रहेगी नजर

इन बैठकों में विकास कार्यों की प्रगति देखी जाएगी। साथ ही, पिछले दिए गए लक्ष्यों पर भी चर्चा होगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव 2025 के लिए नई रणनीति भी बनाएंगे। वे लगातार अधिकारियों के साथ बैठकें कर रहे हैं। ये बैठकें प्रदेश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती हैं।

सुप्रभात

समझ से बाहर है , क्या हम
ही हैं जैसे जो हम हैं
कभी पूछ ही लेते हैं हम हैं
तो ऐसे क्यों हम हैं
नदियों तालाबों सागर से
बादल का फूला पेट
बनी हुई है प्यास तो फिर
इतनी आंखें क्यों नम हैं
धार तुम्हारी तलवारों की
इतनी बेताब मचलतीं हैं
अफसोस उन्हें है नरम तो हैं
इतने ऊंचे क्यों हम हैं
फेहरिस्त गई बनाई कहीं भी
अपना नाम ना था
टिके हुए फिर नज़रों में इतने
सारे क्यों हम हैं
अब कहां रखें ये घड़े जो
इतने सारे बना लिये
चाक पे अब तक बैठे खुद
कच्चे माटी के तो हम हैं
निकलेंगे इतने घाघ
उम्मीद न थी ये अपने से
उम्र लुटा फिर भी हंसते
व्योपारी ऐसे क्यों हम हैं।

–सुधीर मोता

गुड गवर्नेंस इंडेक्स 2023 जारी नहीं करेगी केंद्र सरकार

गुड गवर्नेंस वीक यानी 19 से 25 दिसंबर के दौरान जारी होना था इंडेक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गुड गवर्नेंस इंडेक्स 2023 जारी नहीं करने का फैसला किया है। यह इंडेक्स राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की द्विवार्षिक रैंकिंग है। इसे गुड गवर्नेंस वीक (19 दिसंबर से 25 दिसंबर) के दौरान जारी किया जाना था। अब अगला सुशासन सूचकांक का अगला संस्करण 2025 में प्रकाशित होगा। मीडिया की रिपोर्ट में इस बात का दावा किया गया है। यह इंडेक्स पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर 25 दिसंबर, 2019 को लॉन्च किया गया था। इस दिन को 'गुड गवर्नेंस डे' के रूप में मनाया जाता है।

महाकाल मंदिर पहुंचे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और सेना अध्यक्ष द्विवेदी

- *रक्षामंत्री बोले- महाकाल के दर्शन पाकर धन्य हुआ, 20 मिनट तक गर्भगृह में किया पूजन*

उज्जैन (नप्र)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सेना अध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी सोमवार को उज्जैन पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले महाकालेश्वर मंदिर पहुंच कर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। रक्षा मंत्री और सेना अध्यक्ष ने गर्भगृह में करीब 20 मिनट तक पूजा की। पूजन मुख्य पुजारी घनश्याम शर्मा द्वारा सम्पन्न करवाया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सेना अध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी मध्य प्रदेश के दो दिन के दौरे पर है। अपने प्रवास के दूसरे दिन दोनों भगवान महाकाल के दर्शनों के लिए उज्जैन पहुंचे। राजनाथ सिंह ने गर्भगृह में पूजन के बाद नंदी हाल में बैठकर भगवान महाकाल का ध्यान लगाया।

इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा की भगवान महाकाल के दर्शन पाकर धन्य हुआ। महाकाल मंदिर समिति की ओर से सिंह और द्विवेदी का सम्मान किया गया। राजनाथ सिंह इससे पहले कई बार बाबा महाकाल के दर्शन के लिए मंदिर आ चुके है। इस दौरान सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज, विधायक उषा ठाकुर, सभापति नगर पालिक निगम कलावती यादव, आयुक्त संजय गुप्ता, डी. आई. जी. नवनीत भसीन, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा मौजूद रहे।

बचपन में बच्चे का न रोकें हाथ

यंग आर्टिस्ट 10 साल की बच्ची ने 49 देशों के कंटेस्टेंट को पछाड़कर पेरेंट्स को दी एक नई सीख

नईदिल्ली (एजेंसी)। 10 साल की यंग आर्टिस्ट ने 49 देशों के कंटेस्टेंट को हराकर पेरेंटस को एक नई सीख दी है। वो ये कि अगर पेरेंटस कम उम्र में बच्चों के हुनर और क्रिएटिविटी को नजरअंदाज न करें, तो बड़े होकर बच्चे उसी क्षेत्र में देश दुनिया में नाम कमा सकते हैं।

इन दिनों 10 साल की उम्र की बच्ची नाजमिन चर्चा में है। उसके वीडियोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। दरअसल, यह बच्ची यंग आर्टिस्ट है, जो 10 साल की उम्र में 49 देशों के कंटेस्टेंट को पछाड़ चुकी है। नाजमीन बचपन से ही दीवारों पर पेंटिंग बनाया करती थीं। इस यात्रा में पेरेंटस ने उन्हें काफी सपोर्ट किया है।

माता-पिता न केवल छोटी सी बच्ची की कला पर विश्वास किया, बल्कि उसे बढ़ने के लिए जगह भी दी। वास्तव में हर बच्चे के भीतर एक आर्टिस्ट होता है। लेकिन पेरेंट्स उसे बदमाशी या शरारत मानकर उन्हें आगे बढ़ने से रोक देते हैं। जबकि कुछ पेरेंटस बच्चों को बढ़ावा देकर उनका मनोबल बढ़ाते हैं। यहां बताया गया है कि आप अपने बच्चों की क्रिएटिविटी को कैसे बढ़ा सकते हैं।

सवाल करने के लिए प्रेरित करें

आपको लगता है कि आपका बच्चा बचपन से ही क्रिएटिव है, तो उसे हमेशा सवाल करने के लिए प्रेरित करते रहें। यह बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का अच्छा तरीका है। आप खुद बच्चों से सवाल पूछ सकते हैं। इससे उनकी इमेजिनेशन स्किल्स को बढ़ावा मिलता है।

फन एक्टिविटीज में शामिल हों?

बच्चे को घर में ही रोके ना रखें। उनके साथ आउटडोर एक्टिविटीज में शामिल हों। इससे उनकी एक्सरसाइज तो होगी ही, वे कुछ नया भी सीखेंगे। कई स्टडीज बताती हैं कि कम उम्र में बच्चों को माइंड गेम्स खिलाए जाएं, तो उनकी स्किल्स में सुधार आने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

नींद का ध्यान रखें – बच्चों के हुनर को बढ़ावा देने के लिए सबसे जरूरी है उनकी नींद का ध्यान रखना। नींद अच्छी होगी, तो उसके दिमाग को बेहतर आइडिया के साथ नई चीजों पर फोकस करने का समय मिलेगा। क्योंकि इनोवेटिव आइडियाज तभी आते हैं, जब दिमाग शांत और स्थिर हो।

कॉम्पिटिशन में हिस्सा दिलवाएं – अगर आपके बच्चे में कोई अनूठा हुनर है, तो नजरअंदाज करने के बजाय उसे बढ़ावा देना चाहिए। कम उम्र में ही बच्चे को कॉम्पीटीशन्स में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें। इससे न केवल बच्चों की झिझक खुलती है, बल्कि उनमें रचनात्मक सोच भी विकसित होती है।

सोशल स्किल्स सिखाना जरूरी– बच्चों को क्रिएटिव स्किल्स सिखाने के साथ सोशल स्किल्स सिखाना भी बहुत जरूरी है। इसके लिए आप उन्हें पशु आश्रय या वृद्धाश्रम ले जा सकते हैं। उन्हें स्वयं सेवा का महत्व बताएं। ऐसा करने से बच्चों में औरों के प्रति सेंसिटिव अप्रोच बनेगी।

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

भोपाल का तापमान

अधिकतम 18 °c | न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 31 दिसंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

8 दिन से बोरवेल में फंसी 3 साल की बच्ची

टनल के अंदर सांस लेना मुश्किल; आखिरी चरण में रेस्क्यू ऑपरेशन

कोटपूतली (एजेंसी)। कोटपूतली में 700 फीट गहरे बोरवेल में फंसी चेतना (3) को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन अंतिम चरण में है। रेस्क्यू टीम उसके करीब पहुंच गई है। इंजीनियर्स की एक टीम ने लेजर अलाइनमेंट डिवाइस से सुरंग में एंगल जांच की है। घटनास्थल पर अधिकारियों का पहुंचना शुरू हो गया है। 8 दिन से बोरवेल में फंसी चेतना की कंडीशन को लेकर सब अधिकारी चुप हैं। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने दावा किया है कि ये राजस्थान का सबसे मुश्किल ऑपरेशन है। 28 दिसंबर को चेतना के परिवार-ग्रामीणों ने भी प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाए थे। सोमवार (23 दिसंबर) दोपहर दो बजे चेतना खेलते हुए बोरवेल में गिर गई थी। वह करीब 150 फीट की गहराई में फंसी थी। चार देसी जुगाड़ के बाद उसे केवल 30 फीट ही ऊपर खींचा जा सका था। बोरवेल में गिरने के बाद से उसे पानी तक नहीं पहुंचाया जा सका है। मंगलवार (24 दिसंबर) शाम से वह कोई मूवमेंट भी नहीं कर रही है।

'मिनी पाकिस्तान है केरल, इसलिए राहुल-प्रियंका जीते...'

नितेश राणे के बयान पर मचा सियासी बवाल; अब दी सफाई

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे के 'मिनी-पाकिस्तान' वाले बयान पर सियासी बवाल मच गया है। राणे की टिप्पणी के बाद पूरा विपक्ष महाराष्ट्र सरकार पर बरस पड़ा। विपक्ष के हमले के बाद अब राणे ने सफाई दी है। महाराष्ट्र के मत्स्य पालन मंत्री नितेश राणे ने एक भाषण में केरल की तुलना 'मिनी पाकिस्तान' से करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी इसी कारण संसद बने हैं। पुणे के पुरंदर तालुका में एक रैली को संबोधित करते हुए राणे ने कहा, केरल छोटा पाकिस्तान है, इसलिए राहुल गांधी और उनकी बहन वहां से चुने जाते हैं। सभी आतंकवादी उन्हें वोट देते हैं। यह सच है, आप पूछ सकते हैं। वे आतंकवादियों को साथ लेकर सांसद बने हैं। बता दें कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे के बेटे राणे शिव प्रताप दिवस के अवसर पर आयोजित एक समारोह में बोल रहे थे।

राणे ने दी सफाई, मैंने केरल की तुलना पाक से की - बयान पर बवाल मचने के बाद राणे ने कहा कि केरल भारत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि वह केवल केरल और पाकिस्तान की स्थिति की तुलना कर रहे थे।

हिंसा के बाद पहली बार संभल पहुंचे सांसद बर्क

बोले- 29 सालों से यहां हिंदू-मुस्लिम नहीं हुआ, अब आग लगाई गई, 5 लोग मारे गए

संभल (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी का 11 सदस्यीय डेलिगेशन सोमवार को संभल पहुंचा। यहां 24 नवंबर को हुई हिंसा में मारे गए 5 लोगों के परिवार से मुलाकात की। उन्हें 5-5 लाख रुपए के चेक दिए।

सपा डेलिगेशन में सांसद जियाउर्रहमान बर्क भी शामिल थे। वे हिंसा के बाद पहली बार संभल पहुंचे। उन पर पुलिस ने हिंसा भड़काने का केस दर्ज किया था।

सांसद बर्क ने कहा, जो घटना हुई है उससे केवल संभल ही नहीं बल्कि पूरा प्रदेश और देश शर्मसार हुआ है। यह सच है कि संभल अति संवेदनशील जगह रही है। यहां पहले जरूर आपस में लोगों के झगड़े थे। लेकिन यह भी सच है कि 29 सालों से यहां हिंदू और मुस्लिम के बीच कोई फसाद नहीं हुआ है। लोग सुकून से रह रहे थे और इस सुकून को आग लगाई गई है,हम लोगों के सुकून को छीना गया है। हमारे पांच लोगों की जान ली गई है। अगर हम लोगों यहां से न्याय नहीं मिलेगा तो न्यायालय के पास जाएंगे। मेरे ऊपर क्यों मुकदमा लिख दिया, जबकि मैं उस दिन संभल में ही नहीं था। इधर, संभल में चल रही खुदाई पर कैराना से सपा सांसद इकरा हसन ने कहा, मुझे लगता है कि इन सब चीजों की जरूरत नहीं है, क्योंकि हमारे देश का कानून सबको मानना पड़ता है। अब यहां किसी का राज नहीं है।

उत्तर भारत में भीषण शीत लहर का अलर्ट

4 जनवरी से पश्चिमी विक्षोभ बिगाड़ेगा मौसम

कश्मीर में बर्फबारी, दिल्ली-एनसीआर में शीतलहर, यूपी-म.प्र.कोल्ड वेव, बिहार में बारिश का अलर्ट, राजस्थान ठंड से ठिठुरा

नईदिल्ली (एजेंसी)। आज नए साल से पहले पूरे उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड ने दस्तक दे दी है। खासतौर से दिल्ली-एनसीआर में गलन बढ़ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पहाड़ों पर बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में दिख रहा। पहाड़ों में बर्फबारी और तेज हवाओं ने उत्तर भारत में ठंड का सितम बढ़ा दिया है। नए साल की शुरुआत भी शीतलहर के बीच होने की संभावना है। मौसम विभाग ने कई राज्यों में अलर्ट जारी किया है। पंजाब हरियाणा चंडीगढ़ और राजस्थान में घने कोहरे के साथ शीतलहर की स्थिति बनी रहेगी। आने वाले पांच दिनों में उत्तर प्रदेश में पारा गिरेगा। कड़ाके की ठंड और शीतलहर की चपेट में पूरा उत्तर भारत आ चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले तीन से चार दिन ऐसा ही हाल रहने के आसार है। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार को दिन में कुछ धूप जरूर निकली। हालांकि, सर्दी के सितम से खास राहत नजर नहीं आई। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का असर मैदानी क्षेत्रों में दिख रहा। उत्तर प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों, बिहार, झारखंड से लेकर राजस्थान,म.प्र.तक कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। कई इलाकों में सुबह के समय कोहरे पड़ने की वजह से भी आम लोगों को मुश्किलें हो रही हैं।

कश्मीर में तापमान हिमांक बिंदु से कई डिग्री नीचे- कश्मीर के गुलमर्ग और पहलगाम में शीतलहर से कड़ाके की ठंड जारी है। तापमान हिमांक बिंदु से कई डिग्री नीचे चला गया है। हालांकि घाटी के अन्य हिस्सों में सर्दी से कुछ राहत मिली है। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तरी कश्मीर में 'स्कीइंग' गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

12 कंटेनर से रात में यूका भोपाल से पीथमपुर भेजेंगे, विरोध में दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे

एक्सपर्ट की निगरानी में 337 टन जहरीले कचरे की पैकिंग

भोपाल (नप्र)। भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के गोदाम में रखे 337 मीट्रिक टन जहरीले कचरे की पैकेजिंग एक्सपर्ट की निगरानी में की जा रही है। इसे 12 कंटेनर में भरकर देर रात 250 किमी का ग्रीन कॉरिडोर बनाकर भोपाल से पीथमपुर ले जाया जाएगा। उधर, पीथमपुर में कचरे को जलाए जाने को लेकर प्रदर्शन हो रहा है। यहां के कई लोग दिल्ली रवाना हुए हैं। जहां वे दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे।

एक्सपर्ट्स की मौजूदगी में कचरे को 12 कंटेनर में भरने की प्रोसेस शुरू हुई थी। हालांकि देर रात तक कचरा पीथमपुर के लिए रवाना नहीं किया जा सका। इस पूरी प्रक्रिया में कैंपस के अंदर जाने की मनाही है। 200 मीटर के दायरे को सील कर दिया है।

रास्ते भी बंद किए गए हैं। कैंपस में 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात हैं। वहीं, कुल 400 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी, एक्सपर्ट्स और डॉक्टरों की टीम इस काम में जुटी है। गैस कांड के 40 साल बाद पीथमपुर इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमेंट (रामकी) कंपनी के

एक्सपर्ट्स की मॉनिटरिंग में ये कचरा 12 कंटेनर ट्रकों में भरा जा रहा है।

जहां जहरीला कचरा, वहां की मिट्टी भी ले जाएंगे- जहरीला कचरा भरते हुए विशेष सावधानी बरती जा रही है। हवा में यूनियन कार्बाइड गैस फैलने के कारण 1984 में 5 हजार से अधिक मौतें हुईं थी। इसीलिए यूका परिसर में 3 जगहों पर एयर क्वालिटी की मॉनिटरिंग के लिए उपकरण लगाए हैं। इनसे पीएम 10 व पीएम 2.5 के साथ नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई ऑक्साइड आदि की जांच की जा रही है। कचरा जिस स्थान पर रखा है, उस इलाके की धूल भी कचरे के साथ जाएगी। यदि कहीं कचरा गिरा है तो उस जगह की मिट्टी को भी पीथमपुर ले जाया जाएगा। इस मिट्टी और धूल की भी टेस्टिंग होगी। जांचा जाएगा कि कहीं मिट्टी भी तो जहरीली नहीं हुई।

कचरा जलाने में इतना लगेगा समय- रामकी एनवायरो में 90 किलोग्राम प्रति घंटे की स्पीड से कचरे को जलाने में 153 दिन यानी 5 महीने 1 दिन का समय लगेगा। 270 किलोग्राम प्रति घंटे की स्पीड से नष्ट करते हैं तो इसे खत्म करने में 51 दिन का वक्त लगेगा।

इस रास्ते से पीथमपुर पहुंचेगा कचरा- हर कंटेनर का एक यूनिक नंबर होगा। ये ट्रक कंटेनर जिस रूट से निकलेंगे उसकी सूचना जिला प्रशासन को दे दी जाएगी। रास्ते पर ट्रैफिक रोकने की जिम्मेदारी भोपाल और इंदौर के संभाग आयुक्तों को सौंपी गई है। ट्रक करोंद मंडी होते हुए पीपुल्स मॉल, करोंद चौराहा, गांधी नगर, मुबारकपुर, सीहोर नाका होते हुए इंदौर जा रहे हैं। यह रूट इसलिए चुना गया है, क्योंकि रात के समय इस रूट पर ट्रैफिक का दबाव कम रहता है।

कैंपस में डॉक्टरों की टीम, फौरन देगी इलाज- जो मजदूर कंटेनर ट्रकों में कचरा भर रहे हैं, उन्हें सेफ्टी के सारे उपकरण और सुविधाएं दी गई हैं। अंदर ही डॉक्टरों की टीम भी तैनात की गई है, जो हर हालात पर नजर रख रही है। कचरा लोडिंग के दौरान अगर किसी की तबीयत बिगड़ती है तो फौरन मौके पर ही उसे दवा और ट्रीटमेंट देने के इंतजाम है।

फर्जी कॉल से निपटने के लिए टेलीकॉम विभाग की तैयारी

- नया सिम कार्ड खरीदने पर लग सकती है रोक
- सरकार ने साइबर धोखाधड़ी से निपटने के लिए सख्त कदम उठाए हैं
- 2025 से ब्लैकलिस्ट किए गए व्यक्तियों के नाम साझा किए जाएंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने पूरे देश में साइबर धोखाधड़ी का सामना कर रहे लाखों मोबाइल यूजर्स को राहत देने के लिए पूरी तरह से तैयारी कर ली है। उन व्यक्तियों की सूची तैयार करने के लिए कदम उठाए गए हैं जो अब नए सिम कार्ड के लिए पात्र नहीं होंगे। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने नए सिम कार्ड नियमों के तहत सख्त उपाय लागू करना शुरू कर दिया है। हाल ही में, ट्राई द्वारा शुरू किए गए एक अभियान का उद्देश्य फर्जी कॉल और एसएमएस की समस्या से निपटना है, जिसके परिणामस्वरूप सैकड़ों हजारों मोबाइल नंबर बैन कर दिए गए हैं।

प्राधिकरण इस संबंध में कड़े कदम उठाने के लिए तैयार है। रिपोर्टों के अनुसार, जो लोग किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर सिम कार्ड प्राप्त करते हैं या धोखाधड़ी वाले स्क्रिप्ट भेजते हैं, उन्हें गंभीर समस्या का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे अपराधियों को साइबर सुरक्षा के लिए खतरे के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा।

- **टेलीकॉम ऑपरेटर्स के साथ किया था शेयर-** 2025 से, इन अपराधियों के नाम ब्लैकलिस्ट में जोड़े जाएंगे, जिसे सभी टेलीकॉम ऑपरेटरों के साथ साझा किया जाएगा, ताकि उनके नाम पर दोबारा सिम कार्ड जारी न किया जा सके। सरकार ने इन साइबर सुरक्षा नियमों के तहत व्यक्तियों का एक डेटाबेस तैयार करने का निर्णय लिया है। एक बार सूची तैयार होने के बाद, इन उपयोगकर्ताओं को नोटिस भेजा जाएगा, जिसमें उन्हें सात दिनों के भीतर उत्तर देना होगा।

जनवरी में यूपी-म.प्र. समेत 7 राज्यों में भाजपा अध्यक्ष बदलेंगे

नया राष्ट्रीय अध्यक्ष फरवरी तक, 15 जनवरी तक 50 प्रतिशत राज्यों में संगठन चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा में जल्द ही संगठन स्तर पर बड़ा फेरबदल होने वाला है। नए साल में जनवरी के आखिरी या फरवरी के पहले हफ्ते में पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। हालांकि पार्टी के संविधान के मुताबिक इससे पहले 50 प्रतिशत राज्यों में संगठन के चुनाव पूरे कराने हैं। इसके अलावा 15 जनवरी तक मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और झारखंड में प्रदेश अध्यक्ष भी बदले जाएंगे। संगठन चुनाव को लेकर रविवार को दिल्ली में पार्टी की बैठक हुई। बैठक के बाद लद्दाख भाजपा महासचिव पीटी कुंजांग ने बताया- 15 जनवरी, 2025 तक राज्य और जिला अध्यक्षों के चुनाव पूरे होने हैं। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया शुरू होगी और जनवरी अंत तक भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी। इसके अलावा, इस साल 25 दिसंबर को अटल जी की 100 जयंती के उपलक्ष्य में, बैठक में 25 दिसंबर 2025 तक पूरे साल सुशासन और संविधान पर्व मनाने का फैसला लिया गया है।

लोकसभा-विधानसभा चुनाव के चलते नड्डा का कार्यकाल बढ़ा

जेपी नड्डा को जून, 2019 में पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष और जनवरी, 2020 में पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाया गया था। पार्टी अध्यक्ष का कार्यकाल 3 साल का होता है। इस लिहाज से नड्डा का कार्यकाल 2023 में खत्म हो चुका है। लोकसभा और विधानसभा चुनावों को देखते हुए उनका कार्यकाल बढ़ाया गया था। भाजपा के संविधान के मुताबिक कोई व्यक्ति अधिकतम दो कार्यकाल तक लगातार अध्यक्ष रह सकता है। नड्डा के केंद्रीय मंत्रिमंडल में जाने के बाद उनके दोबारा अध्यक्ष बनने की संभावना खत्म हो चुकी है। इसकी वजह भाजपा का एक व्यक्ति-एक पद नियम है।

पद के लिए आयु सीमा तय, युवाओं को अहमियत- भाजपा अपने संगठन में युवाओं को महत्व देने के लिए पहले ही आयु सीमा तय कर चुकी है। इसके लिए जिलों के भीतर बनाए जाने वाले मंडल अध्यक्ष की उम्र 35 से 45 साल के बीच निर्धारित की गई है। वहीं, जिलाध्यक्ष की उम्र 45 से 60 साल के बीच होगी। जिलाध्यक्ष के लिए संगठन में 7 से 8 साल तक काम करने का अनुभव भी जरूरी किया गया है। इनका चुनाव 15 जनवरी तक पूरा कराए जाने का लक्ष्य है।

नए साल का आग़ाज़ राहत की बात के साथ

इंदौर में राहत इंदौरी की याद में मुशायरा, दास्तानगोई व क़व्वाली

(जावेद आलम)

इंदौर। कहने को तो इंदौर मध्यप्रदेश की व्यावसायिक राजधानी है, मगर मुशायरों के लिए भी इसका प्रेम छलकता रहता है। इस बार शहर अपने चहीते शायर राहत इंदौरी की पिचहत्तरवीं सालगिरह का जश्न मनाते हुए उन्हें एक बड़े आयोजन 'राहत की बात' के माध्यम से याद कर रहा है। इसका महत्वपूर्ण अंग एक बड़ा मुशायरा भी है। साथ ही राहत इंदौरी पर परिचर्चा, दास्तान-गोई, क़व्वाली भी होगी।

नए साल की आमद के साथ, एक जनवरी (2025) को लाभ मंडपम में होने वाले इस चतुरंगी आयोजन के आयोजकों में कई बड़े नाम शामिल हैं। प्रचार और मार्केटिंग के लिहाज़ से इसे अभी से सफल कहा जा सकता है कि शहर में इसके चर्चे होते रहे और आमंत्रण-पत्रों की मांग बढ़ती गई। शहर के विभिन्न भागों में स्थित संस्थानों से कार्ड वितरित किए जाते रहे। कार्ड वितरक बहुत सावधानी से देख-परख कर कार्ड देने में लगे रहे। उनकी शिकायत है कि बहुत से लोग कार्ड पूरे उत्साह से ले जाते हैं, मगर आना भूल जाते हैं। आ गए तो घंटे-दो घंटे में वापिस चल देते हैं। यह कार्यक्रम तो शाम चार बजे से शुरू हो जाएगा। सो मुशायरा आधी रात के बाद तक चल सकता है। अब कार्ड ऐसे ही लोगों को दे दिए गए तो हॉल ख़ाली-ख़ाली ही दिखेगा न...उनकी चिंता वाजिब है कि मुशायरा आधी क्या पूरी रात भी चल सकता है। मुशायरों के हवाले से पहचाने जाने वाले देश के कई ख्यातनाम फ़नकार इसमें शामिल हैं, जैसे वसीम बरेलवी, नवाज़ देवबंदी, इक़बाल अशहर, ताहिर फ़राज़, मंज़र भोपाली, नईम अख़्तर ख़ादिमी, नदीम फ़र्रुख़, शबीना अदीब, अल्ताफ़ ज़िया वग़ैरा। मुशायरे से पहले राहत इंदौरी के काव्यकर्म व व्यक्तित्व पर परिचर्चा होगी। शहर के प्रतिष्ठित लेखक डॉ. अज़ीज़ इरफ़ान द्वारा राहत इंदौरी पर लिखी किताब 'ख़्वाब की खेतियां' के साथ ही राहत इंदौरी समग्र 'मैं ज़िंदा हूं' का विमोचन होगा।

दास्तान-गो हिमांशु वाजपेयी 'दास्ताने-राहत' पेश करेंगे, तो आफ़ताब क़ादरी क़व्वाल पार्टी द्वारा राहत इंदौरी का कलाम क़व्वाली की शक्ल में प्रस्तुत किया जाएगा। तैयारियां चरम पर हैं। नए साल का आग़ाज़ एक अच्छे साहित्यिक आयोजन के साथ होना नेक शगुन है।

एमवीए में दरार!

बीएमसी चुनाव अकेले लड़ने की तैयारी में उद्धव की शिवसेना

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने संकेत दिया है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली उनकी पार्टी कांग्रेस और राकांपा (शरदचंद्र पवार) से गठबंधन के बिना ही मुंबई महानगरपालिका के चुनाव अकेले लड़ सकती है। सोमवार को दुबे ने एक बयान में कहा है कि महाराष्ट्र भर के शिवसैनिकों की ओर से पार्टी हाईकमान को यह सुझाव आ रहा है कि हमें अकेले चुनाव लड़ना चाहिए। अकेले चुनाव लड़ने से हमें दो चीजों का लाभ मिलता है। पहला, हर जगह हमारे सभी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ता है और दूसरा, अधिक से अधिक लोगों को चुनाव लड़ने का मौका मिलता है।

इंदौर में दो मुनियों का महामिलन

मुनि पूज्य सागरजी बोले- मुनि प्रमाण सागरजी महाराज बड़े भैया और पिता के समान, समाजजन हर्षित

इंदौर (नप्र)। दिगंबर जैन नवग्रह अतिशय क्षेत्र ग्रेटर बाबा परिसर में सोमवार को मुनि प्रमाण सागरजी महाराज ससंघ और अंतर्मुखी मुनि पूज्य सागरजी महाराज का महामिलन हुआ। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि यह मिलन देखकर समाज जन हर्षित हुए और नमोस्तु शासन जयवंत हो का जयघोष करते हुए चले। मुनिद्वय एयरपोर्ट चौराहे से बैंड बाजों के साथ नवग्रह अतिशय क्षेत्र पहुंचे। यहां पर बड़ी संख्या में समाजजन ने मुनिश्री के पाद प्रक्षालन एवं आरती की। मुनियों ने ससंघ ने अतिशय कारी भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन किए। इसके बाद मुनिद्वय ने सभा को संबोधित भी किया। इस अवसर पर मुनि प्रमाण सागरजी ने कहा कि जब साधु से साधु का मिलन होता है तो बड़ी प्रसन्नता होती है। मुनि पूज्य सागरजी ने प्रसन्नता प्रकट करते हुए कहा कि संतों के दर्शन होते ही भक्तों का हृदय कमल खिल जाता है। लंबे इंतजार के बाद नवग्रह क्षेत्र में मुनि संघ का आगमन हुआ है। मुनि पूज्य सागर जी से भी आज मिलन का सुयोग बन पाया है। मुनिश्री की खबर आई थी, पर संयोग नहीं बना, आज बन गया। मुनि पूज्य सागरजी ने कहा कि पुण्य से संतों से मिलने का अवसर मिलता है। मुनि प्रमाण सागरजी महाराज बड़े भैया, पिता के समान हैं। आपका आशीर्वाद मिले कि धर्म प्रभावना हो पाए या नहीं पर मुझसे अप्रभावना नहीं हो। इस अवसर पर नकुल पाटोदी, मनीष अजमेरा, सौरभ पाटोदी, अशोक जैन, गिरीश वेद, अनुराग वेद, रेखा जैन, विनोद जैन, प्रदीप पाटोदी, पवन जैन, पवन पाटोदी, गजेन्द्र जैन, प्रदीप बड़जात्या, कमल रावका, महेंद्र निगोतिया, पिंकेश टोंग्या, वीरेंद्र बड़जात्या, पवन मोदी, वीरेंद्र जैन पप्पन, अर्पित बड़जात्या, रितेश कासलीवाल आदि उपस्थित थे।

सर्द हवाओं ने कंपकंपाया

दिन का तापमान 4 डिग्री गिरा ; सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा

इंदौर (नप्र)। इंदौर में पिछले 24 घंटों से चल रही तेज सर्द हवाओं के कारण मौसम में ठंडक बढ़ गई है। इसका असर दिन और रात दोनों के तापमान पर पड़ा है। दिन के तापमान में 4 डिग्री और रात के तापमान में 2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। दिन का तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस (-5) और रात का तापमान 13.2 डिग्री सेल्सियस (+2) दर्ज किया गया। शहर में स्थिति यह थी कि भले ही कोल्ड डे नहीं था, लेकिन दिनभर मौसम काफी ठंडा रहा। सोमवार को भी सुबह से ठंडी हवाओं का दौर जारी है, जिससे कंपकंपी महसूस हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि साल की आखिरी रात को तापमान 10 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। अभी जिस प्रकार से सिस्टम बना हुआ है। संभावना है कि मध्य प्रदेश में नए साल के पहले दिन से कड़ाके की सर्दी का दौर फिर शुरू हो जाएगा। बर्फीली हवाओं के चलते पूरा प्रदेश ठिठुरने लगेगा। इंदौर में रविवार से बारिश की एक्टिविटी बंद हो गई और मौसम साफ हो गया, लेकिन टेम्प्रेचर में गिरावट देखने को मिली। इंदौर में सोमवार सुबह हल्का कोहरा था और विजिबिलिटी 1100 मीटर तक की थी। इसके साथ ही हवा की गति 8 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से थी। इससे कंपकंपी बनी हुई है। इसके साथ ही बादल भी छाए हुए हैं।

न्यू ईयर पार्टी को लेकर मंडी में जोरदार ग्राहकी

आलू और प्याज में उछाल, लहसुन में अच्छी ग्राहकी से भाव में तेजी

इंदौर (नप्र)। इंदौर में मंगलवार को होटलों, क्लब, रेस्टोरेंट्स, घरों सहित कई स्थानों पर होने वाली 31 दिसंबर की न्यू ईयर पार्टी को लेकर देवी अहिल्याबाई फल एवं सब्जी थोक मंडी में सोमवार को जोरदार ग्राहकी देखने को मिली। वहीं, शनिवार और रविवार को दो दिन के अवकाश के बाद लहसुन मंडी खुली। इससे लहसुन में अच्छी ग्राहकी होने से 100 से 1200 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी बताई गई। प्याज में भी 3 से 4 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी बताई गई। आलू के भाव में स्थिरता रहे। लहसुन मंडी में सोमवार को ग्राहकों की भीड़ रही। लहसुन मंडी में सुपर माल 20000 से 23000, एवरेज 16000 से 19000, मीडियम 14000 से 15000 रुपए प्रति क्विंटल के भाव रहे। आवक 7 हजार कट्टों की रही। आलू मंडी में राशन ज्योति 1500 से 1700, एवरेज 1400 से 1500, गुल्ला 800 से 1200, चिप्स आलू के एलआर में 2500 से 2800, पुखराज 1400 से 1600, आगरा पुराना 1600 से 1700, एलआर 2100 से 2800 रुपए क्विंटल पर बिका। आवक 12 हजार कट्टों (1 कट्टे 60 किलो) की बताई गई। प्याज मंडी में प्याज सुपर मोटा माल 2800 से 3100, मीडियम 2500 से 2800, गोल्टा 1800 से 2000, गोल्टी 1100 से 1500 रुपए क्विंटल पर बिका। आवक 15 हजार से 16000 हजार कट्टे की बताई गई।

इंदौर में डबल डेकर बस चलाने की तैयारी शुरू

एआईसीटीएसएल ने टेंडर किए जारी, 2016 से चल रही है चलाने की कवायद

इंदौर (नप्र)। इंदौर में डबल डेकर बस चलाने की कवायद तेज हो गई है। एआईसीटीएसएल ने इसके लिए टेंडर जारी कर दिए हैं, जो 21 जनवरी को खोले जाएंगे। इसके बाद ऑपरेटर को एक माह के भीतर बस का संचालन शुरू करना होगा। एआईसीटीएसएल ने बीते अक्टूबर में डबल डेकर बस का सफल ट्रायल करने के बाद चार बसों से शुरुआत करने की योजना बनाई है। इनमें तीन बंद बसें (पैक बस) और एक खुली छत (ओपन डेक) वाली बस शामिल होगी। ओपन डेक बस का उपयोग शहर के पर्यटन स्थलों की सैर कराने के लिए किया जाएगा। बीते दिनों हुई बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को अनुमति दी गई थी। हालांकि, बसों की कीमत अधिक होने के कारण कम ऑपरेटरों के रुचि दिखाने की आशंका है। ये बसें इलेक्टिक होगी,जो एक बार चार्ज होने पर 250 किमी तक चलेगी।

जानकार बोले- टेंडर में रुचि नहीं लेंगे ऑपरेटर

जानकारों का कहना है कि डबल डेकर बसों का संचालन मुश्किल हो सकता है। जब एआईसीटीएसएल के मुखिया संदीप सोनी थे, तब से ही डबल डेकर (हॉप ऑन हॉप ऑफ) बस चलाने की योजना बनाई जा रही थी, लेकिन अब तक यह योजना सफल नहीं हो पाई। इस बार जारी किए गए टेंडरों को देखकर भी ऐसा लग रहा है कि ऑपरेटर रुचि नहीं लेंगे। सूत्रों के अनुसार, यह टेंडर नो-कॉस्ट मॉडल पर आधारित है। यानी बसों को लाने और चलाने का सारा खर्च ऑपरेटर को उठाना होगा। विभाग के विशेषज्ञों का कहना है कि एक बस की कीमत 2 करोड़ से अधिक है। ऐसे में कोई भी ऑपरेटर इन बसों को लाने के लिए तैयार होना मुश्किल है।

2016 से बन रही योजना, लेकिन कभी सफल नहीं हुई- इंदौर में मुंबई की तरह डबल डेकर बसें चलाने की योजना 2016 से बनाई जा रही है। तत्कालीन एआईसीटीएसएल सीईओ संदीप सोनी ने इसके लिए ऑपरेटरों और बस निर्माता कंपनियों से संपर्क किया था। लेकिन इंदौर की ज्यादातर सड़कों पर इन बसों का संचालन संभव न होना और लागत अधिक होना इस योजना की विफलता के बड़ा कारण हैं। अब इन बसों का इलेक्ट्रिक होना भी एक नई चुनौती बन गया है।

एक माह तक हुआ बसों का ट्रायल- एआईसीटीएसएल ने 20 अक्टूबर से मुंबई की एक कंपनी से डबल डेकर बस मंगवाकर एक माह तक ट्रायल किया था। इस दौरान कुछ मार्गों पर बसों का संचालन सफल रहा, लेकिन कई मार्गों पर यह संभव नहीं हो पाया। बस निर्माता कंपनी ने अपने प्रचार और सर्वे के लिए यह बसें भेजी थीं, लेकिन नगर निगम ने इसका श्रेय खुद ले लिया।

जारी टेंडर में यह

एआईसीटीएसएल द्वारा जारी टेंडर के अनुसार, शहर में तीन बंद और एक ओपन डेक डबल डेकर बस चलाई जाएंगी। ओपन डेक बस का उपयोग शहर के पर्यटन स्थलों की सैर के लिए किया जाएगा।

इन रूट्स पर बस चलने की संभावना

कुमेड़ी आईएसबीटी से फीनिक्स मॉलः सुखलिया, सयाजी, विजय नगर, स्टार चौराहा, बेस्ट प्राइज, डीपीएस, गोल्डन लीव्स, रेजेंटा होटल, आईडीटीएल टोल प्लाजा। एयरपोर्ट से स्कीम-140ः कालानी नगर, बड़ा गणपति, राजमोहल्ला, महू नाका, कलेक्टर कार्यालय, सपना-संगीता, जू, शिवाजी वाटिका, पिपलिहाना चौराहा, बिचौली बायपास। राजीव गांधी चौराहे से वेस्ट प्राइजः आईटी पार्क चौराहा, मूसाखेड़ी, पिपलिहाना, स्कीम-140, बिचौली बायपास, बेस्ट प्राइज। इंदौर दर्शनः खजराना मंदिर, बड़ा गणपति, बिजासन, हींकारगिरि, गोमटगिरि।

इंदौर पार्षद मनीष मामा शॉर्ट फिल्म में बने भिखारी

एमआईसी सदस्य ने भिक्षावृत्ति रोकने किया अभिनय; कहा- शहर हित में हर भूमिका निभाने को तैयार

इंदौर (नप्र)। नगर निगम शहरी गरीबी उपशमन विभाग के प्रभारी और भाजपा नेता मनीष शर्मा ने भिक्षुक मुक्त इंदौर अभियान को प्रोत्साहित करने और भिक्षावृत्ति रोकने के लिए के लिए अनूठी पहल की है। उन्होंने इसके लिए एक शॉर्ट फिल्म बनाई है। जिसमें वे भिक्षुक का अभिनय करते हुए केन्द्र सरकार के स्माइल प्रोजेक्ट के तहत भिक्षा मांगने वालों को मुख्यधारा से जोड़ने वाली योजनाओं का प्रचार कर रहे हैं। शॉर्ट फिल्म में शर्मा ने फटी बनियान पहन भिक्षुक का अभिनय किया है। गौरतलब है कि जिला प्रशासन काफी समय से इंदौर में भिक्षावृत्ति को रोकने के लिए प्रयास कर रहा है। एमआईसी सदस्य मनीष शर्मा ने कहा कि, इंदौर की जनता के लिए मैं कुछ भी कर सकता हूं। शहर हित में कोई भी भूमिका निभाने के लिए हूं तैयार। शर्मा की यह शॉर्ट फिल्म सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। वहीं दूसरी ओर इंदौर में भिक्षुक अभियान के दौरान रेस्क्यू किए गए भिखारियों के पास हजारों रुपए मिल रहे हैं। मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि अन्य प्रदेशों से भिखारी यहां आकर भिक्षावृत्ति कर रहे हैं। बता दें कि इंदौर में भिक्षावृत्ति को रोकने के लिए कलेक्टर आशिष सिंह ने भी आदेश जारी किए है। कलेक्टर आशीष सिंह ने एक जनवरी 2025 से भिक्षुकों को भिक्षा देने वालों के खिलाफ भी आपराधिक प्रकरण दर्ज करने का कहा है। यह

कार्रवाई भारतीय भिक्षावृत्ति निरोधक अधिनियम की धारा 163 के तहत की जाएगी।

मोदी सरकार की योजना का प्रचार- शर्मा ने बताया कि मोदी सरकार ने भिक्षुकों को पुनर्वास और स्वरोजगार देने के लिए कौशल विकास केंद्र खोलना आरंभ किया है। इसी का प्रचार फिल्म में किया जा रहा है। मैंने एक भिक्षुक का रोल किया है, जो अपने साथी के साथ भिक्षा मांगने के बजाय योजना के बारे में जानकारी देकर जागरूक कर रहे हैं।

देश के दस शहरों में भिक्षुक मुक्त अभियान- मोदी सरकार ने महानगरों में चौराहों पर भीख मांगने वाले भिक्षुकों के लिए 'स्माइल परियोजना' शुरू करने का ऐलान किया है, जिसके तहत पहले चरण में इंदौर एवं उज्जैन का चयन हुआ है। इंदौर में इस योजना के तहत नगर निगम को 8.46 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता मिलने जा रही है, जिसमें डेढ़ करोड़ रुपए हाल ही में मिले हैं। इंदौर में अभियान के तहत 2 करोड़ रुपए में कौशल प्रशिक्षण केंद्र बनाए जाएंगे। एमआईसी सदस्य मनीष शर्मा ने स्माइल प्रोजेक्ट के तहत शॉर्ट फिल्म में लोगों को जागरूक करने के लिए काम किया है।

भिखारी इंदौर में कर रहे अच्छी खासी कमाई

इंदौर को भिक्षुक मुक्त शहर बनाने के लिए प्रशासन लंबे समय से प्रयास कर रहा है। अभियान चलाने के बावजूद भिक्षुक शहर में देखे जा सकते हैं। अब अन्य राज्यों से लोग यहां आकर भिक्षा मांगकर अच्छी खासी कमाई कर रहे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कुछ माह से भिक्षुक अभियान चलाया जा रहा है। इसमें अब 25 से अधिक भिक्षुक ऐसे मिले हैं, जिनके पास से 10 हजार से लेकर 75 हजार रुपए तक मिले हैं। रेस्क्यू अभियान में ऐसे भिक्षुक भी मिले हैं, जो गिरोह बनाकर भिक्षावृत्ति में लिप्त थे। 26 दिसंबर को भिक्षावृत्ति में लिप्त महिला के पास 45 हजार और एक व्यक्ति के पास 20 हजार रुपए मिले थे। भिक्षुक आंध्र प्रदेश के कुर्नूल से इंदौर आया था। दो माह पहले विभाग ने बुजुर्ग महिला को राजवाड़ा के पास भिक्षा मांगते पकड़ा था। उसके पास से करीब 75 हजार रुपए मिले थे। फरवरी में पकड़ी गई महिला से पता चला कि उसने भिक्षा मांगकर छह महीने में ढाई लाख रुपए की कमाई की। पाली से भी भिक्षुक आते हैं।

इंदौर के डॉक्टर मर्डर केस में वकील की तलाश

क्लिनिक में गोली मारने के बाद उज्जैन गया था; कार के फुटेज मिले

इंदौर (नप्र)। इंदौर में क्लिनिक में घुसकर डॉक्टर को गोली मारने वाले उज्जैन के वकील की पुलिस को तलाश है। इसके लिए इंदौर पुलिस गुरुग्राम और दिल्ली में सर्चिंग कर रही है। पुलिस जिस वकील संतोष शर्मा को ढूंढ रही है, वो दिल्ली में ही पढ़ा है। हत्याकांड के बाद से वो अपने घर पर नहीं है। पुलिस पूछताछ के लिए उसके भाई को अपने साथ लेकर आई है। इधर, पुलिस ने डॉक्टर की पत्नी और उनके साले से भी पूछताछ की है। अधिकारियों का कहना है कि वकील के पकड़े जाने के बाद ही पूरे हत्याकांड की कहानी स्पष्ट हो सकेगी। बता दें, कुंदन नगर में शुक्रवार रात डॉ. सुनील साहू की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मरीज बनकर आए हत्यारों ने रेकी की, फिर डॉक्टर के सीने पर गोली चलाकर भाग निकले।

उज्जैन में नहीं मिला आरोपी संतोष शर्मा- इस हत्याकांड में एसयूवी के फुटेज और मोबाइल डेटा के आधार पर पुलिस मामले को सुलझाने के करीब पहुंच गई है। पुलिस ने वकील संतोष शर्मा के उज्जैन स्थित घर पर शनिवार को दबिश दी, लेकिन वह नहीं मिला। पूछताछ के लिए राजेंद्र नगर पुलिस उसके भाई सतीश उर्फ बंटी को अपने साथ ले आई। पुलिस के मुताबिक वारदात वाली रात संतोष एसयूवी लेकर घर आया था और फिर तुरंत बाहर चला गया।

इंदौर में थूकने की बात पर विवाद...

तीन व्यापारियों ने युवक को पीटा तो गुस्से में निकाल लाया चापर ; आर्म्स एक्ट में केस दर्ज

इंदौर (नप्र)। सिंधी कॉलोनी में एक क्रॉकरी शॉप पर काम करने वाले कर्मचारी पर जूनी इंदौर पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। कर्मचारी का रविवार रात सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। युवक के परिवार का आरोप है कि व्यापारियों ने उसके साथ मारपीट की। आवेश में वह चापर (धारदार हथियार) निकाल लाया। इसके बाद भी उसका वीडियो बनाते हुए मारपीट करते रहे। पुलिस ने मारपीट करने वाले व्यापारियों पर कार्रवाई नहीं की। जूनी इंदौर पुलिस ने सचिन्द्र

अहिरवार निवासी पंचशील नगर पर आर्म्स एक्ट की कार्रवाई की है। सचिन्द्र सिंधी कॉलोनी में एक क्रॉकरी शॉप पर काम करता है। रविवार रात पास के व्यापारी से थूकने की बात पर उसकी कहासुनी हुई। इस दौरान सचिन्द्र को कुछ व्यापारियों ने पीट दिया। वह गुस्से में दुकान के अंदर से चापर लेकर आ गया। इस दौरान दुकानदारों ने उसे पकड़कर बुरी तरह पीटा।

इंदौर से दरभंगा, रांची, भागलपुर ट्रेन शुरू करने की मांग

प्रवासी इंदौरियों ने लिखा अश्विन वैष्णव को पत्र

इंदौर (नप्र)। इंदौर और मालवा क्षेत्र में बसे बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लाखों प्रवासियों की लंबित मांगों को संज्ञान में लेते हुए, पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान, मध्य प्रदेश ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को ज्ञापन भेजा है। इस ज्ञापन में इंदौर से दरभंगा और रांची के लिए सीधी ट्रेनों की शुरुआत, इंदौर-पटना ट्रेन के दैनिक परिचालन और इंदौर-गुवाहाटी ट्रेन को भागलपुर के रास्ते संचालित करने की मांग की गई है।

संस्थान के अध्यक्ष ठाकुर जगदीश सिंह और महासचिव के.के. झा ने प्रवासी समुदाय की सालों पुरानी समस्याओं को उजागर करते हुए कहा कि इंदौर और मालवा क्षेत्र में बसे प्रवासियों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए पर्याप्त रेल सेवाओं का अभाव झेलना पड़ रहा है।

दरभंगा के लिए सीधी ट्रेन की मांग- ज्ञापन में दरभंगा को उत्तर बिहार का प्रमुख सांस्कृतिक, शैक्षणिक और आर्थिक केंद्र बताते हुए इंदौर से दरभंगा के लिए सीधी ट्रेन सेवा शुरू करने की मांग की गई है। यह सेवा न केवल मिथिला और मालवा क्षेत्र के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करेगी, बल्कि व्यापार और धार्मिक पर्यटन को भी प्रोत्साहन देगी।

रांची के लिए सीधी ट्रेन की जरूरत- झारखंड के प्रवासियों ने रांची को झारखंड का प्रशासनिक, औद्योगिक और शैक्षणिक केंद्र बताते हुए, इंदौर से रांची के लिए सीधी ट्रेन सेवा शुरू करने की मांग की है।

तिथि, पर्व पर एकमत हों सभी पंचांगकर्ता और ज्योतिषी

इंदौर प्रवास पर पहुंचे द्वारकापीठ शंकराचार्य बोले- सभी आचार्य एक साथ बैठाकर हल निकालें

इंदौर (नप्र)। इंदौर प्रवास पर पहुंचे द्वारकापीठ जगदुरु शंकराचार्य श्री सदानंद जी सरस्वती से मप्र ज्योतिष एवं विद्वत परिषद ने भेंट की। परिषद के अध्यक्ष आचार्य रामचन्द्र शर्मा 'वैदिक', शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ. विनायक पाण्डेय के नेतृत्व में तिथि पर्वों की एकरूपता पर विद्वान आचार्यों ने अपनी बात रखी। इस पर जगदुरु शंकराचार्य ने कहा कि देशभर के सभी ज्योतिषी और पंचांगकर्ता एक मत हो जाएं तो हम भी उस पर अपनी मोहर लगा देंगे। उन्होंने इस काम के लिए इंदौर के सभी आचार्यों को को एक साथ बैठाने के लिए अधिकृत किया है।

द्वारकापीठ के शंकराचार्य दो दिवसीय इंदौर प्रवास पर हैं। वे यहां पीठ से सम्बद्ध नैनोद स्थित आश्रम पर रुके हुए हैं। यहां मप्र ज्योतिष एवं विद्वत परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने उनसे भेंट कर पंचांगों की मतभिन्नता का मुद्दा उठाया। साथ ही विभिन्न पंचांग निर्माण पद्धति से भी शंकराचार्य को अवगत कराया गया। इसके साथ ही तिथि त्योहारों की घटबढ़ की समस्या भी बताई कि इससे संपूर्ण समाज को उपहास का पात्र बनना पड़ता है। इंदौर के ज्योतिष और आचार्यों जगदुरु शंकराचार्य श्री सदानंद जी सरस्वती से मुलाकात करने पहुंचे। इस पर शंकराचार्य ने कहा कि हम इंदौर के विद्वानों को अधिकृत करते हैं कि वे सभी प्रकार की पद्धतियों से पंचांग निर्माणकर्ताओं तथा धर्मशास्त्र विश्लेषकों को एकत्र कर गोष्ठी का आयोजन करें। हम चारों पीठों के शंकराचार्यों का अभिमत लेकर उपस्थित होंगे। जो निर्णय होगा उस पर मुहर लगा देंगे। इस अवसर पर मध्य प्रदेश ज्योतिष और विद्वत परिषद ने जगदुरु शंकराचार्य श्री सदानंद जी सरस्वती का शाल, श्रीफल भेंट कर अभिनंदन किया।

आचार्य वैदिक और डॉ. पांडेय ने महाराज को परिषद की गतिविधियों से अवगत कराया। जगदुरु ने परिषद द्वारा सनातन धर्म की रक्षा हेतु किए जा रहे कामों की प्रशंसा की। इस अवसर पर मां भुवनेश्वरी ज्योतिष संस्थान के संचालक संतोष भार्गव, सचिव डॉ. अभिषेक पाण्डेय, खजराना गणेश मंदिर के पुजारी विनीत भट्ट, भवानीशंकर शास्त्री, राजेंद्र शर्मा. आशुतोष ठक्कर, आशीष चौबे आदि उपस्थित रहे।

द्वारका के शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वतीजी बड़नगर रवाना- अनंतश्री विभूषित द्वारका-शारदा पीठाधीश्वर जगदुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वतीजी महाराज ने सोमवार को दोपहर करीब 2 बजे पीथमपुर बायपास रोड स्थित शंकराचार्य मठ दिलीप नगर नैनोद से बड़नगर के लिए प्रस्थान किया। उनको विदा करते वक्त शंकराचार्य भक्त मंडल के सदस्य भावुक हो गए। शंकराचार्यजी ने भी सभी को आशीर्वाद दिया। उनकी गाड़ी मठ के बाहर होने के बाद तक भक्तों ने सनातन धर्म और शंकराचार्यजी के जयकारे लगाए। इसके पहले शंकराचार्य मठ इंदौर के अधिष्ठाता डॉ. गिरीशानंदजी महाराज के सान्निध्य में भक्त मंडल के सदस्यों ने तीन दिनों तक शंकराचार्यजी का पूजन-वंदन किया और उनके आशीर्वचन सुने। शंकराचार्यजी शनिवार को इंदौर स्थित शंकराचार्य मठ में पधारे थे। इस दौरान सुबह और शाम को शंकराचार्यजी ने प्रवचन दिए। इन तीन दिनों में शंकराचार्यजी के दर्शन और आशीर्वचन सुनने के लिए शहर के प्रबुद्धजन, सनातन धर्मावलंबी और उनके अनुयायी बड़ी संख्या में पहुंचे।

संपादकीय

अलविदा 2024 !

अनेक खट्टी-मीठी यादों, तजुर्बों, आशंकाओं और भविष्य की चुनौतियों की आहट के साथ साल 2024 आज विदा ले रहा है। समय की अनंत यात्रा में एक साल महज एक क्षणिक पड़ाव भर है, लेकिन हर बीतते साल की बुनियाद पर ही आने वाले वर्ष की इमारत तनती है, आकार लेती है। इस मायने में 2024 ऐसा साल रहा है, जिसने वैश्विक शांति, एकता और मानव सभ्यता के अस्तित्व पर नए सिरे से प्रश्नचिन्ह लगाया है। यह पूरा साल पश्चिम एशिया और पूर्वी यूरोप में भयावह युद्ध में लिपटा रहा तथा उसके अंत की तत्काल कोई सूरत नजर नहीं आ रही तो दूसरी तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के रूप में तकनीकी क्रांति ने मानव सभ्यता को ही चुनौती देना शुरू कर दिया है। यह वर्ष दुनिया भर के लोकतांत्रिक देशों में चुनावों का साल रहा। विश्व के 72 देशों में नई सरकार चुनने को लेकर मतदान हुआ, जिसमें दुनिया के 3 अरब 70 करोड़ लोगों ने वोट डाले। ज्यादातर देशों में चुनाव के जरिए सत्ता परिवर्तन हुआ या फिर पुरानी सरकारें कम ज्यादा ताकत के साथ सत्ता में लौटीं। भारत जैसे देश में मोदी सरकार गठबंधन के साथ तीसरी बार सत्ता में आई तो अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में रिपब्लिकन पार्टी को बहुमत मिला। यूके में और अन्य कई देशों में सत्ता का हस्तांतरण लोकतांत्रिक तरीके से हुआ तो बांग्लादेश जैसे देश में चुनी हुई सरकार को हटाकर सेना से सत्ता संभाल ली। बोत्सवाना, पुर्तगाल, पनामा और दक्षिण कोरिया की सरकारों को भी जनता ने बदल दिया। एकमात्र रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ही दुनिया में ऐसे राजनेता रहे जो अपनी सत्ता बरकरार रखने में सफल रहे। भारत के संदर्भ में ही बात करें तो चुनाव में अर्से बाद विपक्षी पार्टी कांग्रेस ज्यादा ताकतवर होकर उभरी और राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष बने। जबकि कई राज्यों में भाजपा ने सत्ता हासिल कर नई राजनीतिक रेखाएं खींच दीं। बीते वर्ष देश ने कई नामचीन हस्तियों को खोया, जिनमें पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, उद्योगपति रतन टाटा और विख्यात तबला वादक जाकिर हुसैन शामिल हैं। देश में संविधान पर नए सिरे से बहस शुरू हुई और 'एक देश, एक चुनाव' की दिशा में राष्ट्र एक कदम आगे बढ़ा। देश में पहली बार दो मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए गिरफ्तार हुए तो खेलों में मनु भाकर ने एक ही ओलिंपिक में दो मेडल हासिल कर नया इतिहास रचा। साल की शुरुआत में अयोध्या में भव्य राम मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा से हुई तो इसी के साथ देश में मस्जिदों में मंदिर खोजने के मामलों की बाढ़ सी आ गई। नस्लीय हिंसा की आग में धधक रहा मणिपुर अभी भी अशांत है। जबकि जम्मू कश्मीर में दस साल बाद चुनाव हुए और नेकां के नेतृत्व में चुनी हुई सरकार ने सत्ता संभाली। लोकतंत्र के इस उत्सव में वहां लोगों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। देश में प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक के मामले और बढ़े तो महिलाओं को सीधी आर्थिक मदद एक नए चुनाव जिताऊ हथियार के रूप में सामने आई। भारत की अर्थव्यवस्था इस साल भी तेजी से आगे बढ़ती रही और शेयर बाजार नई ऊँचाइयों पर पहुँचे। मुकेश अंबानी के बेटे की शादी और उद्योगपति गौतम अडाणी भी साल भर चर्चा में रहे। वैश्विक स्तर पर इस साल रूस-यूक्रेन युद्ध और इजराइल-हमास युद्ध तो चलता ही रहा साथ ही इजराइल-ईरान, इजराइल-लेबनान के बीच भी जमकर संघर्ष हुआ। इजराइल ने हमास और हिज्बुल्ला के शीर्ष नेतृत्व को पूरी तरह खत्म कर दिया। सीरिया में भी बशर अल असद का शासन खत्म हुआ। कुल मिलाकर गुजिश्ता साल आश्वस्तियों से ज्यादा अनेक आशंकाएं अपने साथ छोड़ गया है, जो आने वाले समय में और गहरी होती जाएंगी।

भारत के विकास की असीम संभावनाओं की दस्तक

नजरिया
डॉ. आर के सिन्हा
लेखक पूर्व सांसद हैं।

भारत के लिए नूतन वर्ष 2025 कई क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियों का बड़ा तोहफ़ा लेन वाला साल साबित हो सकता है। भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था की तरफ लंबी छलांग लगा सकता है। सॉफ्टवेयर और आईटी सेवाएं देने में भी हम सारे संसार का नेतृत्व करने की स्थिति में पहुंच सकते हैं। इसी तरह भारत विश्व भर के पर्यटकों के लिए एक सुरक्षित और सस्ता आकर्षण का केंद्र भी बन सकता है जहाँ पर्यटकों की रुचि के तमाम केंद्र, हर तरह के खान- पान, स्थानीय कुटीर उद्योगों के उत्पाद और गाइड के रूप में अच्छे पढ़े लिखे बढ़िया अंग्रेज़ी जानने बोलने वाले विद्यमान है, जो एक साथ मुश्किल से ही किसी एक देश में मिल सकते है। इनके अलावा भी बहुत सारे क्षेत्रों में हमारे लिए आगे बढ़ने के अनुपम अवसर बन रहे हैं। अब इस बात से सारी दुनिया वाकिफ हो चुकी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था डिजिटल होती जा रही है। इस लिहाज से भारत सरकार बेहद गंभीर भी है। इसके तहत ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, डिजिटल साक्षरता, और ई-गवर्नेंस को बढ़ावा दिया जा रहा है और आवश्यक संसाधन भी तेजी से विकसित किये जा रहे हैं। 2025 तक, भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, और डिजिटल वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में तेजी आएगी।

भारत में ई-कॉमर्स का बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक, इसके और भी अधिक परिपक्व होने की उम्मीद है, जिसमें ऑनलाइन खरीदारी, डिजिटल भुगतान और लॉजिस्टिक्स में भी पर्याप्त सुधार होगा। डिजिटल भुगतान को भी सरकारी स्तर पर पर्याप्त बढ़ावा दिया जा रहा है। 2025 तक, भारत में डिजिटल लेनदेन की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। भारत में 5जी तकनीक के प्रयोग में तेजी से विस्तार हो रहा है। 2025 तक, इसका व्यापक रूप से उपयोग होना लगेगा इसकी उम्मीद है, जो तेज रफ्तार से इंटरनेट की कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। डिजिटल परिवर्तन के साथ, साइबर सुरक्षा भी महत्वपूर्ण हो गई है। 2025 तक, भारत इस क्षेत्र में और अधिक मजबूत हो सकता है, जो डेटा सुरक्षा और साइबर अपराधों को रोकने में मदद करेगा। इसके साथ ही, भारत दुनिया के सबसे बड़े सॉफ्टवेयर विकास और निर्यात केंद्रों में एक बड़ा और मजबूत केंद्र बनकर खड़ा हो चुका है। 2025 तक, यह क्षेत्र और अधिक मजबूत होने की उम्मीद है, जो विदेशी मुद्रा कमाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग बढ़ रहा है। 2025 तक, कई संगठन क्लाउड-आधारित समाधानों को अपनाएंगे, जो लचीलापन और कम लागत पर असीमित दक्षता प्रदान करेंगे। नए साल में, डेटा एनालिटिक्स में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी, जो व्यापारिक निर्णय लेने में मदद करेंगे।

आप मानकर चल सकते हैं कि नूतन साल में आईटी पेशेवरों की संख्या बढ़ती ही रहेगी। 2025 तक, यह क्षेत्र और अधिक कुशल और प्रशिक्षित पेशेवरों को आकर्षित कर सकता है। सरकार और निजी क्षेत्र दोनों ही कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। 2025 तक, यह प्रयास युवाओं को नए आईटी कौशल सीखने और रोजगार के लिए तैयार करने में मदद कर सकते हैं।

अब मेक इन इंडिया के बारे में तो विश्व भर में सब जानते ही हैं। यह पहल भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने पर केंद्रित है। सरकार विदेशी निवेश को आकर्षित करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नीतियां बना रही है। 2025 तक, भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मास्युटिकल्स, और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में विनिर्माण गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है।

रक्षा विनिर्माण में भी सरकार आत्मनिर्भरता हासिल करने पर जोर दे रही है। घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। 2025 तक, भारत रक्षा उपकरणों का एक प्रमुख निर्यातक बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

नितिन गड़करी के नेतृत्व में भारत सरकार सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, और हवाई अड्डों जैसे परिवहन बुनियादी ढांचे को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक, देश में बेहतर परिवहन कनेक्टिविटी होगी, जिससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, जैसे सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा, के विकास पर जोर दे रहा है। सरकार का लक्ष्य 2025 तक ऊर्जा सुरक्षा हासिल करना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है। भारत में शहरीकरण भी तेजी से हो रहा है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत, सरकार शहरों को अधिक रहने योग्य और कुशल बनाने के लिए काम कर रही है। 2025 तक, स्मार्ट शहरों में बेहतर बुनियादी ढांचे, जल आपूर्ति, स्वच्छता, और सार्वजनिक परिवहन जैसी सुविधाएं होंगी।

आयुष्मान भारत योजना देश के लाखों लोगों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करती है। सरकार स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और सभी के लिए सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक, भारत में स्वास्थ्य सेवा में सुधार की उम्मीद है, जिसमें बेहतर अस्पताल, डॉक्टरों और दवाओं की पहुंच शामिल है।

भारत में कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ रहा है। ड्रोन, सेंसर, और डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों से किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने और लागत कम करने में मदद मिल रही है। 2025 तक, कृषि क्षेत्र में अधिक डिजिटलीकरण होने की उम्मीद है। भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में तेजी से विकास हो रहा है। यह क्षेत्र किसानों के लिए आय बढ़ाने और खाद्य अपशिष्ट को कम करने में मदद कर सकता है। 2025 तक, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में और अधिक निवेश की उम्मीद है। उम्मीद है कि इस साल सेंसर, ड्रोन और जीपीएस जैसी तकनीकों का उपयोग करके किसान अब मिट्टी, पानी और उर्वरक का अधिक कुशलता से उपयोग करले लगेगे। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म किसानों को बाजार, मौसम की जानकारी और अन्य महत्वपूर्ण संसाधनों से तो जोड़ ही रहे हैं। सरकार कृषि अनुसंधान और विकास में निवेश कर रही है, जिससे नई फसलें, बेहतर कृषि तकनीकें और कीट नियंत्रण के नए तरीके विकसित हो रहे हैं।

स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम और कम लागत वाली पारंपरिक अन्नों पर जोर देकर मोदी सरकार ने छोटे किसानों के लिए दूरगामी योजना तैयार की है । यह अबतक का दुर्भाग्य ही रहा है कि हमारी सभी पूर्ववर्ती सरकारों का ध्यान सिंचित भूमि की कृषि पर ही रहा है, जो पिछले 75 वर्षों में और लाखों करोड़ रुपये का व्यय करने और बाँधो और परियोजनाओं के निर्माण में लाखों एकड़ भूमि बर्बाद करने के बाद भी हम मुश्किल से। 30-35 प्रतिशत भूमि ही सिंचित कर पाए है। प्रकृति और पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए बरसात पर निर्भर पारंपरिक अन्नों, दलहन और तिलहन की खेती करने वाले छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों की चिंता हमने की ही कहाँ? अब आशा करनी चाहिए कि सतत अनुसंधानों और पारंपरिक फसलों के उत्पादन पर सरकार का ध्यान जाने से किसानों को लाभ होगा। साथ ही मिलेट्स का निर्यात बढ़ेगा और उपभोक्ताओ के स्वास्थ्य में भी सुधार होगा।

2025 में कृषि क्षेत्र में लंबी छलांग लगाने के संभावित परिणामों की बात करें तो कृषि उत्पादन में वृद्धि से देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी। किसानों की आय में वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। कृषि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। भारत कृषि उत्पादों का निर्यात करके भारी विदेशी मुद्रा अर्जित कर सकता है।

हालांकि, कुछ चुनौतियां भी हैं जिनका समाधान करने की आवश्यकता होगी जैसे, छोटे किसानों को नई तकनीकों और बाजारों तक पहुंच प्रदान करना महत्वपूर्ण है। भूमि और जल संसाधनों का संरक्षण करना आवश्यक है, ताकि कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाया जा सके। इन चुनौतियों का समाधान करके भारत 2025 में कृषि क्षेत्र में लंबी छलांग लगा सकता है और एक मजबूत और टिकाऊ कृषि प्रणाली विकसित कर सकता है।

शिक्षा के लिए भी 2025 बेहद अहम हो सकता है। सरकार ने हाल ही में एक नई शिक्षा नीति शुरू की है, जिसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में सुधार करना है। यह नीति कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा, और अनुसंधान पर केंद्रित है। 2025 तक, नई शिक्षा नीति से शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है। ऑनलाइन शिक्षा का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक, ऑनलाइन शिक्षा और अधिक सुलभ और किफायती होने की उम्मीद है।

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत 2025 तक एक आर्थिक महाशक्ति बनने की राह पर है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, विनिर्माण, बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में प्रगति से देश के विकास को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, सरकार को अभी भी गरीबी, असमानता और पर्यावरणीय चुनौतियों जैसी कई समस्याओं का समाधान करना बाकी है।

गूगल विलो-चिप: क्वांटम कम्प्यूटर में क्रांति

प्रौद्योगिकी
प्रमोद भार्गव
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

गूगल ने वर्ष 2024 के अंतिम माह दिसंबर में विलो नाम की क्वांटम चिप बनाकर तकनीक के क्षेत्र में बड़ा हल्ला मचा दिया है। अत्यंत सूक्ष्म महज 4 वर्ग सेंटीमीटर की यह चिप एक तरफ तो 30 साल से भी ज्यादा पुरानी समस्या का हल खोजने में सक्षम है ,वहीं यह चिप 5 मिनट में ऐसे कार्य कर सकती है ,जिन्हें करने में सबसे तेज सुपर कंप्यूटर को भी 10 सेप्टिलियन अर्थात् अरबों साल लग सकते हैं। अतएव इससे कृत्रिम बुद्धि , फ्यूजन ऊर्जा तथा ब्रह्मांड के तारामंडल के गृह-नक्षत्रों को जानने में मदद मिलेगी। मौसम व प्राकृतिक आपदाओं की सटीक भविष्यवाणी करने में सुविधा होगी। तकनीक के क्षेत्र में इस नवीन उपलब्धि की सर्वत्र चर्चा है। एलन मस्क जैसे लोग इस उत्पाद को लेकर अचंभित हैं। इसलिए इसे 'सुपर ब्रेन' की संज्ञा दी जा रही है। विलो चिप व्यावसायिक रूप में क्वांटम कंप्यूटिंग की नई दिशा तय करती हुई मील का पत्थर साबित होगी।

दुनिया में इस समय दिन दूनी,रात चौगुनी गति से प्रगति हो रही है। कुछ समय पहले तक असंभव सी लगने वाली चीजें आज प्रौद्योगिकी की मदद से सरलता से परिणाम तक पहुंच रही हैं। एक समय संगणक के विकास ने प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव किया था। अब कृत्रिम बौद्धिकता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) ने चिकित्सा से लेकर हथियारों के निर्माण तक हर क्षेत्र में कंप्यूटर और रोबोट के प्रयोग को नया आयाम दिया है। पारंपरिक कंप्यूटर की दुनिया में इस प्रगति के समानांतर एक और अनुसंधान चल रहा है, जिसका नाम है 'क्वांटम कंप्यूटिंग' यानी अति-सूक्ष्मता का विज्ञान।भारत ने भी अब इस क्षेत्र में गति लाने का ऐलान कर दिया है।भौतिक-शास्त्र के क्वांटम सिद्धांत पर काम करने वाली इस कंप्युटिंग में असीमित संभावनाएं देखी जा रही हैं। शोध के लिहाज से यह विषय किसी के लिए भी रुचि का विषय हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार एक पूर्ण विकसित क्वांटम कंप्यूटर की क्षमता सुपर कंप्यूटर से भी ज्यादा आंकी जा रही है। इस क्वांटम कंप्युटिंग या मैकेनिक्स की खास बात यह है कि इसकी शुरुआत के बाद भारतीय और पश्चिमी वैज्ञानिक यह मान रहे हैं कि भारतीय भाववादी सिद्धांत को जाने बिना अणु या कण में चेतना का आकलन नहीं किया जा सकता। क्वांटम भौतिकी और कृत्रिम बौद्धिकता एक तरह से चेतना के भाववादी सिद्धांत को ही अस्तित्व में लाने के उपाय हैं।

क्वांटम कंप्युटिंग या यांत्रिकी एक लैटिन शब्द है। इसका अर्थ अतिसूक्ष्म कण है। इस विषय के अंतर्गत पदार्थ के अति सूक्ष्म कणों का अध्ययन किया जाता है। इनमें परमाणु, न्यूक्लियस एवं इलेक्ट्रॉन व प्रोटॉन सभी मौलिक कणों का अध्ययन शामिल है। इसमें इनके व्यवहार और उपयोगिता का अध्ययन किया जाता है। इस नवीन विषय के अध्ययन की नींव 1890 में वैज्ञानिक मैक्स प्लांक ने डाली थी। हालांकि इस समय तक वैज्ञानिक यह मानकर चल रहे थे कि भौतिकी में जितने नियमों का आविष्कार होना था, लगभग हो चुका है। अब केवल इन नियमों को प्रत्येक जगह क्रियान्वित करना भर शेष है। किंतु कुछ प्रश्न तब भी ऐसे थे, जिनके हल खोजे नहीं जा सके थे। अभी तक काले पिंड (बॉडी) के सतत वर्णक्रम (स्पेक्ट्रम) के भिन्न-भिन्न भागों की ऊर्जा के वितरण को परिभाषित नहीं किया जा सका था। इसे समझने के लिए प्लांक ने प्रकाश उत्सर्जन करने वाले द्रव्य-कणों की निरंतर चाल के साथ उनमें बिखरी ऊर्जा को भी समझने का विचार दिया। इससे काले पिंड के वर्णक्रम की व्याख्या सुलझ गई। दरअसल इस सोच के परीक्षण में जो निष्कर्ष आए, उनसे ज्ञात हुआ कि ऊर्जा का विकिरण लगातार न होकर टुकड़ों-टुकड़ों में होता है। इन टुकड़ों को विकिरण-कण नाम दिया गया। यह विकिरण भी कणों पर नहीं, बल्कि तरंगों के आधार पर चलता है। यह नियम विद्युत चुबंकीय सिद्धांत के विपरित था, क्योंकि अब तक यह माना जाता था कि द्रव्य-कणों की गति में विद्यमान ऊर्जा निरंतर गतिशील रहती है। यानी क्वांटम सिद्धांत के तहत अणु, परमाणु और इनके भी मूलभूत कण बेहद लघुतम अवस्था में मौजूद रहते हैं। इस खोज पर 1918 में मैक्स प्लांक को भौतिकी का नोबेल पुरस्कार भी मिला। 1924 में सत्येंद्रनाथ बोस ने प्लांक के विकिरण नियम को समझाने के लिए एक सर्वथा नवीन विधि सुझाई। उन्होंने प्रकाश की कल्पना द्रव्यमानरहित कणों के एक गैस पिंड के रूप में ली। इसे फोटॉन गैस के रूप में मान्यता मिली। बाद में इस मान्यता को अल्बर्ट आइंस्टीन ने भी स्वीकृति दी।

विज्ञान ने पहले परमाणु को ही ऐसा सबसे सूक्ष्मतम कण बतलाया था, जिसने विश्व का निर्माण किया है। फिर आगे की खोज से ज्ञात हुआ कि परमाणु भी विभाजित हो सकता है। यानी उसे और अत्यंत सूक्ष्म-कणों में बांटा जा सकता है। फलतः ये सूक्ष्म-कण, इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन और न्यूट्रॉन नाम के लघुतम रूपों में सामने आए। कालांतर में कण मसलन क्वांटम भौतिकी और विकसित रूपों में सामने आई। तब पता चला कि प्रोटॉन और न्यूट्रॉन को और विभाजित किया जा सकता है। अंततः इसे क्वार्क व लैपटॉन जैसे सूक्ष्मकणों में विभाजित कर भी लिया गया। इस तरह से कण भौतिकी में एक प्रामाणिक प्रतिदर्श सामने आया, जिसमें क्वार्क व लैप्टॉन के बारह सूक्ष्मतम कणों के प्रकार दर्ज हैं। इन्हें जरूर अब तक अविभाज्य माना गया है। अब इन्हें ही मूलकण माना जा रहा है। आधुनिक विज्ञान में यह धारणा बन रही है कि पदार्थ से संबंधित अत्यंत कम द्रव्यमान वाले, इन्हीं मूल कणों से सृष्टि के जड़ एवं चेतन स्वरूप अस्तित्व में आए हैं।

कण-यांत्रिकी को कल के कंप्युटर का भविष्य माना जा रहा है। यह परमाणु और उप परमाणु के स्तर पर ऊर्जा और पदार्थ की व्याख्या करती है। पारंपरिक कंप्यूटर बिट (अंश) पर काम करते हैं, वहीं क्वांटम कंप्यूटर में प्राथमिक इकाई क्यूबिट यानी कणांश होती है। पारंपरिक कंप्यूटर में प्रत्येक बिट का मूलाधार या मूल्य शून्य (0) और एक (एक) होता है। कंप्यूटर इसी शून्य और एक की भाषा में ही कुंजी-पटल (की-बोर्ड) से दिए निर्देश को ग्रहण करके समझता है और परिणाम को अंजाम देता है। वहीं क्वांटम की विलक्षणता यह होगी कि वह एक साथ ही शून्य और एक दोनों को ग्रहण कर लेगा। यह क्षमता क्यूबिट की वजह से विकसित होगी। परिणामस्वरूप यह दो क्यूबिट में एक साथ चार मूल्य या परिणाम देने में सक्षम हो जाएगा। एक साथ चार परिणाम स्क्रीन पर प्रगट होने की इस अद्वीतीय क्षमता के कारण इसकी गति पारंपरिक कंप्यूटर से कहीं बहुत ज्यादा होगी। इस कारण यह पारंपरिक कंप्युटरों में जो कूट-रचना या गूढ-लेखन कर दिया जाता है, उससे कहीं अधिक मात्रा में यह कंप्युटर डाटा ग्रहण व सुरक्षित रखने में समर्थ होगा। इसीलिए दावा किया जा रहा है कि इसकी मदद से आंकड़ों और सूचनाओं को कम से कम समय में प्रसारित किया जा सकेगा। एआई,जीपीटी चेट और चैटबॉट जैसी तकनीक इसकी सहायता से और तेजी से गतिशील रहेंगी। लेकिन विलो चिप निर्माण कर लिए जाने की घोषणा ने सुपर कंप्यूटर के निर्माताओं को फिलहाल सकते में डाल दिया है। क्योंकि विलो चिप की क्षमताएं ब्रह्मांड व्यास की तरह शक्तिशाली और असीमित बताई गई हैं।

क्वांटम कंप्यूटर की क्षमता को देखते हुए इसके विकास में भारत समेत अनेक देश लगे हैं। यही वजह है कि आविष्कार से पहले इसकी क्षमताओं का मूल्यांकन कर लेने वाले देश इसके अनुसंधान पर बढ़ी धनराशि खर्च कर रहे हैं। चीन ने 15 अरब डॉलर खर्च करने की घोषणा की है. चीन की ई-कॉमर्स कंपनी अलीबाबा अलग से इस पर काम कर रही है। यूरोपीय यूनियन ने इस क्षेत्र में करीब 8 अरब डॉलर खर्च कर रही है। भारत सरकार ने भी इस दिशा में शोध को बढ़ावा देने के लिए क्वांटम सूचना-विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्था का गठन तो पहले ही कर लिया था, लेकिन केवल क्वांटम तकनीक पर नवीन शोध और आविष्कार के लिए 2023-24 से 2030-31 तक चलने वाले इस अभियान पर इस 6003.65 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। भारत इतनी बड़ी धनराशि पहली बार खर्च कर रहा है।

फिलहाल ऐसा भी माना जा रहा है कि क्वांटम यांत्रिकी का क्षेत्र जितना महत्वपूर्ण है, उस तुलना में इस क्षेत्र में कुशल युवाओं की संख्या बहुत कम है। एक अनुमान के मुताबिक दुनियाभर में एक हजार से भी कम लोग क्वांटम अभियांत्रिकी या भौतिकी में शोधरत हैं। अनेक कंपनियां कल्पनाशील एवं योग्य लोगों की तलाश में है। हैरानी इस पर भी है कि इस क्षेत्र में भविष्य की आपार संभावनाएं होने के बावजूद इस जटिल विषय की ओर युवा आकर्षित नहीं हो रहे हैं। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि कुशाग्र बुद्धि वाले जो विद्यार्थी कल्पनाशील विचार रखते हैं, उन्हें हतोत्साहित किया जाकर इस मेधा-शक्ति को कंपनियों के पारंपरिक कार्यों में खपाया जा रहा है या सरकारी नौकरियां करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस हश्र का सामना क्वांटम भौतिकी के जनक मैक्स प्लांक को भी करना पड़ा था और गूगल के बिल गेट्स को भी। जब प्लांक दसवीं कक्षा के छात्र थे, तब उन्होंने 15 वर्ष की आयु में इस विषय पर काम करने का विचार अपने गुरू को दिया, तो उनका उत्तर था, 'भौतिकी में अब नए आविष्कारों की संभावनाएं खत्म हो चुकी हैं। इसमें जितना शोध व अनुसंधान होने की संभावनाएं थीं, वे पूरी हो चुकी हैं। अतः इस विचार को छोड़ दो।' किंतु यह मैक्स की ही दृढ़ इच्छा-शक्ति थी कि उन्होंने अपने विचार को शोध के रूप में आगे बढ़ाया और क्वांटम भौतिकी को जन्म दिया। अब यही क्वांटम भौतिकी कंप्युटर की क्वांटम यांत्रिकी बन रही है। विलो चिप को इस कंप्यूटर का सुपर ब्रेन माना जा रहा है। यह भी कहा जा रह है कि इस क्षेत्र में जो देश बढ़-चढ़ कर नेतृत्व करेगा,वही दुनिया पर शासन भी करेगा।

आखिर अधिकांश संगठन बिखर क्यों जाते हैं ?

दृष्टिकोण
राजेंद्र बज
लेखक स्तंभकार हैं।

आमतौर पर अधिकांश संगठनो में पद पाने के प्रयासों के दौरान उमंग एवं उत्साह के साथ बहुत कुछ करने का सपना मन में संजोया जाता है। तमाम वादे और इरादे जाहिर किए जाते हैं। लेकिन व्यवहार में देखा गया है कि अलग-अलग क्षेत्र के संगठन चाहे वह राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक या अन्य कोई संगठन ही क्यों न हो, चुनावी सरगर्मियां बढ़ने पर जिम्मेदार पदों के महत्वाकांक्षियों की भरमार नजर आती है। पद पाने के प्रति जितनी आतुरता निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान दिखाई देती है, उसी अनुपात में पद पर आकर घोषित कार्य योजना के अनुरूप तत्परता दिखाई नहीं देती। इसके चलते संगठन की क्रियाशीलता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है ।

ऐसा प्रतीत होता है जैसे पद प्राप्त करते ही किला फतह कर लिया गया हो। जबकि होना यह चाहिए कि पदीय उत्तरदायित्वों के निर्वहन को ही वरीयता दी जानी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं होता, यही कारण है कि किसी भी संगठन का दीर्घकाल तक जीवित रहकर सक्रिय रह पाना संभव नहीं हो पाता। हर एक क्षेत्र में अलग-अलग संगठन बनते रहा करते हैं। हर एक पदाधिकारी की कार्य क्षमता अलग-अलग होती है। आमतौर पर व्यक्ति विशेष के एकाधिक पद विशेष पर स्थापित हो जाने के पश्चात हर किसी संगठन में पदीय ऊर्जा एवं चेतना का सतत् प्रवाह संभव नहीं हो पाता। एक प्रकार की शिथिलता आ जाया करती है।

व्यवहार में देखा गया है कि एक ही समय में विभिन्न पदों पर आसीन होने के प्रति विशेष रुझान होने के चलते किसी भी पद के साथ न्याय संभव नहीं होता। कुछ संगठन महत्वपूर्ण पदों पर किसी बेहद व्यस्त बड़ी शख्सियत को पदासीन करते हुए यह अपेक्षा करते हैं कि बड़े नाम के चलते जमाने में संगठन का बड़ा प्रभाव होगा। लेकिन व्यवहार में ऐसा संभव नहीं हो पाता। बहुत कम संगठन ऐसे होते हैं जो कर्मठता को तवज्जो देते है और कार्यक्षमता के आधार पर निर्वाचन की प्रक्रिया को पूर्ण करते हैं। ऐसे संगठन दीर्घकाल तक प्रभावी रूप से सक्रिय रहते हैं जिनमें कार्यक्षमता को प्राथमिकता दी जाती है।

विभिन्न संगठनों के अलग-अलग कार्यकाल में उतार चढ़ाव का दौर आए बिना नहीं रहता। कुछ संगठन ऐसे भी होते हैं, जो महज नाम के होते हैं। ऐसे संगठन अवसर विशेष पर अपनी सक्रियता दर्शाते हैं और उसके बाद नेपथ्य में चले जाते हैं। कुछ एक संगठन व्यक्तिवादी सोच पर पूर्ण रूप से आधारित रहा करते हैं। लगभग हर एक संगठन में वर्चस्व की लड़ाई के चलते हर एक सदस्य की ऊर्जा एवं चेतना का लाभ संगठन को नहीं मिल पाता। संगठन के तमाम सदस्य अलग-अलग आधार पर प्रत्याशियों का मूल्यांकन करते हुए अपना अभिमत देकर एक प्रकार से निश्चिंतता का अनुभव करने लगते हैं।

लेकिन व्यवहार में देखा गया है कि निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात विजयी प्रत्याशी एक प्रकार से निश्चिंतता के बोध से भर जाते है। पूर्व में किए गए तमाम वादों और इरादों पर एक प्रकार से धुंध सी छा जाती है। अधिकांश संगठनों को यथास्थितिवादी दृष्टिकोण के आधार पर ही संचालित किया जाता है। अर्थात संगठन के ढर्रे में कोई गुणात्मक सुधार या महत्वाकांक्षी योजनाओं का क्रियान्वयन बहुत कम हो पाता है । जहां कहीं भी छोटे-बड़े संगठन हैं, अमूमन हर एक संगठन की यही कहानी हुआ करती है। हालांकि कुछ अपने दावे और इरादे के प्रति प्रतिबद्ध भी होते हैं, लेकिन ऐसी शख्सियत भी अपवाद स्वरूप ही दिखाई देती है।

ऐसी स्थिति में अधिकांश संगठन अपने लक्ष्य से भटकते दिखाई देते हैं। दरअसल संगठन कोई भी हो, नेतृत्व की कार्यक्षमता एवं इच्छाशक्ति पर ही उसका भविष्य निर्भर रहा करता है। लेकिन तमाम संगठनों में तमाम तरह की आंतरिक एवं बाह्य प्रतिस्पर्धा का बोलबाला है। हर एक संगठन में किसी का भी पद पूर्ण रूप से निरापद नहीं होता। कुछ पद ऐसे होते हैं जिसमें सहयोगियों को उपकृत करना भी अत्यंत आवश्यक हो जाता है। ऐसा करने पर संगठन में अलग-अलग गुट एवं समूह बनने लग जाया करते हैं। कुछ एक संगठन तो इस स्थिति में आकर पूरी तरह बिखर जाते है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

पतंगबाजी का समाजशास्त्र !

व्यंग्य
पूरन सरमा
लेखक व्यंग्यकार हैं।

पतंगबाजी का एक समाजशास्त्र है और हम-यदि इसका समाज शास्त्रीय अध्ययन करें तो पायेंगे कि यह कला और विज्ञान का खेल बच्चों से लेकर बूढ़ों तक में जोश का संचार करने में सफल रहा है। सन् 1976 से 1980 तक मैंने भी जमकर पतंगबाजी की और इस दरम्यान मैंने पेंच खूब काटे और उनका प्रभाव मेरे सामाजिक जीवन पर भी पड़ा। शादी से पहले और शादी के बाद दोनों ही स्थिति में इसका समाजशास्त्र फलदायी रहा है। 1973 में विवाह हो चुका था मेरा। लेकिन पतंगबाजी शुरू की मैंने 1976 में। जब मैंने इस का आनंद उठाया तो तीन साल बिना पतंगबाजी के निकालने का बाद में अफसोसजनक पछतावा भी रहा मुझे। शुरू में मुझे इसके विज्ञान पक्ष का ही ज्यादा ज्ञान था कि यह तंग डालकर मांझे और हवा के सहारे यह नन्हीं सी गुड़िया आसमान में इठलाती है। परन्तु लगातार छत पर बने रहने पर मुझे इसके कलात्मक वैभव का भी पता चल गया। कला इतनी सी ही नहीं थी कि ऊपर या नीचे के पेंच से किसी की पतंग काट दी जाये और 'वो काटा' के शोर में इसकी अन्य बारीकियों को भुला दिया जाये।

वे मेरी बेकारी के दिन थे। ढ़ेरों पड़े फालतू समय को मैंने पतंगबाजी के जरिये आबाद रखा और इसमें मैंने नाबाद शतक भी लगाया। परन्तु मेरी लोकप्रियता के परवान से एक ही नहीं, अनेक अड़चने खड़ी हो गई। मेरी नीयत शंकायें उठाई जाने लगीं और बदनामचा इस कदर हावी हुआ कि मेरी पत्नी ने एक दिन आकर यह कहा कि चरखी मैं पकडूंगी। इस घटना से समाजशास्त्र एकदम बदला और पतंगबाजी नीरस और बेजान शगल लगने लगी। एक लगाम सी कसदी गई थी मेरे ऊपर। मैंने लाख कोशिश की कि पत्नी अपनी रसोई का कार्य देखे और वह इस शगल में अपने आपको शामिल न करे, परन्तु शक का बीजारोपण हो चुका था, इसलिए उसे समझाना मुझे भैंस के आगे बीन बजाने जैसा लगा। मैं जो बीन बजा रहा था उसका अपना एक क्रेज, आनंद और नशा था। खुमारी ऐसी कि तोड़े नहीं टूटे।

समाजशास्त्र की दृष्टि से सवाल खड़ा हुआ कि पत्नी के साथ निरर्थक पतंगबाजी की जाये अथवा उसे किसी बहाने नीले सटकाकर इसका भरपूर आनंद लिया जाये। बेलौस चीखना, कमेंट करना और आवारगी का आलम बदस्तूर कैसे जारी रह सकता है। लेकिन मैंने राजनीतिशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि ली थी और पत्नी ने समाजशास्त्र से। इसलिए खींचतान तो थी, परन्तु आनन्दानुभूति भी कम न थी। दोनों ही विषयों को कला और विज्ञान विद्वानों ने माना है, इसलिए चालाकीपूर्ण एक खिलाड़ी का पूर्णकालिक आनंद धूल चाटने को मजबूर था। पतंगबाजी में राजनीति तो थी, परन्तु समाजशास्त्र का दखल अधिक होने से मांझे की चरखी का पत्नी को थाम लेना, इसके तमाम कमजोर कर रहा था।

सन् 1980 में इन्हीं विवशताओं के रहते मुझे झुकना पड़ा और पतंगबाजी को मैंने अपने भरे गले से बिदाई दी। उस दिन बड़ा कारूणिक दृश्य था। मैं सारा कबाड़खाना बटोर रहा था और पत्नी भरी मुसकान से मेरे दायित्वों का बोध कराती मेरे अबोध बालक को मुझे सौंपकर कह रही थी-'बहुत हो गया। जागे वहीं सवेदा।' उस दिन मुझे उसे रसोई में आटे का खाली डिब्बा दिखाया और बच्चे को दूध लाने के लिए कुछ उद्यम करने को उकसाया। विलम्ब से ही सही, पत्नी का समाजशास्त्र काम आया और मैं आज समाज में बैठने लायक हो गया हूँ। यदि मैं अपनी बचकानी राजनीति में लगा रहता तो राम जाने यह पतंगबाजी और क्या गुल खिलाती ? पतंगबाजी का समाजशास्त्र अब मेरी समझ से परे नहीं था।

नया साल नया संकल्प

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

ऑनलाइन ठगी से बचाएगी मोबाइल से थोड़ी दूरी

आज के युग में प्रायः हरेक हाथ में मोबाइल स्मार्ट फोन है। बाकी शौक भले ही पूरे ना हों लेकिन इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। इस खिलौने ने लोगों को आपस में कनेक्ट किया वहीं इसका दूसरा रूप है कि इसके जरिये किसी को भी डिजिटल अरेस्ट कर घर बैठे ठगी का शिकार बनाया जा रहा है। ये साइबर ठग वाट्सएप कॉल से खुद को कस्टम या पुलिस ऑफिसर या सीबीआई सरीखी जांच एजेंसी का बताकर लोगों को गुमराह कर उनसे बड़ी रकम ऐंठ रहे हैं। ऐसे ठग किसी के परिजन या नज़दीक के रिश्तेदार को कस्टम या जांच एजेंसी अथवा गंभीर किस्म के अपराध में फंसने का झांसा देकर उसे बचाने को बड़ी धनराशि की मांग करते हैं।

ऐसे मामले सामने आये हैं जिनमें ठगी का शिकार बनने वाले को जैसे सम्मोहित कर उसके सोचने समझने की शक्ति पर प्रहार किया गया हो और उनकी बातों में आकर व्यक्ति फंसता है तो फंसता ही चला जाता है। लोगों की जिंदगी भर की कमाई कुछ ही समय में उड़ा दी जाती है और वे हाथ मलते रह जाते हैं। बीते कुछ माह में ही रिटायर्ड मेजर जनरल, पूर्व आईजीपी, जाने माने उद्योगपति, पुलिस अधिकारी से लेकर बैंकर, वकील, डॉक्टर, व्यवसाई, गृहणियां आदि इस तरह की ठगी का शिकार हुए और उन्हें मानसिक रूप से पहुंचे कष्ट का तो कोई हिसाब ही नहीं है। रिटायर्ड लोग इन साइबर ठगों का जैसे साफ्ट टारगेट होते हैं।

इन लोगों की बातचीत का तरीका ऐसा रौबदार होता है कि लोग बहुत जल्द इनके झांसे में आ जाते हैं। इंदौर में तो ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस ऑफिसर के पास ऐसा ही कॉल आ चुका है। थोड़ी देर बाद ठगों की नज़र पुलिस ड्रेस पर पड़ते ही फोन काट दिया गया। इंदौर में एक महिला से डेढ़ करोड़ की ठगी की गई। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से लेकर मुंबई, बेंगलुरू, आगरा,भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, सूरत, जयपुर तथा हरियाणा आदि के शहरों से ऐसी वारदातों की नित नई खबरें सामने आती रहती है। हालांकि कुछेक मामलों में पुलिस ने संज्ञान लेकर तत्परता से कार्रवाई कर ठगों को शिकंजे में लिया है। लेकिन ठगी का सिलसिला जारी है।

इंदौर के एक साफ्टवेयर इंजीनियर को दिल्ली से बैंकाक भेजे गये पार्सल में ड्रग्स होना बताकर डिजिटल अरेस्ट कर सवा लाख से अधिक की ठगी करने वाले शख्स को जोधपुर से गिरफ्तार किया गया है। यह नीट की तैयारी करते हुए किसी मेडिकल कॉलेज का छात्र बताया जाता है। डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं में अब चाइनीज ठगों का कनेक्शन भी कथित तौर पर सामने आया है। एक मामले में पुलिस के हाथ लगे आरोपी की गिरफ्तारी के बाद इसका खुलासा हुआ है। उधर बेंगलुरू की कंपनी में तकनीकी विशेषज्ञ महिला और एक साफ्टवेयर इंजीनियर भी ऐसी ठगी का शिकार हुए हैं जबकि भोपाल के डॉक्टर को ठगों ने स्काइप डाउनलोड करने के लिये धमकाया।

इस तरह की घटनाओं में तेजी से हो रहे इजाफे के मद्देनजर अब सरकार ने मोबाइल फोन की कॉलर ट्यून पर लोगों को ऐसे ठगों से बचने की सलाह दी है। पुलिस के साइबर सेल की तरफ से लोगों को सतर्कता बरतने को कहा जा रहा है तथा हेल्पलाइन नंबर 1930 जारी किया गया है। इससे लोगों में कितनी जागरुकता बढ़ती है यह तो आने वाले वक्त में पता चल सकेगा लेकिन इस दिशा में साइबर सुरक्षा

कानून जैसे ठोस कदम शीघ्र उठाने की दरकार है। महज कॉलर ट्यून या विज्ञापनों से तो जन जागरूकता आने से रही। हालांकि डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्राड को लेकर इंदौर पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक अच्छी पहल के तहत पोस्टर्स, पम्फ्लेट्स और स्टिकर वितरित कर वाहनों, सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा भी करवाये हैं। लेकिन सिर्फ इतने ही प्रयास पर्याप्त नहीं कहे जा सकते। लोगों, मोबाइल, इंटरनेट का इस्तेमाल करने वालों को खुद भी सतर्क और जागरूक रहकर ऐसी ठगी से बचना होगा। इसे नव- वर्ष 2025 के लिये संकल्पों में शामिल किया जा सकता है। हालांकि एक ऐसे वक्त में जब विद्यार्थियों, दिहाड़ी श्रमिकों, हाथ ठेलों पर सामान, सब्जी फलों की बिक्री करने वालों, घरों में काम करने वाली महिलाओं, मैकेनिक, प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन से लेकर ज्यादातर लोगों के हाथों में मोबाइल फोन है तब यह उम्मीद करना कि इसका इस्तेमाल कम हो सकेगा, दिवास्वप्न ही कहा जायेगा। फिर भी आत्म नियंत्रण से इसका उपयोग कम किया जाना श्रेयस्कर होगा।छात्र- छात्राओं, छोटे बच्चों के हाथों में इसके इस्तेमाल को सख्ती और समझाइश के साथ पूरी तरह नहीं तो काफी हद तक कम किया जाना चाहिये। माना कि मोबाइल, इंटरनेट पर पढ़ाई के साथ बहुत सारी ज्ञानवर्धक और जनरल नॉलेज बढ़ाने वाली जानकारी हासिल की जा सकती है लेकिन इसकी लत लगना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। टेक्नॉलजी में निरंतर हो रहे बदलाव और एआई के प्रवेश के बाद आने वाले वक्त में और क्या नफा-नुकसान होने वाला है यह भविष्य में छुपा है।

सोचें, आस्ट्रेलिया जैसे देश में 16 वर्ष तक की आयु के बच्चों- किशोरों द्वारा मोबाइल के उपयोग को रोकने विधेयक लाया जा चुका है। कुछ अन्य देश तथा हमारे देश के राज्यों ने इस दिशा में पहल शुरू की है। महाराष्ट्र आदि के कुछेक गांवों और समाजों से इसके उपयोग को प्रतिबंधित या कम करने की खबरें मीडिया की सुर्खियां बन रही है। यह सही है कि कोरोना काल के दौरान शिक्षण संस्थाओं, कार्यालयों में लंबे समय तक ताले पड़े रहने से ऑनलाइन क्लाश तथा वर्क फ्रॉम होम के चलन से मोबाइल, इंटरनेट का उपयोग बढ़ा है।

सो, डिजिटल साक्षरता की कमी और जरूरी जानकारी के अभाव में मोबाइल, इंटरनेट के इस्तेमाल में लोग आवश्यक एहतियात और सतर्कता नहीं बरत पाते, जिसके चलते ऑनलाइन ठगी का शिकार बनते हैं। जबकि ऑनलाइन बैंकिंग, लेन-देन, यूपीआई, ओटीपी, पार्सल के जरिये ठगी से बचने के लिये सतर्कता जरूरी है। मोबाइल फोन या सोशल मीडिया पर किसी भी अनजान व्यक्ति को अपनी निजी जानकारी नहीं देना चाहिये। बैंक और सरकारी कार्यालय, संस्थान ऐसी जानकारी फोन पर नहीं मांगते। वीडियो कॉल पर कभी भी पुलिस या जांच एजेंसियां पूछताछ नहीं करती है। ऐसा हो तो सतर्क रहें। जिम्मेदारों द्वारा कभी फोन पर रुपयों की मांग नहीं की जाती। ऐसी कॉल आने पर अपने परिजन तथा पुलिस को तत्काल सूचना दें। सार्वजनिक स्थानों पर वाई-फाई, ईमेल, नेट बैंकिंग तथा यूपीआई आदि से यथासंभव बचा जाये।

अलविदा 2024

अजय कुमार

लेखक पत्रकार हैं।

योगी बीजेपी के तारणहार, अखिलेश ने पाया-खोया दोनों

2024 भी इतिहास के पन्नों में सिमट रहा है। यूपी के लिये बीता साल काफी यादगार रहा। सबसे खास बात यही थी कि पांच सौ साल के वनवास के बाद अयोध्या में रामलला अपने मंदिर में विराजमान हो गये। जिसका श्रेय मोदी सरकार को दिया जाता है, लेकिन इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि अयोध्या में रामलाल का भव्य मंदिर बनने के कुछ माह बाद हुए लोकसभा चुनाव में बीजेपी को बुरी तरह से हार का सामना भी करना पड़ा। यहां तक की अयोध्या की लोकसभा सीट भी बीजेपी हार गई,जिसका गम उसे आज भी सताता है। अयोध्या की हार को लेकर विपक्ष बीजेपी को अक्सर तानें मारता रहता है। इस साल हुए आम चुनाव के बाद प्रदेश में भाजपा के सासंदों की संख्या 62 से घटकर 33 पर आ गई इसमें उसके सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल की दो एवं अपना दल एक सीट को भी मिला दिया जाये तो भी यह आकड़ा 36 पर ही पहुंच पाता है, जबकि इंडिया गठबंधन 43 सीटों पर जीत हासिल करने में सफल रहा। इसमें से सपा की 37 और कांग्रेस की 6 सीटें थी।सपा और कांग्रेस दोनों की जीत का ग्राफ बढ़ा था,लेकिन सबसे बुरा हाल बहुजन समाज पार्टी का रहा जो एक भी सीट नहीं जीत पाई थी।

खैर,यूपी के दम पर दिल्ली में मजबूती के साथ पैर जमाये बीजेपी का 2024 के आम चुनाव के नतीजों के बाद वर्चस्व कमजोर पड़ गया तो यूपी बीजेपी का भी राष्ट्रीय राजनीति में ओहदा कम हो गया। यही नहीं वाराणसी से दो बार रिकार्ड मतों से जीत कर सांसद बनने वाले पीएम नरेंद्र मोदी का तीसरी बार के चुनाव में जीत का अंतर भी काफी कम हो गया। मोदी को केन्द्र में पहली बार ऐसे गठबंधन की सरकार बनानी पड़ी, जिसमें भाजपा के पास पूर्ण बहुमत नहीं है।यही वजह थी कि लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद महीनों तक समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस के नेता बीजेपी और मोदी-योगी सरकार पर हमलावर रहे। साल 2024 को भाजपा के विजय रथ पर ब्रेक और सांसदों की दृष्टि से प्रदेश में 10 साल के बाद भाजपा को दूसरे नंबर की पार्टी बना देने वाले साल के तौर याद किया जाएगा। वैसे इस हार की वजह को कुछ लोग बीजेपी की भीतरी कहल से भी जोड़कर देख रहे हैं।

हालांकि, साल खत्म होते-होते वोटरों ने कुछ हद तक बीजेपी के आंसू जरूर पोछ दिये। भाजपा गठबंधन ने विधानसभा उपचुनाव की नौ में से सात सीटें जीतकर लोकसभा चुनाव के बुरे अनुभव को काफी हद तक कम कर लिया। भाजपा के लिए 2024 की शुरुआत उम्मीदों के साथ हुई थी। लोकसभा चुनाव की गूंज के बीच रामलला की जन्मस्थान पर प्राण-प्रतिष्ठा हुई। इसके मुख्य यजमान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने। स्वतंत्र भारत में पहली बार किसी प्रधानमंत्री ने देश के बहुसंख्यकों की भावनाओं के सम्मान का सार्वजनिक शंखनाद किया। रामलला के मंदिर निर्माण में मोदी के साथ-साथ योगी आदित्यनाथ ने भी काफी महत्वपूर्ण

भूमिका निभाई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कदम अभूतपूर्व था,इसलिए इसे सोमनाथ की पुनर्प्रतिष्ठा पर पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की आपत्तियों को याद करके समझा जा सकता है। तब पंडित नेहरू ने कार्यक्रम में जाने से मना कर दिया था। साथ ही राष्ट्रपति को भी रोकने की कोशिश की थी। हालांकि, राष्ट्रपति कार्यक्रम में गए,लेकिन वह वहां राष्ट्रपति की हैसियत से नहीं एक भक्त की हैसियत से पहुंचे थे ऐसे में मोदी का पीएम के तौर पर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में मुख्य यजमान बनना युगांतकारी कदम था।मोदी के इस कदम से ऐसा माहौल बना, जिससे लगा कि मोदी का लोकसभा चुनाव में 400 पार का नारा हकीकत में बदलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। प्रदेश में भाजपा की सीटें ही नहीं घटीं, बल्कि फैजाबाद (अयोध्या) सीट भी भाजपा हार गई। यह भाजपा के लिए बड़ा झटका था। उपचुनाव में विधानसभा की नी सीटों में से सात जीतकर भाजपा ने इसी साल उस झटके के दर्द को कम जरूर कर लिया।

बहरहाल, यूपी की नौ विधान सभा सीटों पर हुए उपचुनाव में बीजेपी को मिली बड़ी जीत का श्रेय प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ और कार्यकर्ताओं के साथ उनके सीधे संवाद को दिया। सीएम ने उपचुनावों को चुनौती के रूप रूप में लिया। सारी सीटों के लिए खुद व्यूह रचना की। अगर कहा जाए कि 2024 में जाते-जाते उपचुनाव के नतीजों के जरिये योगी के प्रशासनिक कौशल के साथ संगठनात्मक कौशल का भी प्रमाण दे दिया है ती अतिश्योक्ति नहीं होगी। वैसे खास बात यह भी थी कि लोकसभा चुनाव से इत्तर उप चुनाव में आरएसएस भी पूरी तरह से सक्रिय रहा था। संगठनात्मक दृष्टि से भाजपा के 2024 का लेखा-जोखा रखा जाए तो कोई बड़ा उल्लेखनीय पक्ष नहीं दिखता। हॉ, उप चुनाव के नतीजे आने के बाद योगी का कद जरूर बढ़ गया है।वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव में जो पाया था उसे उप चुनाव में खो दिया। वहीं बसपा पूरे साल उतार की ओर ही नजर आती रही।

भारत में नववर्ष की अनूठी परम्पराएं

नव वर्ष पर विशेष

श्वेता गोयल

लेखक डेढ़ दशक से शिक्षण क्षेत्र से जुड़ी हैं।

नए साल के आगमन की खुशी में लोग नव वर्ष की पूर्व संध्या पर नाचते-गाते हैं और खुशियां मनाते हैं। नाच-गाने का यह सिलसिला घड़ी में रात्रि के 12 बजने अर्थात् नव वर्ष के आरंभ होने तक चलता है और घड़ी की सुईयों द्वारा जैसे ही 12 बजने का संकेत मिलता है अर्थात् नया साल दस्तक देता है, चहुं ओर आतिशबाजियों का धूमधड़ाका शुरू हो जाता है और एकबारगी तो यही अहसास होता है कि मानो डेढ़-दो माह बाद एक बार फिर से दीवाली का त्यौहार लौट आया हो। नव वर्ष के प्रथम दिन लोग एक-दूसरे को नव वर्ष की बधाई देते हुए स्वयं के लिए भी कामना करते हैं कि नया साल शुभ एवं फलदायक हो और नव वर्ष में सफलता उनके कदम चूमे।

दुनिया भर में नव वर्ष का स्वागत बड़ी धूमधाम, उमंग और उल्लास के साथ किया जाता है। अनेक देशों में नववर्ष से जुड़ी अपनी-अपनी परम्पराएं हैं। हमारे देश के विभिन्न प्रांतों में भी नववर्ष का स्वागत अलग-अलग तरीके से किया जाता है लेकिन कई जगह नव वर्ष मनाने की परम्पराएं और रीति-रिवाज इतने विचित्र हैं कि लोग उनके बारे में जानकर आश्चर्यचकित हो जाते हैं। संभवतः दुनिया भर में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है, जहां नव वर्ष एक से अधिक बार और विविध रूपों में मनाया जाता है। हमारे यहां ईस्वी संवत् और विक्रमी संवत् दोनों को ही महत्व दिया जाता है। ईस्वी संवत् के अनुसार नव वर्ष की शुरूआत एक जनवरी को और विक्रमी संवत् के अनुसार नए साल की शुरूआत वैशाख माह के प्रथम दिन से मानी जाती है जबकि इस्लाम में हिजरी संवत् के आधार पर नववर्ष की शुरूआत मानी जाती है।

बहरहाल, नव वर्ष मनाने की परम्पराएं चाहे कुछ भी हों, सभी का उद्देश्य एक ही है और वह है नव वर्ष सुख, शांति एवं समृद्धि से परिपूर्ण हो। आइए जानते हैं, भारत के विभिन्न हिस्सों में कैसे मनाया जाता है नव वर्ष- महाराष्ट्र में नव वर्ष के शुभ अवसर पर एक सप्ताह पहले ही घरों की छतों पर रेशमी पताका फहराई जाती है। घरों व दफ्तरों को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया जाता है तथा इस दिन पतंगें उड़ाकर नव वर्ष का स्वागत किया जाता है। बिहार में नव वर्ष के मौके पर विद्या की देवी सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। गरीब बच्चों को कपड़े तथा चावल का दान किया जाता है ताकि वर्ष भर घरों में सुख-शांति एवं समृद्धि बनी रही।

असम में नव वर्ष की यादगार बेला में घर के आंगन में मांडणे (रंगोली) सजाए जाते हैं तथा दीप या मोमबत्तियां जलाई जाती हैं। गाय को रोटी और गुड़ खिलाया जाता है ताकि नव वर्ष हंसी-खुशी के साथ गुजरे। केरल में नव वर्ष के अवसर पर नीम व तुलसी की पत्तियां तथा गुड़ खाना शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इनको खाने से शरीर साल भर तक स्वस्थ बना रहता है।

राजस्थान में नव वर्ष के विशेष अवसर पर गुड़ से बने पकवान खाना बहुत शुभ माना जाता है ताकि वर्षभर मुंह से मधुर बोली ही निकलती रहे। मणिपुर में इस दिन तरह-तरह की आतिशबाजी की जाती है तथा अनेक स्थानों पर भूत-प्रेतों के पुतले बनाकर भी जलाए जाते हैं ताकि भूत-प्रेत किसी को नुकसान न पहुंचा सकें।

छत्तीसगढ़ में यहां के आदिवासी तरह-तरह के गीत गाकर नव वर्ष का स्वागत करते हैं। इस दिन यहां बच्चों को गोद लेने की प्रथा भी है ताकि वर्ष का प्रत्येक दिन खुशियों से भरा रहे। राज्य के कुछ आदिवासी इलाकों में फसल में महुआ के फूल दिखाई देने पर आदिवासी उत्सव मनाया जाता है, जो उनके नव वर्ष का प्रारंभ माना जाता है। देश के कई अन्य आदिवासी इलाकों में उनके देवी-देवताओं के आराधना पर्वों के हिसाब से नव वर्ष की शुरूआत मानी जाती है।

जम्मू कश्मीर में नव वर्ष के उपलक्ष्य पर अनाथ बच्चों को भरपेट भोजन कराकर नए कपड़े पहनाए जाते हैं और उनके माथे पर तिलक लगाकर आरती उतारी जाती है ताकि नव वर्ष हंसी-खुशी के साथ व्यतीत हो सके। नागालैंड के नाग आदिवासी नाग पंचमी के दिन से ही अपने नव वर्ष की शुरूआत करते हैं। कृषि प्रधान राज्यों पंजाब तथा हरियाणा में यूं तो आजकल एक जनवरी को ही नववर्ष धूमधाम से मनाया जाता है किन्तु यहां नई फसल का स्वागत करते हुए नववर्ष वैसाखी के रूप में भी मनाया जाता है। व्यापारी समुदाय के लोग अपने आर्थिक हिसाब-किताब की दृष्टि से दीवाली से ही नववर्ष की शुरूआत मानते हैं जबकि वित्तीय आधार पर शासकीय नववर्ष की शुरूआत एक अप्रैल से होती है।

नववर्ष 2025

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कल की रचनात्मक तस्वीर के रेखांकन का मौका

नववर्ष मुड़कर एक बार अतीत को देख लेने एवं भविष्य को बुनने का स्वर्णिम अवसर। क्या खोया और क्या पाया इस गणित को विश्लेषित करने एवं आने वाले कल की रचनात्मक तस्वीर के रेखांकन का प्रेरक क्षण। क्या बनाना है और क्या मिटाना है, इस अन्वेषणा में संकल्पों की सुरक्षा पंक्तियों का निर्माण करने के लिये अभिप्रेरित करने की चौखट है- नववर्ष। 'आज', 'अभी', 'इसी क्षण' को पूर्णता के साथ जी लेने के जागृति का शंखनाद है नववर्ष। बीते कल का अनुभव और आज का पुरुषार्थ ही भविष्य का भाग्य रच सकता है इसीलिये नववर्ष के उत्सव की प्रासंगिकता को नकारा नहीं जा सकता। इसीलिये वर्ष 2024 की निराशाओं, असफलताओं एवं नाउम्मीदों पर पश्चाताप करने की बजाय उम्मीद, आशा एवं जिजीविषा को जीवंत करें। भले ही पछतावा जीवन का एक ऐसा सत्य है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। हालांकि हमें यह सलाह दी जाती है कि अतीत में क्या हुआ, क्या खोया एवं क्यों संकल्प पूरे नहीं हुए, इस पर पछताना ठीक नहीं। बीती बातों को याद करके दुखी होने से केवल मानसिक तनाव, निराशा एवं असंतोष ही उत्पन्न होगा। फिर भी, हम पछतावे को हमारी जीवन यात्रा का अहम हिस्सा मानते हुए नववर्ष का स्वागत नये उजालों से करते हुए इसे प्रेरणा पर्व बनाये।

नए की स्वीकृति के साथ पुराने को अलविदा कहने की इस संधिबेला में किंपलिंग की विश्व प्रसिद्ध पंक्ति याद आ रही है-'पूर्व और पश्चिम कभी नहीं मिलते।' पर मैं देख रहा हूं कि पुराना और नया मिलकर संवाद स्थापित कर रहे हैं। जाता हुआ पुराना वर्ष नये वर्ष के कान में कह रहा है, 'मैंने आंधियाँ अपने सीने पर झेली हैं, तू तूफान झेल लेना, पर मन के विश्वास को टूटने मत देना, संकल्प के दीपक को बुझने मत देना।' नये भारत के इक्कीसवीं शताब्दी के इस रजत जयन्ती वर्ष में इसी विश्वास को जीवंतता देने के लिये अपनी अनुकरणीय योजनाओं के साथ देश एवं दुनिया में सक्रिय होना है और अनूठा करना है। उसके लिये विश्वास एवं संकल्प वे छोटी-सी किरणें हैं, जो सूर्य का प्रकाश भी देती है और चन्द्रमा की ठण्डक भी। और सबसे बड़ी बात, वह यह कहती है कि 'अभी सभी कुछ समाप्त नहीं हुआ। अभी भी सब कुछ ठीक हो सकता है।' मनुष्य मन का यह विश्वास कोई स्वप्न नहीं, जो कभी पूरा नहीं होता। इस तरह का संकल्प कोई रणनीति नहीं है, जिसे कोई वाद स्थापित कर शासन चलाना है। यह तो इंसान को इन्सान बनाने के लिए ताजी हवा की खिड़की है।

जाते हुए वर्ष को अलविदा कहते हुए नए वर्ष की दस्तक आह्वान कर रही है कि अतीत की भूलों से हम सीख लें और भविष्य के प्रति नए सपने, नए संकल्प बुनें। अतीत में जो खो दिया उसका मातम न मनाएं। हमारे भीतर अनन्त शक्ति का स्रोत बह रहा है। समय का हर टुकड़ा विकास एवं सार्थक जीवन का आईना बन सकता है। हम फिर से वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसे अपनी दुर्बलताओं, विसंगतियों, प्रमाद या आलस्यवश पा नहीं सकते थे। मन में संकल्प एवं संकल्पना जीवंत बनी रहना जरूरी है। हर बार संकल्प पूरे हों, यह बिल्कुल जरूरी नहीं, क्योंकि जज्बा तब तक लोहा भर है, जब तक मन में दृढ़ता का बसेरा न हो। दृढ़ता आए तो यही जज्बा इस्पात बन जाता है। इसी जज्बे के साथ नये भारत के निर्माता समस्त विश्व के लोगों में एक दूसरे के प्रति विश्वास की भावना उत्पन्न करने, अच्छे नागरिकों का निर्माण करने, समस्त मानवता को मित्रता, भाई-चारे और विश्वास में बांधने के लिये तत्पर है। नैतिक एवं सौम्य गुणों को बढ़ावा देना, परोपकार, जनसेवा एवं समाज उत्थान के लिये व्यापक योजनाओं को आकार देने के लिये अग्रसर हैं, जिन्हें नये वर्ष में आसमानी ऊंचाई देने की प्रतिबद्धता है।

दुनिया में कुछ ही ऐसे भाग्यशाली लोग होते हैं, जिनके जीवन में पछतावा नहीं होता या बहुत कम होता है, क्योंकि वे जीवन को अपने तरीके से जीते हैं। युवावस्था में जीवन की गति तेज होती है। तब इतनी सारी चुनौतियां सामने होती हैं और इतने सारे विकल्प कि आगे बढ़ने की कोशिश में पछताने का वक्त नहीं मिलता। लेकिन जैसे-जैसे हम बूढ़े होते हैं और जीवन की गति धीमी होती जाती है, हम अतीत की सफलताओं-असफलताओं, हर्ष-विषाद, सुख-दुख, उन्नति-अवनति आदि चीजों पर सोचने लगते हैं। यह समय आत्मनिरीक्षण का होता है, जिसमें हम अपने जीवन की यात्रा और उसके अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। भीष्म पितामह जैसी शख्सियत को भी मृत्यु शैय्या पर पछतावा था कि उन्होंने अधर्म का साथ दिया। जीवन भर के उनके अच्छे कर्म उस समय याद नहीं आ रहे थे, और वह अपने एक निर्णय के कारण अपने जीवन के अंतिम क्षणों में पछता रहे थे। लेकिन हमें पछतावे से जीवन को धुंधलाना नहीं हैं, बल्कि नये संकल्पों से आगे बढ़ना है।

आप अपनी जिंदगी किस तरह जीना चाहते हैं? यह तय होना जरूरी है, आखिरकार जिंदगी है आपकी! दरअसल, जीवन एक व्यवस्था है। ऐसी व्यवस्था, जो जड़ नही; चेतन है। स्थिर नहीं, गतिमान है। इसमें लगातार बदलाव भी होने है। जिंदगी की अपनी एक फिलासफी है, यानी जीवन-दर्शन। सनातन सत्य के कुछ सूत्र, जो बताते हैं कि जीवन की अर्थवत्ता किन बातों में है। ये सूत्र हमारी जड़ों में हैं-पुरातन ग्रंथों में, हमारी संस्कृति में, दादा-दादी के किस्सों में, लोकगीतों में। जीवन के मंत्र ऋचाओं से लेकर संगीत के नाद तक समाहित है। हम इन्हें कई बार समझ लेते हैं, ग्रहण कर पाते हैं तो कहीं-कहीं भटक जाते हैं और जब-जब ऐसा होता है, जिंदगी की खूबसूरती गुमशुदा हो जाती है। जीवन का एक-एक क्षण जीना है- अपने लिए, दूसरों के लिए यह संकल्प सदुपयोग का संकल्प होगा, दुरुपयोग का नहीं। बस यहीं से शुरू होता है नीर-क्षीर का दृष्टिकोण। यहीं से उठता है अंधेरे से उजाले की ओर पहला कदम। सच तो यह है कि नई जिन्दगी की शुरुआत ही नया वर्ष है। समझदार लोगों के लिये नववर्ष का जश्न पछतावा नहीं, बल्कि आभार जताने का मौका देती है। उन सबके लिये आभार, जिनसे हमने सीखा एवं पाया है। आभार एवं कृतज्ञता उन रास्तों के लिये, जो हमारे लिये आशीर्वाद बन गये और उस शांत यकीन के लिये जो बताता है कि जिन्दगी की अनिश्चितताओं में भी एक दैवीय व्यवस्था काम करती है हमारी नाउम्मीदी को उम्मीद में बदलने के लिये।

नववर्ष की याद दिलाने वाली एक बात यह है कि हालात चाहे कितने भी मुश्किल क्यों न हो, कहीं-न-कहीं कोई है जो हमारे लिये चीजों को आसान बनाने पर काम कर रहा है। ब्रह्माण्ड की जिस भी शक्ति को आप मानते हैं, वह आपके लिये, दोस्तों, परिवारजनों, अजनबियों और दैनंदिन के कामों के लिये एक रास्ता तैयार कर रही है, यही आपको मंजिल तक ले जायेगा। इसलिये थोड़ा रुके, सोचे, हौसलों को जीवंतता दे और फिर नयी शुरुआत करें। जान ले कि आप अकेले नहीं है और वह अदृश्य शक्ति एवं आस्था आपको मंजिल तक पहुंचाने में जुटी है।

जीवन को केवल पीछे मुड़कर समझा जा सकता है, लेकिन इसे आगे बढ़कर जीना भी पड़ता है। हम अपनी बातों और कार्यों की जिम्मेदारी लें, लेकिन कभी भी इन्हें अपने मन में इतना भारी न होने दें कि वे हमारे विकास को रोकें। यह महत्वपूर्ण है कि हम हार से सीखें और उन्हें अपने अनुभव का हिस्सा बनाएं, ताकि और अधिक समझदारी से जीवन में आगे बढ़ सकें और जीत को गले लगा सके। प्रयास यही रहे कि हमारे विकास में यह रुकावट न डाल पाए। जाते हुए वर्ष को अलविदा कहने एवं नये वर्ष का स्वागत करने की यह चौखट कल्पना, ईमानदारी और आत्ममंथन की मांग करती है, जिससे हम अपने जीवन के फैसलों को और अधिक सटीक और तर्कसंगत बना सकते हैं। नए साल की शुरुआत जीवनशैली में बदलाव करने, बुरी आदतों को छोड़ने और अपने संकल्प को बेहतर बनाने के लिए एक बेहतरीन समय है। नए साल के सबसे लोकप्रिय संकल्पों में अधिक महत्वपूर्ण है अपने आत्मविश्वास को कमजोर न होने देना।

केंद्रीय राज्य मंत्री शांतिकुंज हरिद्वार में होंगे मुख्य अतिथि

बैतूल। अखिल विश्वव गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार में इन दिनों मातृ सत्ता जन्मशताब्दी और अखंड दीपक की शताब्दी की तैयारी के लिए विभिन्न राज्यो की कार्यशालाएं आयोजित की जा रही है। जिसमे ज्योति कलश, रथयात्रा देश के समस्त ग्रामों में निकालने का प्रशिक्षण हो

रहा है। गायत्री परिवार से जुडे केंद्रीय राज्य मंत्री (अनुसूचित जाति, जनजाति मामले) दुर्गादास डीडी उइके मध्यप्रदेश राज्य के लिए आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार वे अपने प्रदेश के लगभग 1500 परिजनों से मुलाकात करेंगे तथा 31 दिसम्बर को देव संस्कृति विश्व विद्यालय के मृत्यंजय आडिटोरियम में आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लेंगे। ज्ञात हो कि बैतूल जिले से भी उनके साथी 24 परिजन कार्यशाला में पहुंचे है। इस दौरान देव संस्कृति विश्व विद्यालय शांतिकुंज के प्रतिकुलपति चिन्मय पंड्या भी साथ होंगे।

सतीश नाइक हत्याकांड मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

शराब पीकर हुए विवाद में कर दी हत्या

बैतूल। दस दिन पहले बैतूल-इंदौर हाइवे के किनारे मिले आमला निवासी सतीश नाइक की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। इस मामले में पुलिस ने राजपाल उइके निवासी बेला और बारीक टंटी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने शराब के नशे में झगड़े के बाद सतीश की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी थी। 20 दिसंबर को आमला निवासी सतीश नाइक (43) की सिर कुचली लाश हाइवे के पास मिली थी। लाश के पास कई दस्तावेज भी मिले थे। दस्तावेजों के आधार पर मृतक की पहचान आमला निवासी सतीश नाईक के रूप में हुई थी। मामले की जांच की गई तो पता चला कि मृतक इंदौर में काम करता था। पुलिस का कहना है कि सतीश 18 दिसंबर को अपनी बाइक लेने इंदौर गया था। इंदौर से वापस लौटते समय उसकी हत्या हो गई। शव की जांच में मृतक का मोबाइल फोन गायब था। हत्या की जांच के लिए एक पुलिस टीम पीथमपुर भी भेजी गई थी। इस बीच गायब मोबाइल के ईएमआई नंबर के आधार पर पड़ताल शुरू की गई तो सतीश का मोबाइल बेला गांव में एक्टिव मिला। लोकेशन के आधार पर जब पुलिस टीम वहां पहुंची तो मृतक का मोबाइल राजपाल के भाई के पास मिला। पूछताछ के बाद राजपाल को हिरासत में लिया गया तो पूरे मामले का खुलासा हो गया। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि मृतक ने आरोपी राजपाल और बारिक के साथ बैठकर शराब पी थी। इस बीच हुए विवाद में राजपाल और बारिक ने सिर कुचलकर सतीश की हत्या कर दी और उसकी बाइक लेकर भाग गए। पुलिस आरोपियों को कोर्ट में पेश कर आगे की पूछताछ के लिए उनका रिमांड लेने का प्रयास करेगी।

भोजन करते समय महिला की अचानक मौत, पुलिस कर रही जांच

बैतूल। बेटी के घर आई एक महिला की खाना खाते समय अचानक बेहोशी छा जाने के बाद मौत हो गई। पुलिस ने इसे संदिग्ध मामला मानते हुए मृतिका का पोस्टमॉर्ट्म करवाया है और बिसरा जांच के लिए संरक्षित कर लिया है। जानकारी के अनुसार शाहपुर थाना क्षेत्र के रामपुर माल निवासी 55 वर्षीय जानकी बाई, रविवार शाम अपनी बेटी से मिलने उसके घर छुरी आई थीं। उनके जवाई नितेश ने बताया कि रात के भोजन के दौरान जानकी अचानक बेहोश हो गईं। परिवार ने उन्हें उठाने की कोशिश की, लेकिन स्थिति गंभीर होने पर 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस को प्रारंभिक जांच में फूड पॉइजनिंग का शक है, इसलिए मृतिका का बिसरा जांच के लिए लैब भेजा गया है। हालांकि, जिस तरह से मौत हुई, उसे देखते हुए पुलिस इसे साइलेंट अटैक मान रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच जारी है। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट के आने के बाद मौत के असली कारण का पता चल सकेगा। परिजनों और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि घटना की सटीक जानकारी जुटाई जा सके।

डॉ. कीर्ति सिंह एपीजे अब्दुल कलाम भारतीय रत्न से हुई सम्मानित

बैतूल। डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम भारतीय रत्न पुरस्कार संस्था द्वारा प्रतिवर्ष कलाकारों को पुरस्कृत किया जाता है। संस्था के संस्थापक एवं निदेशक राम मोहन भारत ने बताया कि कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को यह अवार्ड दिया जाता है। बैतूल निवासी और वर्तमान में शासकीय गीतांजली महाविद्यालय भोपाल में कला गुरू व मूर्तिकार डॉ.कीर्ति सिंह ठाकुर कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम भारतीय रत्न से सम्मानित किया गया। डॉ.कीर्ति सिंह को अभी तक देश विदेश में अपनी कला से भारत का नाम रोशन किया है और वह अधिकतर रिलेशन टू नेचर की थीम और महापुरुषों की मूर्तियां बना रहें हैं। इन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं एवं पुरस्कार के माध्यम से ललित कलाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, मूर्तिकला, चित्रकला, शिक्षा, समाज के प्रति समर्पित होकर अनुकरणीय कार्य के लिए उन्हें कई प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए हैं।

साहू समाज का विशेष नववर्ष मिलन समारोह 1 जनवरी को

पद्म शेषनागदेवता मंदिर में होगी विशेष पूजा और महाआरती

बैतूल। साहू समाज समिति द्वारा सदर बाजार में नववर्ष 2025 के शुभ अवसर पर मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 1 जनवरी 2025, बुधवार को होगा। कार्यक्रम का आयोजन भगतसिंह वार्ड के पक्का कुआं के पास स्थित श्री पद्म शेषनागदेवता मंदिर परिसर में किया जाएगा। इस विशेष आयोजन की शुरुआत शाम 6 बजे स्वागत और अभिनंदन कार्यक्रम से होगी। शाम 7 बजे विशेष पूजन शुरू होगा, जिसके बाद 7.30 बजे महाआरती का कार्यक्रम होगा। महाआरती के उपरांत रात्रि 7.45 बजे से नववर्ष मिलन समारोह का मुख्य उद्बोधन कार्यक्रम शुरू होगा। रात्रि 8.20 बजे से विशेष प्रसादी का वितरण प्रारंभ होगा। यह आयोजन रात्रि 9.50 बजे संपन्न होगा। साहू समाज समिति, सदर बाजार बैतूल के अध्यक्ष रविंद्र कुमार गुदवारे और सचिव सुखदेव राजू साहू ने सभी समाजबंधुओं, माताओं, बहनों, युवाओं और बुजुर्गों से इस कार्यक्रम में समय पर उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की है। समिति के कनिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत साहू ने सभी से यथा समय उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

कृषि विभाग का दावा: किसानों को कम नहीं पड़ने देंगे यूरिया, पर्याप्त स्टॉक

• गेहूं फसल को यूरिया की जरूरत, जिले में 12,248 मेट्रिक टन उपलब्ध

संजय द्विवेदी बैतूल। बारिश के बाद किसान खासे खुश हैं। गेहूं की फसल के अनुकूल मौसम हो गया है। बारिश से जल संचयन और बिजली की भी बचत हुई है। मावठे की बारिश के बाद अब यूरिया का डोज देने की जरूरत है। किसान भी यूरिया खाद डालने के कार्य में जुट गए हैं। बता दे कि नवंबर के दूसरे सप्ताह में बोए गये गेहूं को 21 दिन से अधिक का समय बीत चुका है और फसलों को पानी की जरूरत थी। अब ये पानी बारिश से लग चुका है। पहले पानी पर गेहूं में किसान यूरिया खाद डालते हैं। खाद डालने का किसानों ने काम शुरू कर दिया है। किसानों ने मौसम को देखते हुए सोयायटियों से यूरिया खाद खरीदना शुरू कर दिया है। इसके लिए कृषि विभाग का दावा है कि पहले से ही जिले में 12248 मेट्रिक टन यूरिया स्टॉक में उपलब्ध है। शासन से भी मांग के अनुरूप यूरिया की आपूर्ति की जा रही है। जिससे किसानों को यूरिया के लिए चिंता करने की जरूरत नहीं है। सोयायटियों और बाजार में यूरिया पूरी तरह से उपलब्ध हैं। किसान सोसायटियों से यूरिया ले सकते है।

जिले में 2 लाख 96 हजार में गेहूं की बुआई- जिले में रबी फसल की बुआई का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इस साल कृषि विभाग ने रबी फसलों के लिए 3,88,750 हेक्टेयर रकबा निर्धारित किया

है। जिसमें चना चना 55,000, मसूर 0.200 हेक्टेयर, मटर 1500, सरसो 14000, अलसी 0.050 हेक्टेयर और गन्ना 22,000 हेक्टेयर रकबा सुनिश्चित है। इसके अलावा 2,96,000 हेक्टेयर में सिर्फ गेहूं की बुआई हुई है। गेहूं की बंपर पैदावार के लिए किसान फसल में पहली व दूसरी सिंचाई के बाद यूरिया खाद डालते है। इसलिए इस समय किसान को पहली जरूरत यूरिया खाद है। किसानों ने बताया कि कुछ किसानों ने पहले से ही यूरिया का इंतजाम कर रखा था, जिनके पास यूरिया नहीं थी, ऐसे किसानों ने यूरिया खरीदकर खेतों में डालने का काम शुरू कर दिया है।

पिछले साल दिसंबर तक 34,134 मेट्रिक टन यूरिया की खपत- कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिले में विगत वर्ष रबी फसल में करीब 57,774 मेट्रिक टन उर्वरक की खपत हुई थी। जिसमें से सिर्फ दिसंबर तक 34113 मेट्रिक टन यूरिया लगा था। इस साल 62,862 मेट्रिक टन उर्वरक का वितरण किया जा चुका है। अभी वर्तमान में कृषि विभाग के पास 12,240 मेट्रिक टन यूरिया, एसएसपी 6640 मेट्रिक टन, डीएपी 4438 मेट्रिक टन, एमओपी 875 मेट्रिक टन और एनटीपी 2016 मेट्रिक टन खाद यानि कुल मिलाकर 26217 मेट्रिक टन खाद का स्टॉप उपलब्ध है। कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पिछले वर्ष मार्च तक कुल 41,838 मेट्रिक टन यूरिया की खपत हुई थी। इस साल किसानों को 37,830 मेट्रिक टन यूरिया वितरित कर दिया है।

मावठे की बारिश के बाद छाया कोहरा

बैतूल। मावठे की बारिश के बाद सोमवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। इस बार ठंड के सीजन में पहली बार इतना कोहरा छाया है। इसकी वजह से शहर और आसपास के इलाकों में विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम रही। वाहन चालकों को

गाड़ी चलाते समय हेडलाइट जलानी पड़ी और नेशनल हाईवे पर कई ट्रक चालक कोहरा छटने का इंतजार करते दिखे। हालांकि धूप निकलने के साथ ही कोहरा भी खत्म हो गया। बारिश के बाद तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं आई। न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि रविवार रात यह 16.7 डिग्री था। भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट आ सकती है।

कृषि विभाग का दावा, नहीं आयेगी यूरिया की कमी

कृषि विभाग का दावा है कि किसानों को यूरिया की कमी नहीं आने दी जायेगी। अभी जिले के पास जो यूरिया का स्टॉक बचा है। इसके अलावा शासन से भी निरंतर यूरिया की आपूर्ति की जा रही है। कृषि विभाग के अनुसार किसानों को अब सिर्फ यूरिया की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए कृषि विभाग ने पूरी तरह से स्टॉक कर रखा है। किसान सोयायटियों पर जाकर यूरिया ले सकते है। कृषि विभाग के अनुसार जिन-जिन ब्लाकों से यूरिया की डिमांड आ रही है, वहां वैसे-वैसे यूरिया खाद की आपूर्ति कर रहे है। किसान बिना किसी परेशान के सोयायटी जाकर यूरिया खाद का उठाव कर सकते है।

इनका कहना है

जिले के किसानों को यूरिया खाद की कमी नहीं आने दी जायेगी। मार्च तक करीब 45 हजार मेट्रिक टन यूरिया की मांग थी, अभी तक 37,830 मेट्रिक तक यूरिया का वितरण किया जा चुका है। अभी भी 12, 248 मेट्रिक टन यूरिया का स्टॉप उपलब्ध है। शासन से भी मांग के अनुसार यूरिया खाद की आपूर्ति हो रही है।

- आनंद बडोनिया,
उप संचालक, कृषि विभाग, बैतूल

वनग्राम अर्जुनगोंदी और सीताखेड़ी में संभागायुक्त ने देखी नलजल योजनाओं की स्थिति

नल जल योजनाओं का व्यवस्थित संधारण करने के दिए निर्देश

बैतूल। संभागायुक्त नर्मदापुरम केजी तिवारी सतत भ्रमण कर मैदानी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा ले रहे हैं। इसी क्रम में संभागायुक्त श्री तिवारी ने जिले की तहसील घोड़ाडोंगरी के ग्राम अर्जुनगोंदी और सीताखेड़ी में सोलर पैनल से संचालित नल जल योजनाओं के संचालन की स्थिति देखी। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को नल जल योजनाओं के संधारण के संबंध में जानकारी ली और पंचायत से समन्वय कर उक्त योजनाओं का व्यवस्थित संधारण करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने इस दौरान ग्राम अर्जुनगोंदी और सीताखेड़ी में प्राथमिक शालाओं का निरीक्षण भी किया। उन्होंने यहां बच्चों से पाठ्य पुस्तक पढ़वाकर उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता भी परखी। संभागायुक्त ने इन ग्रामों में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से चर्चा कर नल जल योजनाओं सहित अन्य योजनाओं के संचालन के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने यहां ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी। निरीक्षण के दौरान संयुक्त आयुक्त जीसी दोहर, एसडीएम अभिजीत सिंह, कार्यपालन यंत्री श्री बघेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

बैठक व्यवस्था सीमित होने के कारण पास धारकों को मिलेगा प्रवेश

म्यूजिकल नाइट कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर

बैतूल। संगीत प्रेमियों के लिए 11 जनवरी 2025 को लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में म्यूजिकल नाइट का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिले की प्रमुख सामाजिक संस्था संतुलन समिति के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में देश के प्रसिद्ध गायक गायिका और ढोलक वादक आ रहे हैं। कार्यक्रम की तैयारी जोरों पर है। संतुलन समिति के अध्यक्ष सजल प्रशांत गर्ग ने बताया कि लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में बैठक व्यवस्था सीमित होने के कारण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रवेश पास जारी किए गए हैं।

चार श्रेणी में होगी बैठक व्यवस्था- आयोजन समिति के योगी खण्डेलवाल ने बताया कि बैठक व्यवस्था चार भागों में वितरित की गई है इसमें सबसे आगे प्लैटिनम पास धारकों के लिए रहेगी। दूसरे नंबर पर डायमंड पास धारक, तीसरे नंबर पर गोल्ड पास धारकों और चौथे नंबर पर सिल्वर पास धारकों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था की गई है। बैठक व्यवस्था सीमित होने के कारण कार्यक्रम में किसी तरह की अव्यवस्था ना हो इसलिए पास जारी

किए गए हैं। पास की कैटेगरी के हिसाब से प्रवेश गेट तय किए गए हैं। पास के पीछे ही प्रवेश की जानकारी दी गई है कि उसे पास पर किस गेट से प्रवेश मिलेगा।

इनसे कर सकते है संपर्क- आयोजन समिति के सूरत राम धुर्वे ने बताया कि कार्यक्रम में शामिल होने और संगीत का आनंद उठाने के लिए जो भी इच्छुक व्यक्ति हैं उन्हें पास लेने में असुविधा न हो इसके लिए शहर में प्रवेश पास वितरित करने के लिए व्यवस्था की गई है और भी संबंधित स्थान से पास ले सकते हैं या उसे नंबर पर फोन करके पास की जानकारी ले सकते हैं। रसोई रेस्टोरेंट 9425002324, अयोध्या रेस्टोरेंट 9425003238, एबी रेस्टोरेंट 7725809888, बतरा जूस सेंटर 9406534681, ओम मेडिकल स्टोर 9425002695, अग्रवाल मॉल 7049072322, मामाजी ज्वेलर्स 9425002983, कैकन रेस्टोरेंट 6260494450, पुरोहित डेयरी 9993068833, अबेकिंग 8889285085, चाय सुट्टा बार 8827597372, आदित्य बेकरी 6260556499 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा आयोजन समिति से जुड़े पदाधिकारियों से भी संपर्क कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के लिए उपलब्धियों भरा रहा वर्ष -2024

देवास/मोहन वर्मा। देश में तेजी से चल रहे विकास कार्यों में पश्चिम रेल्वे रतलाम मंडल भी पीछे नही रहा। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल साल दर साल नई-नई ऊँचाइयों को छू रहा है। वर्ष 2024 भी रतलाम मंडल के उपलब्धियों भरा रहा है।

पश्चिम रेल्वे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी- खेमराज मीना ने बताया कि अधोसंरचनात्मक विकास हो यात्री सुविधा से संबंधित कार्य सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

बुनियादी ढांचे का विकास व रेल परियोजनाओं की प्रगति इंदौर दाहोद नई लाइन के अंतर्गत टीही में लगभग 3 किमी लंबी टनल का महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे की उपस्थिति में ब्रेक थ्रू संपन्न होकर फिनिशिंग कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही टीही से धार के मध्य ट्रैक का फाउंडेशन ट्रैक बिछाने सहित स्टेशन भवन, प्लेटफार्म एवं अन्य कार्य शीघ्रता से जारी है।

नीमच-दाहोद दोहरीकरण के अंतर्गत नीमच से हरकियाखाल एवं धौसवास से बड़ायला चौरासी तक लगभग 34 किमी खंड का दोहरीकरण कार्य पूर्ण कर ट्रेनों के परिचालन के लिए खोल दिया गया है। इसके अलावा राऊ से डॉ. अम्बेडकर नगर के मध्य लगभग 10 किमी खंड का दोहरीकरण कार्य पूरा हुआ। ओंकारेश्वर से सनावद तथा डॉ. अम्बेडकर नगर से पातालपानी के मध्य लगभग 10.91 किमी खंड का आमान परिवर्तन कार्य पूरा हुआ।

16 स्टेशनों पर अमृत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन भवन, सर्कुलेटिंग एरिया, कवर शेड, प्लेटफार्म विस्तार, फुट ओवर ब्रिज के पुनर्विकास कार्य किये जा रहे हैं जिसमें देवास, दाहोद, लिमखेड़ा, चंदेरिया सहित अन्य स्टेशनों पर कार्य पूर्णता की ओर अग्रसर है।

रतलाम मंडल के विभिन्न खंडों में 160 किमीप्रघं की गति के साथ ही पशुओं को रेलवे ट्रैक पर आने से रोकने के लिए बाउंड्री वॉल तथा डब्ल्यूबीएम फेंसिंग के तहत इस वर्ष नागदा गोधरा खंड सहित अन्य खंडों के लगभग 112 किमी में बाउंड्री वॉल/फेंसिंग कार्य पूर्ण किया गया है। इसके साथ ही 160 किमीप्रघं की मांग को पूरा करने के लिए रतलाम नागदा खंड में 1×25 केवी ओएचई के स्थान पर 2×25 केवी ओएचई सिस्टम लगाया गया। यह सिस्टम लगाने वाला रतलाम मंडल भारतीय रेलवे का पहला मंडल है। इसके अलावा नागदा-गोधरा खंड में 160 किमी प्रति घंटा के अनुसार ट्रैक तैयार करने के लिए चार बड़े कर्व को समाप्त किया गया है।

ट्रेनों की बाहरी सफाई के लिए डॉ. अम्बेडकर नगर कोच केयर सेंटर में 50 हजार लीटर प्रति दिन क्षमता के इफ्ल्यूएंट ट्रिटमेंट प्लांक के साथ आधुनिक ऑटोमैटिक कोच वाशिंग प्लाट का निर्माण किया गया। विद्युत लोको की ट्रिप मेंटेनेंस के लिए लक्ष्मीबाई नगर में एक नया ट्रिप शेड का निर्माण किया गया।

रेल कर्मियों की सुविधा के लिए रतलाम रेलवे कॉलोनी में सांस्कृतिक सभागृह को आधुनिक सुविधाओं के अनुसार रिनोवेट किया गया है जिसमें स्टेज, अटैच टायलेट के साथ कमरे, बड़े कीचन एवं पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। इस वर्ष रतलाम मंडल के विभिन्न लोकेशनों पर कुल 42 यूनिट रेलवे आवासों का निर्माण किया गया है। रेलवे चिकित्सालय के ऑपरेशन थियेटर को मॉडुलर ऑपरेशन थियेटर के रूप में बदला गया ।

संरक्षा से संबंधित किये गये महत्वपूर्ण कार्य- 17 मानवयुक्त समपार फाटकों को बंद किया गया है। 04 रोड ओवर ब्रिज एवं 05 रोड अंडर ब्रिज का निर्माण किया गया है। 06 स्टेशनों पर पैनल इंटरलॉकिंग के स्थान पर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग किया गया है।

नागदा से रतलाम, पंचपिपलिया से भैरोगढ़ एवं अन्य खंडों में कुल 108 किमी खंड में कवच का सफल ट्रायल किया जा चुका है। इसके अलावा ताजपुर रेलवे स्टेशन पर डायरेक्ट ड्राईव सिस्टम के साथ ई.आई. (इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग किया गया जो भारतीय रेलवे पर इस प्रकार का सिस्टम इंस्टॉल होने वाला पहला रेलवे स्टेशन है।

यात्रियों को मिली सुविधाएं- मंदसौर में लो लेवल प्रतीक्षालय को रिनोवेट कर हाई लेवल प्लेटफार्म के अनुसार बनाया गया है तथा इसके लिए स्टेयर्स एवं रैंप का निर्माण कार्य भी किया गया। इसके साथ ही प्लेटफार्म का विस्तार करने के साथ हाई लेवल प्लेटफार्म बनाया गया। फतेहाबाद चंद्रावतीगंज रेलवे स्टेशन पर तीन नवीन लिफ्ट का शुभारंभ किया गया। दाहोद रेलवे स्टेशन पर नया सर्कुलेटिंग एरिया, फसाड, टायलेट ब्लॉक, कवर शेड, एसी वेटिंग हॉल आदि का निर्माण भी किया गया। दाहोद रेलवे स्टेशन पर एक नया फुट ओवर ब्रिज तैयार किया गया है तथा इंदौर दाहोद नई लाइन के अंतर्गत एक नया प्लेटफार्म का निर्माण किया गया है। रतलाम रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म क्रमांक 2 पर प्रतीक्षालय को रिनोवेट किया गया है तथा प्लेटफार्म क्रमांक 7 की ओर एक नया सर्कुलेटिंग एरिया को रिनोवेट कर सर्कुलेटिंग एरिया में कवर शेड लगाये गये हैं।

डॉ.अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म संख्या 01 का विस्तार कार्य पूर्ण हुआ। चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए 12 करोड़ की दो मंजिला भवन का निर्माण कार्य लगभग पूर्णता की ओर है। डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म संख्या 4 का निर्माण होने के साथ ही सर्कुलेटिंग एरिया एवं नवीन स्टेशन भवन का निर्माण भी संपन्न हुआ।

नीमच रेलवे स्टेशन पर सर्कुलेटिंग एरिया, फसाड एवं अन्य कार्य किया गया। इस्के साथ ही नीमच, देवास, सीहोर, शुजालपुर, मक्सी, चंदेरिया संहित अन्य स्टेशनों पर कोच डिस्प्ले बोर्ड की सुविधा उपलब्ध कराई गई। मंडल के रतलाम रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म क्रमांक 7 ओर सर्कुलेटिंग एरिया को विकसित किया गया है तथा सर्कुलेटिंग एरिया में कवर शेड का निर्माध किया गया है। प्लेटफार्म 2 की ओर नया वेटिंग हॉल का निर्माण किया गया है।

इस प्रकार हम देखें तो रतलाम मंडल संरक्षा, सुरक्षा बुनियादी ढांचे के विकास सहित यात्री सुविधा के लिए सदैत तत्पर है।

विकास एक सतत प्रक्रिया है जिसमे नित नये-नये कार्यों को को मूर्त रूप देने का कार्य रतलाम मंडल द्वारा किया जाता है जिससे यात्रियों को सुविधाएं तो उपलब्ध होती ही है बुनियादी ढांचे में भी एक सकारात्मक बदलाव आता है।

इंदौर में हुआ साइक्लोथॉन का सफल आयोजन

200 से अधिक साइकिलिस्ट ने लिया उत्साह से भाग

देवास/इंदौर। रविवार को SGSITS कॉलेज और फार्मेसी एलूमनी एसोसिएशन ने मिल कर इंदौर क्लाइमेट मिशन के अंतर्गत एक साइकिल रैली का आयोजन किया था जिसमें 200 से ज्यादा साइकिलिस्ट ने उत्साहपूर्ण से भाग लिया।

जानकारी के अनुसार इंदौर जलवायु मिशन के माध्यम से आमजन को प्रोत्साहित करके ऊर्जा साक्षरता को बढ़ावा देने और ऊर्जा संरक्षण में इंदौर को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण आयोजन किया गया था।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विशेष अतिथि प्रो. चेतन सिंह सोलंकी (आईआईटी बॉम्बे और संस्थापक- एनर्जी स्वराज फाउंडेशन) और कार्यक्रम के मार्गदर्शक एसजीएसआईटीएस के निदेशक प्रो. नीतेश पुरोहित थे जिन्होंने रैली को रवाना किया!

रैली के प्रारम्भ में फार्मेसी एलूमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रभाष जाटव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आयोजन की जानकारी दी।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, प्रो. चेतन सोलंकी ने साइकिल रैली में पधारे फार्मास्युटिकल कंपनी के प्रतिनिधि, इंजीनियरिंग और फार्मा कॉलेज के प्रोफेसर, शहर के जलवायु प्रेमी और फार्मेसी एलूमनी के सदस्यों को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन नूपुर शाह ने किया,. रैली की व्यवस्था और संचालन प्रोफेसर सुरेश पासवान ने किया! जो 1200 द्यद्व तक साइकिल चलाने का रिकॉर्ड बना चुके है! कार्यक्रम का समन्वय प्रो. डॉ प्रकाश सोनी, विनीत सिंह, राकेश जाटव, अजय वर्मा,राजेश राठौर, अशोक देवगन, महेंद्र पटेल, अर्पना जी,अजय दासोंदी और अन्य साथियों ने किया! कार्यक्रम में प्रो. मीना तिवारी,प्रो. नेहा भी अतिथियों के साथ मौजूद रही! कार्यक्रम का आभार प्रो. मीना तिवारी ने किया!

एकीकरण को बढ़ावा देने की संभावना तलाशने का आग्रह किया

इंदौर। श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भविष्य में कुछ अधिकारी रक्षा अताशे के रूप में काम करेंगे और उन्हें वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करने का प्रयास करना चाहिए। श्री सिंह ने कहा - जब आप रक्षा अताशे का पद संभालेंगे, तो आपको सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को आत्मसात करना चाहिए। आत्मनिर्भरता के माध्यम से ही भारत अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत कर सकता है और विश्व मंच पर अधिक सम्मान हासिल कर सकता है। रक्षा मंत्री ने भारत को दुनिया की सबसे मजबूत आर्थिक और सैन्य शक्तियों में से एक बनाने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा - आर्थिक समृद्धि तभी संभव है जब सुरक्षा पर पूरा ध्यान दिया जाए। सुरक्षा व्यवस्था भी तभी मजबूत होगी जब अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। हम 2047 तक न केवल एक विकसित राष्ट्र बन जाएंगे, बल्कि हमारी सशस्त्र सेनाएं भी दुनिया की सबसे आधुनिक और सबसे मजबूत सेनाओं में से एक होंगी।

श्री राजनाथ सिंह ने अधिकारियों से डॉ. बी.आर. अंबेडकर के समर्पण और भावना के मूल्यों को आत्मसात करने का भी आग्रह किया। उन्होंने बाबा साहब को न केवल भारतीय संविधान का निर्माता बताया, बल्कि एक दूरदर्शी मार्गदर्शक भी बताया। उन्होंने खासकर युवाओं को उनके मूल्यों और आदर्शों से परिचित कराने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

सीमाओं को सुरक्षित करने और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सबसे पहले अपनी सेवा देने वाले सशस्त्र बलों की सराहना करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा - राष्ट्र की रक्षा के लिए यह समर्पण और लगातार बदलती दुनिया में खुद को अद्यतन रखने की भावना हमें दूसरों से आगे ले जा सकती है।

केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह को आर्मी वॉर कॉलेज (एडब्ल्यूसी) में कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल एचएस साही ने संघर्ष के पूरे स्पेक्ट्रम में युद्ध लड़ने के लिए सैन्य नेताओं को प्रशिक्षित करने और सशक्त बनाने की दिशा में संस्थान की भूमिका और महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्हें बहु-डोमेन संचालन में संयुक्तता, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रौद्योगिकी के समावेश और सीएपीएफ अधिकारियों के प्रशिक्षण के साथ-साथ शिक्षाविदों, विश्वविद्यालयों और उद्योगों के साथ किए जा रहे आदान-प्रदान कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षण पद्धति में महत्वपूर्ण कदमों के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें मित्र देशों के अधिकारियों को प्रशिक्षित करने और सैन्य कूटनीति में महत्वपूर्ण योगदान देने के माध्यम से संस्थान द्वारा हासिल की गई वैश्विक छापों के बारे में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और भारतीय सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।इससे पहले रक्षा मंत्री ने इन्फैंट्री मेमोरियल पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की।

रक्षा मंत्री ने 29 दिसंबर, 2024 को महू में एडब्ल्यूसी, एमसीटीई, इन्फैंट्री स्कूल और आर्मी मार्कस्मैनशिप यूनिट का दौरा किया। उन्होंने कहा कि ये सभी प्रतिष्ठान मिलकर देश के स्वर्णिम अतीत और मजबूत, समृद्ध और उज्ज्वल भविष्य का संगम बनाते हैं। उन्होंने एमसीटीई में संचालित क्वांटम टेक्नोलॉजी लैब और एआई लैब को युद्ध के उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा संभाग में एमपीआरडीसी के निर्माण कार्यों की समीक्षा की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय में रीवा संभाग में मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) की महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि सभी परियोजनाओं में गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि आमजन को इन महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का शीघ्र लाभ मिल सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सीधी से सिंगरौली 4-लेन (लंबाई 105.59 किमी) और रीवा बायपास (लंबाई 19.20 किमी) के निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ कार्यों को पूर्ण किया जाए। बताया गया कि सीधी-सिंगरौली मार्ग का शेष निर्माण कार्य 30 जून 2025 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। रीवा बायपास का कार्य आगामी दो वर्षों में पूर्ण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल को बताया गया कि रीवा-बायपास के लिए आरओडब्ल्यू उपलब्ध है और चिन्हांकन का कार्य प्रगतिरत है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आगामी शहडोल रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव को ध्यान में रखते हुए संबंधित सड़क निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने रीवा-शहडोल मार्ग (टेटका मोड़ तक एसएच-57) की प्रगति की समीक्षा की और वन विभाग द्वारा पूर्व में स्वीकृत मार्ग के सुदृढ़ीकरण के कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। एमडी एमपीआरडीसी श्री अविनाश लवानिया सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जिला दिव्यांग एवं पुनर्वास केंद्र में देर रात दो युवकों के साथ मिली युवती

- शिकायत पर केंद्र पर पहुंची पुलिस ने तीनों से की पूछताछ

बैतूल। जिला चिकित्सालय परिसर में संचालित जिला दिव्यांग एवं पुनर्वास केंद्र बैतूल में दो कर्मचारियों के साथ एक युवती देर रात मिली। मामला यह है कि गत रात करीब 7 बजे के आसपास एक युवक के साथ युवती को जिला दिव्यांग एवं पुनर्वास केंद्र के अंदर जाते कुछ लोगों ने देखा, तो तत्काल इसकी सूचना जिला अस्पताल प्रबंधन सहित कोतवाली पुलिस को दी। कोतवाली थाना पुलिस का बल एवं जिला अस्पताल के सिक्योरिटी गार्ड ने रात लगभग 8.39 बजे पुनर्वास केंद्र में अंदर से लगे ताले को खुलवाया और अंदर जाकर देखा, तो वहां दो युवकों के साथ एक युवती थी। जब उनसे पूछताछ की गई तो दोनों युवकों ने स्वयं को पुनर्वास केंद्र का कर्मचारी होना बताया। जिसमें एक आदर्श नामक युवक ने स्वयं को प्यून और दूसरे दीपक ने स्वयं को चौकीदार होना बताया। पुलिस की पूछताछ में इन दोनों ने कई प्रकार की बहानेबाजी एवं टालामटोली भी की। यहां उल्लेखनीय है कि जिला दिव्यांग एवं पुनर्वास केंद्र रोज रात में बंद हो जाता है तथा वहां किसी भी कर्मचारी की ड्यूटी नहीं होती है, यदि चौकीदार की ड्यूटी होती भी है, तो वह भी अकेले की होती है। ऐसे में दो कर्मचारियों के साथ युवती का मिलना, कहीं न कहीं मामले को संदेहस्प्रद बना रहा है। फिलहाल इस पूरे मामले की जानकारी पुनर्वास केंद्र अधिकारियों को दी गई है। चूंकि दिव्यांग पुनर्वास केंद्र जिला चिकित्सालय प्रबंधन के अंतर्गत नहीं आता है, इसलिए जिला चिकित्सालय प्रबंधन ने इस विषय में कुछ भी कहने से साफ इंकार कर दिया है।

इनका कहना है -

देर रात ही मुझे फोन पर मामले की जानकारी लगी है। कर्मचारियों द्वारा किसी युवती को अंदर बुलाकर बैठा रखा था और ताला लगाया गया था, जो नियमों के अनुसार निश्चित तौर पर अनुचित है। दोनों ही कर्मचारियों को स्पष्टीकरण देने के लिए नोटिस दिया जा रहा है। स्पष्टीकरण आने के बाद दोनों कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

- रोशनी वर्मा, उप संचालक, सामाजिक न्याय विभाग बैतूल

ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की सौगात मिलने से खुश है ग्रामवासी

- सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने ग्रामीण क्षेत्रों में किया सुगम सड़कों का निर्माण

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में विकास कार्यों को गति मिली है। प्रदेश में पिछले एक वर्ष में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, परिवहन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए है। बैतूल जिले में विगत एक वर्ष में ग्रामीण क्षेत्रों में सडक़ों की सौगात मिलने से ग्रामवासी बेहद खुश है। लोक निर्माण विभाग भ.स. संभाग बैतूल के कार्यपालन यंत्री ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सडक़ों के निर्माण से ग्राम वासियों को आवागमन में सुविधा हो रही है। सडक़ दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सुगम सडक़ों का निर्माण किया गया है। कार्यपालन यंत्री ने बताया कि योजना मद में लोक निर्माण विभाग बैतूल द्वारा 10 कार्य पूर्ण किए गए है। जिनमें बैतूल बाजार बायपास मार्ग का निर्माण 1.88 किलोमीटर, खेडी सेलगांव बैतूल बाजार मार्ग 4 किलोमीटर, जामझिरी से बरहापुर मार्ग का निर्माण 3.30 किलोमीटर, बैतूल बाजार (अंबेडकर वार्ड) से चिखल्दा आठनेर रोड 2.80 किलोमीटर, आरूल से सोहागपुर रोड तक डामरीकरण मार्ग निर्माण 3 किलोमीटर, बरखेड़ पांढरिया मार्ग 5.40 किलोमीटर, ग्राम खडला से सावंगा तक डामरीकरण मार्ग 4.60 किलोमीटर, हरदोली से काठी मार्ग 2.25 किलोमीटर, लालढाना (गुबरेल) से दुनई मार्ग 3.80 किलोमीटर, उमरी से घाना मार्ग 1.50 किलोमीटर के कार्य शामिल है। इसी प्रकार मजबूतीकरण मद में लोक निर्माण विभाग बैतूल द्वारा 4 कार्य पूर्ण किए गए है। जिनमें सोनाघाटी जोगली मंडई खुर्द मार्ग 2.5 किलोमीटर, एनखेड़ा से जावरा मार्ग 4 किलोमीटर, पुसली लिंक मार्ग 1.50 किलोमीटर, कोलगांव सेलगांव बारव्ही मार्ग 4.70 किलोमीटर शामिल है।

एम्स भोपाल ने जटिल हृदय रोग से पीड़ित

20 वर्षीय मरीज का पंप-असिस्टेड बीटिंग हार्ट सर्जरी से सफल उपचार किया

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, संस्थान ने एक बार फिर चिकित्सा अनुसंधान, नवाचार और स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता को साबित किया है। हाल ही में, एक 20 वर्षीय मरीज गंभीर सांस की तकलीफ और दिल की धड़कन तेज होने की शिकायत के साथ एम्स भोपाल में भर्ती हुआ। कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग के विशेषज्ञों की टीम द्वारा किए गए मूल्यांकन में मरीज के दाहिने एट्रियम में गठान तथा दाहिने वेंट्रिकल में कमजोरी पाई गयी। ओपन हार्ट सर्जरी आमतौर पर हृदय को अस्थायी रूप से रोककर की जाती है, जिसमें हार्ट-लंग मशीन हृदय का कार्य संभालती है। हालांकि, इस गंभीर स्थिति में हृदय को रोककर सर्जरी करना ऑपरेशन सम्बंधित खतरों को बढ़ा देता है। इसके बाद यह निर्णय लिया गया कि मरीज का इलाज एक जटिल सर्जरी के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें पंप-असिस्टेड बीटिंग हार्ट (धड़कते हृदय में) तकनीक का उपयोग किया जाएगा ताकि उसके हृदय के कार्य को स्थिर रखा जा सके।

प्रो. सिंह ने इस उपलब्धि के महत्व पर जोर देते हुए कहा, यह मामला समय पर हस्तक्षेप और हमारी बहु-विशेषज्ञ टीम की उन्नत क्षमताओं का प्रतीक है। हमारी कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी विभाग की विशेषज्ञता, हमें इस मरीज को आवश्यक और गंभीर देखभाल प्रदान करने में सक्षम बनाता है। मरीज की सर्जरी पंप-असिस्टेड बीटिंग हार्ट तकनीक के साथ सफलतापूर्वक की गई, जो एक अत्याधुनिक विधि है, जो सर्जरी के दौरान हृदय के कार्य को स्थिर रखती है। यह विधि विशेष रूप से उन मरीजों के लिए महत्वपूर्ण है जिनका हृदय कार्य कमजोर होता है, जिससे बेहतर परिणाम और शीघ्र सुधार संभव होता है। इस मरीज की सर्जरी कार्डियोथोरेसिक विभाग के प्रमुख डॉ. योगेश निवारिया की देखरेख में किया गया था। सर्जिकल टीम में डॉ. एम किशन, डॉ. सुरेंद्र यादव, डॉ. राहुल शर्मा, डॉ. विक्रम वट्टी और डॉ. आदित्य सिरोही शामिल थे। एनेस्थीसिया टीम से डॉ. नागभूषणम, पर्फ्यूजनिस्ट टीम से सुषमा और वेदांत, एवं नर्सिंग टीम से पूनम और हंसा भी इस सर्जरी का हिस्सा थी।

धूमधाम से मनाया गया वार्षिक उत्सव

सीहोर। ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस हसनाबाद रोड, सीहोर में बड़े ही हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ प्रथम वार्षिक उत्सव समारोह मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एसपी सीहोर श्री दीपक शुक्ला एवं ओलिंपिक पैरा एथलीट श्री कपिल परमार पधारे। वार्षिक उत्सव समारोह में सर्वप्रथम गणेश वंदना हुई और उसके बाद बच्चों ने विभिन्न प्रकार के बहुत सारे रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस रंगारंग कार्यक्रम में पर्यावरण पर एक्ट ,वूमेंस एक्ट,आर्मी एक्ट, सोशल मीडिया पर नाटक, यूनिटी एंड डाइवर्सिटी एक्ट,चंद्रयान, एजुकेशन एक्ट एवं प्रभु श्री राम पर आधारित ग्रैंड फिनाले का बहुत ही खूबसूरत मंचन हुआ साथ ही दुर्गा स्कॉलरशिप का विमोचन किया गया, जिसके तहत स्कूल 15 प्रतिभाशाली बच्चियों को आगामी सत्र से मुफ्त में शिक्षा प्रदान करेगा। कार्यक्रम के अंत में ग्लोबल स्कूल आफ एक्सीलेंस के संचालक रोमित पाण्डेय एवं स्नेह निगम ने अतिथियों और अभिभावकों का उनकी उपस्थिति और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

पुलिस ने ताप्ती मेले में आमजनता को किया साइबर के प्रति जागरूक

बैतूल। साइबर अपराध के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए निरंतर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी कार्यक्रम में थाना मुलताई पुलिस द्वारा माँ ताप्ति मेले में सायबर अपराधों की रोकथाम और सुरक्षित वातावरण निर्माण के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी मुलताई राजेश सातनकर एवं थाना स्टाफ ने मेले में उपस्थित आमजन को सायबर अपराधों से बचने के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान लोगों को सायबर अपराध से बचाव हेतु क्या करें और क्या न करें के संबंध में निम्नलिखित सुझाव दिए गए। बताया गया कि 1. विश्वसनीय सोशल मीडिया प्लेटफार्म का उपयोग करें और ऑनलाइन डेटिंग साइट्स से दूर रहें। ईमेल आईडी, सोशल मीडिया प्रोफाइल्स, ई-वॉलेट्स/नेटबैंकिंग आदि के पासवर्ड मजबूत रखें एवं नियमित रूप से बदलें। टू-स्टेप वेरिफिकेशन / टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन का उपयोग करें। थाना प्रभारी राजेश सातनकर ने उपस्थित जनसमूह को सायबर अपराध के बढ़ते खतरों और उनसे बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया। इस प्रयास को मेले में आए लोगों द्वारा सराहा गया।

एम्स भोपाल का एमपीपेडिकॉन में उत्कृष्ट प्रदर्शन

प्रो. (डॉ.) महेश माहेश्वरी को के.के. कौल स्वर्ण पदक एवं एमपीआईएपी के अध्यक्ष पद से सम्मानित किया गया

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता और ज्ञान-साझाकरण की संस्कृति को सदैव बढ़ावा देते रहते हैं। हाल ही में, एम्स भोपाल के पीडियाट्रिक्स विभाग के प्रोफेसर, प्रो. (डॉ.) महेश महेश्वरी ने 'लड़कियों में प्रारंभिक (असामान्य) किशोरावस्था एक बढ़ती हुई चिंता' विषय पर 55वें वार्षिक राज्य सम्मेलन एमपीपेडिकॉन, जो मध्य प्रदेश इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (एमपीआईएपी) द्वारा आयोजित किया गया था, में मुख्य वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में, उन्होंने लड़कियों में 8 वर्ष की सामान्य आयु से पहले किशोरावस्था की बढ़ती प्रवृत्ति पर प्रकाश डाला। जेएएमए में प्रकाशित हालिया सिस्टमेटिक रिव्यू और मेटा-विश्लेषण के निष्कर्षों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि हर दशक में किशोरावस्था शुरू होने की आयु में तीन महीने की कमी हो रही है। डॉ. महेश्वरी ने यह भी बताया कि तनाव, अपर्याप्त नींद, मोबाइल का अत्यधिक उपयोग, जंक फूड का सेवन और मोटापा जैसी जीवनशैली की आदतें इस समस्या को बढ़ा रही हैं। इस सम्मेलन में प्रो. (डॉ.) महेश माहेश्वरी को प्रतिष्ठित प्रो. डॉ. के.के. कौल स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया, जो प्रो. डॉ. के.के. कौल और पद्मश्री डॉ. पुखराज बाफना द्वारा प्रदान किया गया। साथ ही उन्हें इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स, मध्य प्रदेश चैप्टर (एमपीआईएपी) का अध्यक्ष भी चुना गया। इसके अतिरिक्त, डॉ. हर्षिता एस. ने एसआर/फैकल्टी पुरस्कार प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता, जबकि डॉ. पूजा फुलगिरकर ने पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रो. सिंह ने डॉ. महेश्वरी को उनकी उपलब्धियों पर बधाई देते हुए कहा, डॉ. महेश महेश्वरी की उपलब्धियां एम्स भोपाल की स्वास्थ्य सेवा और शैक्षणिक उत्कृष्टता की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। बाल एंडोक्रिनोलॉजी और बाल स्वास्थ्य में उनके योगदान सराहनीय हैं। मुझे विश्वास है कि उनके नेतृत्व में एमपीआईएपी बाल चिकित्सा देखभाल के स्तर को मध्य प्रदेश में और ऊंचा उठाएगा। पीडियाट्रिक्स विभाग की प्रमुख प्रो. (डॉ.) शिखा मलिक ने भी अपनी शुभकामनाएं दीं और डॉ. महेश्वरी को टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस और अन्य बाल एंडोक्राइन विकारों से पीड़ित बच्चों की देखभाल को और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया।

आज रणजी महिला क्रिकेटर प्रीति यादव की घातक बल्लेबाजी देखेगा बैतूल

अलीशा क्लब जम्मू-कश्मीर की ओर से मैदान पर उतरेंगी रणजी खिलाड़ी प्रीति यादव

बैतूल। स्व. विजय कुमार खंडेलवाल स्मृति में आयोजित अखिल भारतीय क्रिकेट प्रतियोगिता टी20 व्हाइट बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में आज 31 दिसंबर को रणजी महिला क्रिकेटर प्रीति यादव अलीशा क्लब जम्मू-कश्मीर की ओर से मैदान पर उतरेंगी। लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में आयोजित इस क्रिकेट प्रतियोगिता दर्शकों को प्रीति यादव की घातक बल्लेबाजी और शानदार खेल को लाइव देखने का मौका मिलेगा। बैतूल एकेडमी के तत्वावधान में हो रहे इस टूर्नामेंट में कई अन्य रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रीति यादव ने रणजी स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। बैतूल अकादमी के तत्वाधान में आयोजित टूर्नामेंट के पहले मैच की शुरुआत सुबह 9 बजे क्रिश्चियन एकेडमी इंदौर और नागपुर स्ट्राइकर्स के बीच मुकाबले से होगी। दूसरा मैच दोपहर 1 बजे अलीशा क्लब जम्मू-कश्मीर और डीसीए हरदा के बीच खेला जाएगा। अलीशा क्लब की ओर से रणजी खिलाड़ी प्रीति यादव मैदान में उतरेंगी, जिनकी आक्रामक बल्लेबाजी का क्रिकेट प्रेमियों को बेसब्री से इंतजार है। टूर्नामेंट आयोजकों ने इसे सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारी की है। प्रतियोगिता में विजेता टीम को विधायक हेमन्त खंडेलवाल द्वारा 1 लाख 11 हजार का नकद पुरस्कार दिया जाएगा, उपविजेता टीम को 66,666 रुपए। टूर्नामेंट के संरक्षक पुनीत खंडेलवाल ने बताया कि प्रतियोगिता में रणजी ट्रॉफी और इंडिया लेवल के खिलाड़ी भी हिस्सा लेकर अपना जौहर दिखाएंगे।

शिविरों के माध्यम से सभी वंचित पात्रों को लाभान्वित किया जाए : कलेक्टर

टीबी उन्मूलन के लिए सभी उच्च जोखिम व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की जाए

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समय सीमा की बैठक में विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सभी जनपद सीईओ एवं सीएमओ को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री जन कल्याण शिविरों का प्रभावी ढंग से आयोजन किया जाए। केंद्र और राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं के लाभ से कोई भी पात्र वंचित न रहे। नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, आधार लिंकिंग, फार्मर रजिस्ट्री, इत्यादि राजस्व प्रकरणों के साथ जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, भूमि अनुज्ञा प्रमाण पत्र इत्यादि सेवाओं के भी शिविरों में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण कर उन्हें निर्धारित पोर्टल पर दर्ज कराएं। इसी प्रकार एमपीईबी, पशुपालन, मत्स्य, पीएचई, जल संसाधन, सामाजिक न्याय, श्रम इत्यादि विभाग सभी विभाग भी अपनी विभागीय योजनाओं के प्राप्त आवेदनों के निराकरण में गति लाएं। सभी एसडीएम अपने क्षेत्र में मुख्यमंत्री जन कल्याण शिविरों की सतत मॉनिटरिंग करें।

बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने राजस्व महाअभियान 3.0 तथा धारणाधिकार के प्रकरणों की भी तहसीलवार समीक्षा की। उन्होंने राजस्व महाअभियान और धारणाधिकार योजना के प्रकरणों में निराकरण में गति लाने के निर्देश सभी तहसीलदारों को दिए। कलेक्टर ने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 100 दिवसीय निक्षय अभियान की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा कर अभियान के तहत स्क्रीनिंग में संतोषजनक प्रगति नहीं दिखाई देने पर सभी बीएमओ को सख्त निर्देशित किया कि अभियान में प्राप्त लक्ष्य के अनुसार शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल की जाएं।इसके अलावा उन्होंने अधिक से अधिक एक्स-रे किए जाने एवं सभी उच्च जोखिम व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की जाकर बैकलॉग पूर्ण करने के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति की भी जनपद और निकायवार समीक्षा की। उन्होंने 70 प्लस आयु के आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्धारित लक्ष्य को यथा शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश सभी बीएमओ, जनपद सीईओ और सीएमओ को दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को भी आयुष्मान कार्ड और निक्षय अभियान की गंभीरता से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बैठक में धान उपार्जन की भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों को समय पर भुगतान हो या सुनिश्चित किया जाए। उपार्जित धान का सुरक्षित रख रखाव कराएं। बारिश की स्थिति को देखते हुए धान भीगने की स्थिति निर्मित ना हो। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की भी विभागवार समीक्षा कर कलेक्टर ने शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत अक्षत जैन, एडीएम राजीव नंदन श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी बैठक में उपस्थित रहें।

नाम परिवर्तन

मैं, अपर्णा सचिन मामीडवार, उम्र 33, पत्नी सचिन मामीडवार, निवासी फ्लैट नं.105, टावर-5, सागर लेक व्यू होम्स, अयोध्या बायपास रोड, भोपाल मध्य प्रदेश-462041, ने विवाह के पश्चात अपना नाम बासटवार प्रभावती मारोतराव से बदलकर अपर्णा सचिन मामीडवार रख लिया है, जो मेरे आधार कार्ड के अनुसार है, तथा पासपोर्ट आदि जैसे विभिन्न अनिवार्य दस्तावेजों में नाम की एकरूपता के लिए है। भविष्य में मुझे अपर्णा सचिन मामीडवार के नाम से जाना जाएगा। यह परिवर्तन भोपाल में दिनांक 30.12.24 को शपथपत्र द्वारा प्रमाणित है।

सीएमओ में अब सचिव स्तर के 3 अधिकारी

सरकार ने जारी की प्रमोशन लिस्ट, कोठारी-नरहरि पीएस, लवानिया-इलैया राजा सचिव बनाए गए

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन ने सोमवार को आईएएस अधिकारियों की प्रमोशन लिस्ट जारी की है। एक जनवरी 2025 से प्रभावी होने वाली लिस्ट के चलते अब सीएम सचिवालय में तीन सचिव हो गए हैं। भरत यादव पहले से सीएमओ में सचिव हैं। सूची में अविनाश लवानिया और इलैया राजा टी भी पदोन्नत होकर सचिव बन गए हैं। यह दोनों अभी सीएम सचिवालय में अपर सचिव हैं।

इसके अलावा दो आईएएस अफसर नवनीत मोहन कोठारी और पी. नरहरि को पदोन्नत कर प्रमुख सचिव बनाया गया है। 16 अपर सचिव को सचिव पद पर प्रमोशन दिया गया है। 29 आईएएस को अपर सचिव पद पर पदोन्नत किया गया है। एक अन्य आदेश में उपसचिव स्तर के 26 आईएएस अफसरों को कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड मंजूर किया गया है।

ये बने प्रमुख सचिव- राज्य शासन द्वारा जारी आदेश में सचिव पद पर कार्यरत जिन दो अफसरों को प्रमोट कर प्रमुख सचिव बनाया गया है, उनमें नवनीत मोहन कोठारी और पी. नरहरि के नाम शामिल हैं। अभी कोठारी को पुराने विभाग पर्यावरण में ही प्रमुख सचिव बनाया गया है। वहीं नरहरि भी सचिव पीएचई से प्रमुख सचिव पीएचई बनाए गए हैं।

उज्जैन समेत 13 जिलों के कलेक्टर और 15 अन्य आईएएस बने अपर सचिव- जीएडी द्वारा जारी आदेश में जिन अफसरों को

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (अपर सचिव) पर पदोन्नत किया गया है उसमें उपसचिव नवीन व नवकरणीय ऊर्जा वीरेंद्र कुमार, कलेक्टर उज्जैन नीरज कुमार सिंह, एमडी भवन विकास निगम डॉ पंकज जैन, एमडी मत्स्य महासंघ निधि निवेदिता, उप सचिव वित्त विभाग, स्वरोचिष सोमवंशी, कलेक्टर सीधी, प्रवीण सिंह अढायच, कलेक्टर सीहोर, अनुराग वर्मा, कलेक्टर सतना, प्रतिभा पाल, कलेक्टर रीवा शामिल हैं।

डॉ. फटिंग राहुल हरिदास, कलेक्टर बड़वानी, राजीव रंजन मीणा, संचालक संस्थागत वित्त, दीपक आर्य, सीईओ एमपी ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, हर्षिका सिंह, संचालक कौशल विकास तथा आयुक्त तकनीकी शिक्षा, आशीष भार्गव (पदस्थापना के लिए प्रतीक्षारत), अवधेश शर्मा, कलेक्टर टीकमगढ़, कुमार पुरुषोत्तम, एमडी कृषि विपणन बोर्ड, सुभाष कुमार द्विवेदी, कलेक्टर अशोक नगर, रत्नाकर झा, उप सचिव श्रम विभाग शामिल हैं।

इनके अलावा कलेक्टर उमरिया, धरणेंद्र कुमार जैन, केडी त्रिपाठी, सचिव माध्यमिक शिक्षा मंडल, अरविंद कुमार दुबे, कलेक्टर रायसेन, नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी, कलेक्टर बैतूल, केदार सिंह, कलेक्टर शहडोल, राजेश बाथम, कलेक्टर रतलाम, दिनेश कुमार मौर्य, ओएसडी सह कंट्रोलर खाद्य और औषधि प्रशासन, विवेक श्रोत्रिय, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, राजेश कुमार ओगरे, सचिव राज्य सूचना आयोग, अरुण कुमार परमार, उपसचिव मुख्यमंत्री तथा भारती जाटव, उपसचिव खनिज साधन विभाग को भी अपर सचिव पद पर पदोन्नत किया गया है।

इन्हें पदोन्नत कर बनाया गया सचिव

- अपर सचिव प्रियंका दास (एमएसएमई विभाग) को पदोन्नत कर सचिव एमएसएमई
- अविनाश लवानिया अपर सचिव मुख्यमंत्री और एमडी एमपी सड़क विकास निगम को सचिव मुख्यमंत्री और एमडी एमपीआरडीसी
- सूफिया फारुकी वली ओएसडी सह आयुक्त महिला और बाल विकास विभाग को आयुक्त महिला और बाल विकास विभाग
- अभिषेक सिंह सचिव राज्य निर्वाचन आयोग को ओएसडी सह सचिव राज्य निर्वाचन आयोग
- धनराजू एस ओएसडी सह आयुक्त वाणिज्यिक कर को आयुक्त वाणिज्यिक कर तथा सचिव वाणिज्यिक कर विभाग
- इलैया राजा टी अपर सचिव मुख्यमंत्री तथा एमडी पर्यटन विकास निगम को सचिव मुख्यमंत्री और एमडी पर्यटन विकास निगम
- प्रीति मैथिल अपर सचिव उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण को सचिव उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण
- अजय गुप्ता संचालक किसान कल्याण और कृषि विकास को इसी पद पर पदोन्नत किया गया है।

कई अन्य आईएएस का भी प्रमोशन, नियुक्ति यथावत

- अमित तोमर आईजी पंजीयन और मुद्रांक
- श्रीकांत बनोठ आयुक्त सह संचालक नगर व ग्राम निवेश
- शैलबाला अंजना मार्टिन सचिव सामान्य प्रशासन विभाग
- वंदना वैद्य ओएसडी सह अपर आयुक्त आदिवासी विकास
- अनुभा श्रीवास्तव प्रमुख राजस्व आयुक्त
- प्रबल सिपाहा सचिव एमपी पीएससी
- सतेंद्र सिंह कलेक्टर गुना
- मनीष सिंह सचिव परिवहन विभाग भी पदोन्नत किए गए हैं।

फिट भोपाल के लिए एसएमएच ने किया साइक्लोथॉन का आयोजन

जनकल्याण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने 12 किमी की साइकिलिंग

भोपाल (नप्र)। सागर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल (एसएमएच) ने होशंगाबाद रोड पर स्थित अपने अस्पताल परिसर से फिट भोपाल साइक्लोथॉन का आयोजन किया। यह आयोजन जनकल्याण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया था, जिसमें भोपाल साइकिल राइडर्स ग्रुप का भी सहयोग प्राप्त था। मुख्य अतिथि के रुप में डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस डॉ. संजय कुमार अग्रवाल शामिल हुए।

साइक्लोथॉन की गरिमा को बढ़ाते हुए डॉ. संजय कुमार अग्रवाल, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस, भोपाल ने कार्यक्रम में भाग लिया। उनके साथ घनश्याम मालवीय, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। 12 किलोमीटर लंबी इस साइक्लोथॉन का शुभारंभ सागर ग्रुप के चीफ मैनेजिंग ऑफिसर अवि महेश्वरी और हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. आदित्य अग्रवाल ने फ्लैग ऑफ करके किया।

यह साइक्लोथॉन सागर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल से शुरू होकर प्रमुख स्थानों जैसे एनआरआई स्कूल, बागसेवानिया पुलिस स्टेशन और कुबेर डेयरी से होते हुए अस्पताल परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान फिटनेस, पोषण और निवारक स्वास्थ्य देखभाल पर एक जानकारी पूर्ण सत्र भी आयोजित किया गया। जिसे डॉ. गौरव मेहरा, कंसल्टेंट फिजियोथेरेपिस्ट ने प्रस्तुत किया। इस सत्र में साइक्लिंग के लाभों पर विशेष रूप से चर्चा की गई, जिसमें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ सामुदायिक जुड़ाव को भी मजबूत करने की बात की गई।

कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को फर्स्ट-एड किट, मोबाइल स्टैंड और एसएमएच हेल्थ प्रिविलेज कार्ड जैसे उपहार दिए गए। इस साइक्लोथॉन का समापन सहयोग और बेहतर स्वास्थ्य की साझा प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

जबलपुर में आदिवासियों को कागजों पर दोबारा मार दिया

मरे को जिंदा बताकर कर्मकार कार्ड बनवाया, फिर डेथ सर्टिफिकेट से दो-दो लाख हड़पे

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर जिले में मर चुके कुछ आदिवासियों को जिंदा बताकर उनकी कर्मकार आईडी बनवाई गई। इसके दो से तीन महीने बाद दोबारा सरकारी कागजों में उन्हें मार दिया गया। यह सब कर्मकार कार्ड पर मिलने वाली 2 लाख रुपए की सरकारी मदद के लिए किया गया। इस पूरे खेल में सरपंच, सचिव और अधिकारी शामिल हैं। अब रिकवरी निकाली जाएगी। हैरानी की बात ये है कि मृत आदिवासियों के परिवारों से दस्तावेज ले लिए गए, लेकिन उन्हें इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया गया।

कुंडम जनपद पंचायत के सीईओ पीएल यादव का कहना है- कुछ केस सामने आए हैं। रिकवरी करवाई जा रही है। समन्वय अधिकारी सहित सरपंच, सचिव को नोटिस जारी किया गया है। कर्मकार कार्ड स्वघोषणा पत्र के आधार पर बनते हैं। बाद में जनपद स्तर पर इसकी जांच की जाती है।

ग्वालियर के योगेंद्र का दिव्यांग इंडियन क्रिकेट टीम में सिलेक्शन

इंटरनेशनल डिसएबल चैंपियन ट्रॉफी में खेलेंगे; श्रीलंका में 12 जनवरी से होंगे मैच

ग्वालियर (नप्र)। श्रीलंका में आयोजित होने वाली चार देशों की अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए ग्वालियर के योगेंद्र का भारतीय क्रिकेट टीम में चयन हुआ है। यह इंटरनेशनल डिसएबल क्रिकेट चैंपियन ट्रॉफी 12 से 21 जनवरी, 2025 तक श्रीलंका में आयोजित की जाएगी।

इस चैंपियन ट्रॉफी में भारत के अलावा इंग्लैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका की टीमें भाग लेंगी। इस चैंपियन ट्रॉफी के लिए ग्वालियर के योगेंद्र भदौरिया का चयन भारतीय क्रिकेट टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में हुआ है। योगेन्द्र के चयन से ग्वालियर में उनके परिवार और दोस्तों में खुशी की लहर है।

मध्य प्रदेश दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव संजय सिंह तोमर ने बताया कि दिव्यांग क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा देश भर के 25 खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की गई है, जो 12 से 21 जनवरी 2025 तक श्रीलंका में अपना जौहर दिखाएंगे। इसमें ग्वालियर के योगेन्द्र भदौरिया का भी चयन विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर हुआ है। योगेन्द्र भदौरिया ने जयपुर में हुए चैलेंजर ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन किया था, जिसके आधार पर इंडियन क्रिकेट टीम में जगह मिली है।

इंग्लैंड, पाकिस्तान, भारत और श्रीलंका में होगी भिड़ंत

श्रीलंका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता में श्रीलंका और भारत के साथ इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीमें भी भाग ले रही है। योगेन्द्र इंग्लैंड के खिलाफ अपना जौहर दिखा चुके हैं। योगेन्द्र के चयन पर मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के संरक्षक दीपक सचेती सहित अन्य पदाधिकारियों ने बधाई दी है। साथ ही विश्वास दिलाया है कि श्रीलंका में भी योगेन्द्र अपने खेल की अमिट छाप छोड़ेंगे।

सोमवती अमावस्या पर नर्मदा-क्षिप्रा में श्रद्धालुओं की आस्था की डुबकी

विदेशी पर्यटकों ने भी जबलपुर में स्नान किया; बोले- शानदार अनुभव रहा

उज्जैन/जबलपुर/होशंगाबाद (नप्र)। जबलपुर और उज्जैन में सोमवती अमावस्या के मौके पर श्रद्धालुओं ने स्नान किया। विदेशी पर्यटक भी इसमें शामिल हुए।

उज्जैन में कड़ाके की ठंड में सोमवती अमावस्या पर सोमवार को मोक्षदायिनी शिप्रा नदी में श्रद्धालु बड़ी संख्या में डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं। इस दौरान कुछ भक्त सोमती कुंड में भी स्नान कर रहे हैं। यहां रात का तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद भी उत्साह देखते बन रहा है। भीड़ को देखते हुए पुलिस के साथ एसडीईआरएफ की टीम भी तैनात की गई है। होशंगाबाद में सेठानी घाट पर खासी भीड़ देखी गई।

इसी तरह जबलपुर में भी नर्मदा नदी में स्नान के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। 50 हजार से ज्यादा श्रद्धालु ग्वारी घाट और जिलहरी घाट में स्नान कर चुके थे,यहां ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से आए पर्यटकों ने भी नर्मदा नदी में डुबकी लगाई। उन्होंने इसे

शानदार अनुभव बताया।

स्नान कर तीर्थ पर दान-पुण्य कर रहे श्रद्धालु- ग्रामीण क्षेत्रों से आए श्रद्धालु उज्जैन के सोमकुंड में स्नान कर तीर्थ पर दान-पुण्य और पितृ कर्म कर रहे हैं। सुबह से ही श्रद्धालु रामघाट पर डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं। महाकाल मंदिर सहित शहर के अन्य मंदिरों में भी दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी है। शिप्रा घाट पर पंडितों ने घाट के ऊपर स्थित धर्मशाला में पितरों के निमित्त पिंडदान और तर्पण कराया।

सोमवती अमावस्या पर बड़वानी-नर्मदा में डूबा 8 साल का बच्चा, मौत- बड़वानी जिला मुख्यालय से 4 किलोमीटर दूर नर्मदा नदी में डूबने से 8 साल के बच्चे की मौत हो गई है। हादसा सोमवार दोपहर ढाई बजे हुआ। बालक परिजन के साथ सोमवती अमावस्या पर स्नान के लिए पानसेमल से आया था। बालक कार्तिक पिता सेमा बैकवाटर के समीप स्नान कर रहा था। तभी वह गहराई में जाकर डूब गया। बालक को डूबते देख चीख पुकार मच गई। जहां जांच के बाद डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एमपी में कड़ाके की ठंड पारा 6.2 डिग्री पहुंचा

न्यू ईयर पर शीतलहर चलेगी; उज्जैन, ग्वालियर और चंबल में 2 दिन रहेगा कोहरा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में बारिश का दौर थम गया है। अब दिन-रात के तापमान में गिरावट होने लगी है। रविवार की रात कई शहरों में पारा लुढ़का रहा। वहीं, दिन के तापमान में 6.2 डिग्री तक की गिरावट देखने को मिली। यह गिरावट धार में हुई। यहां तापमान 20 डिग्री दर्ज किया गया। एमपी में नए साल के पहले दिन यानी, 1 जनवरी से कड़ाके की सर्दी का दौर फिर शुरू हो जाएगा। बर्फीली हवा की वजह से पूरा एमपी ठिठुरेगा।

सबसे ज्यादा असर उज्जैन और ग्वालियर-चंबल में दिखाई देगा। इन्हीं जगहों पर 30 और 31 दिसंबर को कोहरा भी रहेगा। जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर संभाग में भी कोहरा देखने को मिलेगा।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सकुर्लेशन के एक्टिव होने से प्रदेश में 2 दिन तक तेज बारिश का दौर रहा। भोपाल, मुरैना, अशोकनगर, नीमच, शाजापुर, बैतूल, रतलाम, ग्वालियर, आगर-मालवा, मंदसौर, देवास, नर्मदापुरम, सीहोर, रायसेन, उज्जैन, विदिशा, खंडवा, राजगढ़, हरदा, इंदौर, श्योपुर, शिवपुरी, भिंड, दतिया, खरगोन, बड़वानी, गुना, अलीराजपुर, धार, सागर, पन्ना, छतरपुर, दमोह, कटनी, छिंदवाड़ा, जबलपुर, नरसिंहपुर, निवाड़ी, टीकमगढ़, सतना, सिवनी, रीवा समेत कई जिलों में बारिश-आंधी चली। कई जगहों पर ओले भी गिरे। अगले 2 दिन ऐसा ही मौसम रहेगा। फिर ठंड का असर बढ़ जाएगा।

जनवरी में 20-22 दिन चल सकती है शीतलहर- मौसम विभाग के अनुसार, जनवरी में 20 से 22 दिन तक शीतलहर और कोल्ड डे का असर रह सकता है। शुरुआती दो दिन में ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग के जिलों में शीतलहर का असर देखने को मिलेगा। इसके बाद पूरे प्रदेश में असर बढ़ जाएगा।

जनजातीय कार्य विभाग के 17 करोड़ के निर्माण कार्य की निविदा में पारदर्शिता नहीं

निर्माण कार्य को देखने वाला ही विभाग में नहीं, जरूरी जानकारी अपलोड नहीं

(श्याम त्रिवेदी)

झाबुआ। जिले में करोड़ों के निर्माण कार्य किए जाने के लिए जनजातीय कार्य विभाग द्वारा निविदा सूचना जारी की गई। लेकिन, निविदा में पारदर्शिता की कमी देखने को मिल रही है। विभाग द्वारा ऑनलाइन बिड में जरूरी जानकारी अपलोड नहीं किए जाने से इस पर कई सवाल उठाए जा रहे।

जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जिले में निर्माण कार्य करवाये जाने के लिए 23 दिसंबर को क्रमांक/ 1248/ जजकावि/ निर्माण/2024/8661 से निविदा आमंत्रण की सूचना जारी की है। इसके अनुसार जिले के झाबुआ, थांदला, रामा, पेटलावद और रानापुर विकासखंड में 10 निर्माण कार्य किए जाने है। इनमें आदिवासी कन्या आश्रम का भवन निर्माण कार्य मय विद्युतिकरण कार्य, आदिवासी बालक आश्रम का भवन

निर्माण कार्य मय विद्युतिकरण कार्य, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में पेयजल कार्य, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में सीमेंट कांक्रीट एप्रोच रोड निर्माण कार्य शामिल है। इन सभी निर्माण कार्य की लागत लगभग 17 करोड़ है।

ऑनलाइन जानकारी नहीं दी - जनजातीय कार्य विभाग द्वारा निविदा की बिड में एस्टीमेट की जानकारी ऑनलाइन अपलोड नहीं की गई। नाम नहीं छापने की शर्त पर ठेकेदारों ने बताया कि एस्टीमेट अपलोड नहीं दिए जाने से जिले के बाहर के कई निविदाकारों (ठेकेदारों) को जानकारी के लिए झाबुआ आना पडेगा। जब की अन्य जिलों में जनजातीय कार्य विभाग में होने वाले निर्माण कार्यो की ऑनलाइन बिड में एस्टीमेट अपलोड किया जाता है।

करोड़ों के निर्माण कार्य किसके भरोसे- निविदा में उल्लेख है कि ठेकेदार को स्वीकृत कार्यों को गुणवत्तापूर्ण रूप से उपयुक्त सामग्री का उपयोग करते हुए विभागीय उपयंत्री के मार्गदर्शन में पूर्ण किया जाना अनिवार्य होगा। लेकिन, विभाग में उपयंत्री का मूल पद ही रिक्त है। और तकनीकी अधिकारी भी नहीं है। ऐसी स्थिति में करोडों के निर्माण कार्यो की गुणवत्ता को कौन देखेगा। इस मामले पर चर्चा करने के लिए सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग निशा मेहरा से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

शिवपुरी में तिहरा हत्याकांड, बदमाशों ने दंपति समेत पड़ोसी महिला का किया मर्डर

भोपाल/ शिवपुरी (नप्र)। म.प्र. शिवपुरी में अज्ञात बदमाशों ने रविवार-सोमवार की रात तीन लोगों की गला दबाकर हत्या कर दी। उन्होंने जेवर और 10 हजार रुपये लूट लिए। शिवपुरी जिले के ग्राम राऊटौरा में हुई इस वारदात में एक दंपत्ति और एक अन्य महिला की हत्या की गई है। हत्या लूट के इरादे से की गई प्रतीत हो रही है। पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

नाक-कान में पहने जेवर भी लूट ले गए- जानकारी के अनुार ग्राम राऊटौरा निवासी सीताराम पुत्र रामलाल लोधी उम्र 65 साल व उसकी पत्नी मुन्नी उम्र 60 साल अपनी झोपड़ी में सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात बदमाशों ने उनकी गला दबाकर हत्या कर महिला के नाक, कान में पहने हुए जेबर सहित घर में रखे करीब दस हजार रुपये लूट लिए।

पड़ोस ह्याला की भी हत्या- इस घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश पड़ोस में रहने वाली एक अन्य महिला के घर पहुंचे और उसके भी जेबर लूट कर उसकी हत्या कर दी। घटना की जानकारी सुबह उस समय लगी जब मृतकों के बच्चे वहां पहुंचे।

सिवनी में 300 लोगों पर केस दर्ज

नहर में पानी की मांग को लेकर किसानों ने दिया था धरना, 5 घंटे तक आवागमन बाधित रहा

सिवनी (नप्र)। सिवनी जिले के बंडोल थाना अंतर्गत जबलपुर-नागपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर श्रीवनी फिल्टर प्लांट के पास वाहनों का आवागमन 5 घंटे तक बाधित करने के मामले में 300 लोगों पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। दरअसल, 26 दिसंबर को पेंच परियोजना की नहर में पानी की मांग को लेकर क्षेत्र के किसानों ने धरना दिया था। इस दौरान एनएच पर चक्काजाम किए जाने के कारण आमजनों को कई घंटों तक परेशानी का सामना करना पड़ा था। पुलिस अब मामले की जांच में करने में जुट गई है। बंडोल थाना प्रभारी श्रीचंद मरावी ने बताया कि 5 लोगों पर नामजद, जबकि अज्ञात लोगों पर गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है।

किस की बलि लेगा कैश-गोल्ड कांड ?

परिवहन आरक्षक व उसके रिश्तेदारो व परिचितों के यहाँ मिला भारी कैश-गोल्ड क्या जल्द ही किसी राजनीतिक बलि की ओर बढ़ रहा है? राजनीतिक हल्कों में इसकी जोरदार चर्चा है। सूत्रों का कहना है कि केश गोल्ड कांड में किसी मंत्री पर जल्द ही गाज गिर सकती है। आरक्षक केश-गोल्ड कांड की दिल्ली में भी खासी चर्चा है और सत्ताधारी दल के शीर्ष नेताओं ने भी इस पर संज्ञान लेना शुरू कर दिया है। यदि इस मामले में किसी पर गाज गिरती हो तो पार्टी का एक तबका इससे प्रभावित होगा।

मोहन का मंत्रालय

हर मंगलवार

कुमार आशीष

अभी तक की जांच में यह तथ्य सामने आया है कि परिवहन आरक्षक पूर्व मंत्रियों का खास रहा है और वर्तमान में एक मंत्री का करीबी बताया जा रहा है। वर्तमान मंत्री ने तो अपने बंगले में आरक्षक को अलग से कक्ष आवंटित तक कर दिया था जहां वह विभागीय डील किया करता था।

साए की तरह रहते हैं सीनियर आईएएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार में इन दिनों एक सीनियर आईएएस अफसर की खासी चर्चा है। सीनियर आईएएस अधिकारी मुख्यमंत्री के साथ भोपाल के हर कार्यक्रम में शामिल रहते हैं या यह कहें कि साए की तरह सीएम के साथ चलते हैं और सीएम के हर निर्देश का यस सर की मुद्रा में जवाब देते हैं। मंत्रालय में उक्त सीनियर आईएएस की व्यस्तता और कार्य प्रणाली को लेकर चर्चा है कि सीनियर आईएएस भविष्य की संभावनाओं की पिच अभी से तैयार कर रहे हैं। क्योंकि प्रशासनिक हल्कों में उनको कोई चुनौती अभी तो नहीं दे पा रहा है और सीनियर आईएएस की सेवानिवत्ति भी 2027 को है। एसे में सीनियर आईएएस भी मिशन में पूर्ण मनोयोग से जूटे है।

वर्णवाल का फोकस

वन विभाग के आला अफसर इन दिनों अपने विभाग के मुखिया प्रशासनिक अधिकारी अशोक वर्णवाल की कार्यप्रणाली को लेकर हैरत में है। अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल विभागीय दौरे पर रहते हैं तो वह पौधा रोपण करने की वजह पूर्व में रोपे गए पौधे और उसकी सुरक्षा को लेकर किए गए उपायों पर चर्चा करते हैं। सूत्र बताते हैं कि पिछले दिनों एक रेंज के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अपर मुख्य सचिव को पौधा रोपण के लिए निवेदन किया तो उन्होंने रेंज में पहले रोपे गए पौधों की जानकारी मांगी और कहा कि वह पहले रोपे पौधों की स्थिति देखेंगे। अधिकारियों के हाथ पैर फूल गए और वन विभाग के अधिकारियों ने रस्म अदायगी करने का प्रयास किया। इस पर अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि प्रदेश मे नए पौधारोपण की बजाय पहले रोपे गये पौधों पर फोकस किया जाए।

- **नए साल में मिलेगा अध्यक्ष** - भारतीय जनता पार्टी का मध्यप्रदेश का नया अध्यक्ष नए साल में मिलेगा। वर्तमान अध्यक्ष बीडी शर्मा रिपीट होंगे या प्रदेश को अध्यक्ष के रूप में नया चेहरा मिलेगा इसको लेकर राजनीतिक चर्चाओं का दौर है? सूत्र बताते हैं कि वर्तमान अध्यक्ष बीडी शर्मा का दूसरा कार्यकाल फरवरी में पूर्ण होने वाला है। इस स्थिति में बीडी शर्मा की फिर से अध्यक्ष की ताजपोशी होती है इसमें संशय है। वहीं सूत्रों का यह भी कहना है कि प्रदेश में भाजपा के प्रदर्शन और वर्तमान अध्यक्ष की कार्य प्रणाली से पार्टी को लोकसभा और विधानसभा चुनाव में जबरदस्त सफलता मिली है ऐसे में पार्टी क्या वीडी शर्मा को फिर से मौका दे सकती है।